केरल निर्णायक राजनीतिक बदलाव की दहलीज पर - 5

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 92 तक गिरकर 91.90 पर बंद - 8

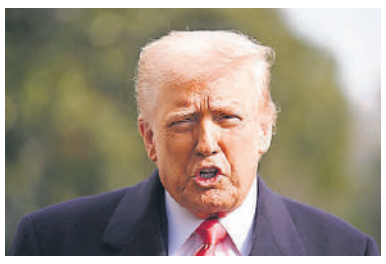

ट्रंप ने बोर्ड ऑफ पीस से कनाडा के पीएम कार्नी का निमंत्रण वापस लिया - 9

टाटा स्टील मास्टर्स : गुकेश के सामने छठे दौर में अब्दुसत्तोरोव की चुनौती - 10

आज का मौसम
21.0° अधिकतम तापमान
9.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 07.04
सूर्यास्त 05.45

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर ▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

माघ शुक्ल पक्ष षष्ठी 12:40 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 24 जनवरी 2026, वर्ष 7, अंक 61, पृष्ठ 12+4 ▪ मूल्य 6 रुपये

सूचना

SEASON AND STOCK CLEARANCE SALE

डायरेक्ट फैक्टरी सेल

घाटे की परवाह न करते हुए अब सारा माल
दो ही रेटों में बिक्री कर दिया जायेगा मात्र 200/- व 300/- में

सारी फैक्ट्रीयों का माल बरेली के होटल रोहिला व
स्वयंवर बैंकट हॉल में दो ही रेटों में बिक्री कर दिया जायेगा

इनका कहना है कि किसी भी गारमेन्ट्स में
300 रुपये से अधिक रेट पाएं जाने पर
इनाम देंगे 10000 रुपये कैश।

हमारा पहला ₹200

हमारा दूसरा ₹300

सेल सिर्फ 5 दिनों के लिए होगी
इसकी कोई Date आगे नहीं बड़ेगी।

बिक्री सिर्फ 5 दिनों के लिए : 24, 25, 26 व 27,28 जनवरी 2026

समय : प्रातः 10 बजे से रात 10 बजे तक

मालिकों का कहना है कि कम रेट का लालच देकर बुलाना यह हमारा काम नहीं है।

- ब्रान्डेड जेन्ट्स कोट पैन्ट सूट
- ब्रान्डेड जेन्ट्स जॉकेट
- ब्रान्डेड जेन्ट्स स्वेट शर्ट
- ब्रान्डेड जेन्ट्स लोवर
- ब्रान्डेड जेन्ट्स प्लोवर
- ब्रान्डेड जेन्ट्स हॉफ स्वेटर
- ब्रान्डेड जेन्ट्स ओसवाल इनर थर्मल
- ब्रान्डेड लेडीज जॉकेट
- ब्रान्डेड लेडीज लांग कुर्ती
- ब्रान्डेड लेडीज कार्डिगन
- ब्रान्डेड लेडीज स्वेट शर्ट
- ब्रान्डेड लेडीज वूलेन लैगी
- ब्रान्डेड लेडीज इनर थर्मल
- ब्रान्डेड लेडीज कैप एण्ड सॉक्स
- ब्रान्डेड किड्स जॉकेट
- ब्रान्डेड किड्स टॉप
- ब्रान्डेड किड्स स्वेट शर्ट
- ब्रान्डेड किड्स लोवर
- ब्रान्डेड किड्स जीन्स
- ब्रान्डेड किड्स कैप्री
- ब्रान्डेड किड्स कैप एण्ड साक्स

ब्रान्डेड जीन्सः 300 रूपये
ब्रान्डेड जाकीट : 300 रूपये
ब्रान्डेड काडीगन : 300 रूपये
ब्रान्डेड पूलोवर : 300 रूपये
ब्रान्डेड कोटः 300 रूपये
इन के अलावा जीतनी भी समान और है।

हमारे रेट में GST Include है

वूलन गारमेन्टस है लेडिज जीन्स एन्ड किड्स सभी गारमेन्टस Rate होगें मात्र 200 व 300 रूपये ONLY

प्योर लेदर के पर्स, बेल्ट, बैग, प्योर लेदर शूज, जिम बैग, स्पोर्ट्स शूज इन सबके काउण्टर अलग है।

शॉल, स्टॉल व वूलेन सूट व कश्मीरी वर्क वाले शॉल इनके काउण्टर अलग से होंगे।

बिक्री स्थान-

होटल रोहिला
2 सिविल लाइन, नजदीक गांधी उद्यान, कंपनी गार्डन, बरेली

PARKING FREE
ENTRY FREE

स्वयंवर बैंकट हॉल
निकट के.के. हॉस्पिटल, राजेन्द्र नगर, बरेली

लिया हालचाल...

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को मेदांता पहुंचे, उन्होंने महंत नृत्य गोपाल दास का हालचाल जाना। मुख्यमंत्री ने चिकित्सकों से भी उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। साथ ही आवश्यक उपचार की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। महंत नृत्य गोपाल दास उपचार के लिए मेदांता अस्पताल में भर्ती हैं।

साहब! इन तड़पते बेजुबानों पर भी कर लें नजरें इनायत

नगर और ग्रामीण क्षेत्र में पशुओं की उपचार सेवा रात्रि में उपलब्ध नहीं, हो जाती मौत

प्रशांत सक्सेना, लखनऊ

अमृत विचार : साहब! सड़कों पर घायल, रोते और कराहते इन बेजुबानों पर भी नजरें इनायत कर लें। जो बोल नहीं सकते पर हम आप इनका दर्द महसूस कर सकते हैं। इनके लिए रात में उपचार और संरक्षण की कोई व्यवस्था नहीं है। ज्यादा तकलीफ हड्डी टूटने, खून बहने और पेट में बच्चा फंसा होने पर होती है। इन्हें रात में न प्राथमिक उपचार मिलता न ही सर्जरी की व्यवस्था है। इसके लिए बरेली, मेरठ, वाराणसी और आगरा भेजना बताया जाता है। जब निराश्रितों के लिए जिलों में सरकारी व्यवस्था नहीं तो आम आदमी इन्हें दूर-दराज अपने खर्च पर क्यों ले जाए।

- **दोपहर ढाई बजे बंद हो जाते अस्पताल इमरजेंसी में नाम की जिम्मेदारी**

नगर हो या ग्रामीण दोपहर 2:50 बजे के बाद पशु चिकित्सालय बंद हो जाते हैं। चिकित्सक नॉन प्रैक्टिस एलाउंस के आदेश का हवाला देकर इमरजेंसी सेवा नहीं देते हैं। मुख्यालय छोड़कर चले जाते हैं और रात में फोन नहीं उठाते हैं। अस्पतालों पर गंभीर रोग का इलाज, जांच और सर्जरी की व्यवस्था नहीं है। सर्जन न के बराबर हैं तो अन्य चिकित्सक भी कम हैं। 1962 सेवा दिन में तत्काल नहीं मिलती। शाम को संचालन बंद हो जाता है। पशुपालन विभाग तकनीक नहीं, बल्कि विकास अंतर्गत आता है। इसलिए मानव की तरह सेवाएं नहीं हैं। सिर, सिंग, मुंह व गर्दन कसी रस्सी या तार से बंधे क्रूरता के शिकार गोवंश घाव व कीड़े से तड़पते रहते हैं। इन्हें पकड़ने के लिए नगर निगम को छोड़ बाकी संसाधनों का रोना रोते हैं। तो कई जिलाधिकारी और पशुपालन के अधिकारी ऐसे हैं, जो इन्हीं संसाधनों से काम चलाकर पशुओं को तत्काल राहत पहुंचाते हैं।

प्रयागराज में गाय के पेट में फंसा रहा बच्चा, मौत

केस-1

21 जनवरी को ग्राम बारा खास में निराश्रित गाय के पेट में बच्चा फंसा होने की सूचना पर संबंधित चिकित्सक मौके पर पहुंचे। टीम ने प्रयास किए, लेकिन बच्चा नहीं निकाल पाए। जिले स्तर पर सर्जरी की व्यवस्था नहीं थी। हालत बिगड़ने पर दूसरे दिन रात में डीएम के निर्देश पर टीम पहुंची। प्राथमिक उपचार दिया पर सर्जरी की व्यवस्था नहीं हो पाई। कुछ देर बाद मौत हो गई।

प्रयागराज में गाय के पेट में फंसा बच्चा निकालती टीम।

लखनऊ में गोवंश को नहीं मिला उपचार, मौत

केस-2

28 दिसंबर की रात करीब एक बजे लखनऊ के बर्लिंगटन में हादसे में घायल गोवंश तड़पता रहा। बराबर खून बहा। राहगीर करीब 45 मिनट तक नगर निगम और पशुपालन विभाग को फोन मिलाते रहे, लेकिन नहीं उठे। डीएम आवास पर भी जानकारी दी। रात ने उपचार सेवा न होने की वजह से कोई नहीं पहुंचा और कुछ देर बाद मौत हो गई।

लखनऊ में हादसे में घायल गोवंश।

घायल सांड़ को डीएम पीलीभीत ने दिलाई राहत

केस-3

पीलीभीत के गांव नारायनपुर में आंख के पास धारदार हथियार से घायल और गर्दन में कसी रस्सी से घाव व खून से लथपथ सांड़ का संसाधनों के अभाव में ग्रामीण स्तर से रेस्क्यू नहीं हो पाया। बराबर आनाकानी की। डीएम को जैसे ही सूचना मिली तो सीवीओ को निर्देशित करके 13 दिसंबर को नगर पालिका की टीम लगा दी। सांड़ को पकड़कर गोशाला भेजा गया और रस्सी काटकर उपचार किया गया।

पीलीभीत में घायल सांड़।

उन्नाव में नंदी का जबड़ा चीर रही रस्सी

केस-4

उन्नाव के मियागंज ब्लॉक अंतर्गत राजबाग में क्रूरता से एक नंदी के मुंह में बांधी गई रस्सी खाल चीरते अंदर घुस गई। ब्लॉक व पंचायत को जानकारी हुई तो संसाधनों का अभाव बताया। अफसरों ने निर्देशित किया तो टीमें बनी लेकिन पकड़ने का प्रयास किया तो विफल हो गए। इसके बाद प्रयास ही नहीं किया, न ही जिम्मेदारों ने दर्द से कराह रहे नंदी की सुध ली।

उन्नाव में नंदी के जबड़े में बंधी रस्सी और घाव।

फैक्ट्री में करोड़ों रुपये की चोरी का खुलासा, तीन गिरफ्तार

आगरा, एजेंसी: आगरा-मथुरा : राजमार्ग पर स्थित रोजर शू इंडस्ट्रीज लिमिटेड में हुई चोरी का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि पुलिस ने आरोपियों के पास से करीब 7.70 करोड़ रुपये मूल्य का सोना, हीरे, चांदी और नकदी बरामद की। रोजर इंडस्ट्रीज अरतौनी के मालिक दीपक बुद्धिराजा ने 19 जनवरी को सिकंदरा थाना में सूचना दी थी कि पहली मंजिल का गेट टूटा हुआ है और अलमारियों के ताले भी टूटे पड़े हैं। अधिकारी ने बताया कि सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने पाया कि

फैक्ट्री के लॉकर में रखी नकदी और भारी मात्रा में कीमती जेवरात चोरी हो चुके हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपियों से 66 लाख रुपये से ज्यादा नकद और 7.70 करोड़ रुपये के गहने बरामद किए गए। आरोपियों की पहचान अनुपम शर्मा, अनुराग शर्मा और संजय सिंह उर्फ संजू के रूप में हुई है।

न्यूज ब्रीफ

युवाओं को मिलेगा उद्योग आधारित प्रशिक्षण

अमृत विचार, लखनऊ : गौतम बुद्ध नगर स्थित नोएडा अपैरल एक्सपोर्ट क्लस्टर (एनएईसी) और राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद (एससीवीटी) के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह एमओयू पश्चिमी उत्तर प्रदेश के युवाओं के लिए कौशल विकास, रोजगार और उद्यमशीलता के नए अवसर खोलेगा। एमओयू के तहत एनएईसी आगामी पांच वर्षों में पश्चिमी यूपी के 18 जिलों के 128 विकास खंडों और 10,323 ग्रामों से जुड़े एक लाख युवाओं को 28 विभिन्न सेक्टरों में अल्पकालीन, उद्योगोन्मुख प्रशिक्षण देगा। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद 70 हजार युवाओं को औद्योगिक इकाइयों में रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है।

प्रेरणा स्थल पर सजेगी विकसित यूपी की झांकी

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर 24 से 26 जनवरी तक राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर आयोजित होने वाले तीन दिवसीय समारोह में प्रदेश की पर्यटन क्षमता, सांस्कृतिक विरासत और विकास यात्रा की भव्य झलक देखने को मिलेगी। 'विकसित भारत, विकसित उत्तर प्रदेश' थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से उत्तर प्रदेश को अग्रणी पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने का संदेश दिया जाएगा। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने शुक्रवार को दी।

विद्यार्थियों को पर्यटन से जोड़ेंगी प्रतियोगिताएं

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश दिवस और राष्ट्रीय पर्यटन दिवस के अवसर पर उप्र. पर्यटन विभाग द्वारा युवाओं को पर्यटन से जोड़ने के उद्देश्य से राजधानी स्थित राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल में विभिन्न रचनात्मक एवं शैक्षिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन 24 जनवरी को होंगे, कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता होगी, जिसे जूनियर और सीनियर दो वर्गों में विभाजित किया गया है। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इस मौके पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा, जो लाइव, ऑनलाइन और इंटरएक्टिव होगी। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को प्रदेश की प्राकृतिक धरोहर, सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक स्थलों और विकासात्मक उपलब्धियों की जानकारी दी जाएगी।

चलती कार में आग लगने से चालक की जिंदा जलकर मौत

आगरा, एजेंसी : जिले के जगदीशपुरा इलाके में चलती कार में आग लगने से चालक की जलकर कर मौत हो गई। सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) गौरव सिंह ने बताया किगुरुवार की देर रात थाना जगदीश पुरा इलाके में बोदला बिचपुरी मार्ग पर चालक वीरेंद्र (45) कार चला रहे थे, तभी अचानक कार में से धुआं उठना शुरू हो गया और देखते ही देखते कार में आग लग गई। एसीपी ने बताया कि वीरेंद्र कार का दरवाजा खोल नहीं पाए और आग की चपेट में आ गए।

बिजली चोरी डिफॉल्टर भी अब ले सकेंगे ओटीएस योजना का लाभ

उपभोक्ता अब रेड पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कर ले सकते हैं योजना का लाभ

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: मध्यांचल निगम के एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) को लाभ वह उपभोक्ता भी उठा सकेंगे, जो वर्ष-2023 में बिजली चोरी में पकड़े जाने के बाद डिफॉल्टर श्रेणी में आ गए थे। ऐसे उपभोक्ता अब रेड पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कर योजना का लाभ उठा सकते हैं। अब तक मध्यांचल डिस्कॉम में 11,077 उपभोक्ता पूरा भुगतान कर लगभग 23.33 करोड़ रुपये की छूट का लाभ ले चुके हैं, इनमें सर्वाधिक 2,446 उपभोक्ता अयोध्या क्षेत्र से हैं। वहीं बिजली चोरी से संबंधित मामलों में 15,663 उपभोक्ताओं ने पंजीकरण कराया, जिसके सापेक्ष 32.53 करोड़ रुपये के असेसमेंट पर 5.87 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है।

ओटीएस योजना के अंतर्गत अब तक कुल 11,98,407 उपभोक्ताओं ने रजिस्ट्रेशन कराया है और 1,147.64 करोड़ रुपये की राजस्व वसूली की जा चुकी है। वहीं शुक्रवार को 4.69 करोड़ रुपये की वसूली दर्ज की गई है। राजधानी में भी योजना को अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। अमौसी क्षेत्र में 12,049 उपभोक्ताओं से 17.74 करोड़, जानकीपुरम में 1,922 उपभोक्ताओं से 3.54 करोड़, लखनऊ मध्य क्षेत्र में 1,230 उपभोक्ताओं से 2.30 करोड़ तथा गोमतीनगर क्षेत्र में 646 उपभोक्ताओं से 1.38 करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्ति हुई। इसके अलावा योजना के माध्यम से अन्य जिलों जिसमें बरेली क्षेत्र से 288.92 करोड़, अयोध्या से 317.35 करोड़, सीतापुर से 210.64 करोड़, देवीपाटन से 185.70 करोड़ तथा रायबरेली क्षेत्र से 119.67 करोड़ रुपये की वसूली की गई।

घूस की शिकायत पर ऊर्जा मंत्री ने लाइनमैन को किया बर्खास्त, जेई निलंबित

अमृत विचार, लखनऊ : नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने घूसखोरी की शिकायत सामने आने पर कड़ा रुख अपनाते हुए दोषियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। मंत्री के निर्देश पर एक लाइनमैन की सेवा समाप्त कर दी गई, जबकि एक कनिष्ठ अभियंता (जेई) को निलंबित किया गया है। साथ ही एसडीओ और अधिशासी अभियंता से स्पष्टीकरण मांगा गया है। ऊर्जा मंत्री शुक्रवार को लखनऊ स्थित अपने आवास पर आयोजित जनसुनवाई कर रहे थे। जनसुनवाई के दौरान अमरोहा के नौगांव सादात निवासी मोहम्मद यूसा ने विद्युत संयोजन देने के नाम पर रिश्वत मांगे जाने और जानबूझकर कार्य में टालमटोल करने की शिकायत समक्ष रखी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए मंत्री ने तत्काल पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक रवीश गुप्ता से फोन पर बात कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। सख्त निर्देश मिलते ही प्रबंध निदेशक ने बिना विलंब किए कार्रवाई करते हुए कनिष्ठ अभियंता राजीव सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया, जबकि लाइनमैन अब्बास की सेवा समाप्त कर दी गई। इसके अलावा एसडीओ रितेश प्रसाद और अधिशासी अभियंता राहुल निगम को नियम-10 के तहत स्पष्टीकरण जारी किया गया है। संतोषजनक जवाब न मिलने पर विभागीय कार्रवाई की संस्तुति की गई है।

10 प्रमुख फसलों के एमएसपी की संस्तुति केंद्र को भेजने के निर्देश

अमृत विचार, लखनऊ : कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही की अध्यक्षता में शुक्रवार को विधानभवन स्थित कक्ष में खरीफ (2026-27) की प्रमुख फसलों के मूल्यों की संस्तुति के लिए मूल्य परामर्शदात्री समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में धान ग्रेड-ए, धान सामान्य, ज्वार, मक्का, उड़द, अरहर, मूंग, मूंगफली, सोयाबीन और तिल जैसी 10 प्रमुख फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गहन विचार-विमर्श किया गया।

कृषि मंत्री ने सभी फसलों के लिए प्रस्तावित मूल्यों की संस्तुति तैयार कर भारत सरकार को भेजने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को उनकी उपज का उचित और लाभकारी मूल्य सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर, खाद्य एवं रसद राज्यमंत्री सतीश शर्मा समेत प्रमुख सचिव रविंद्र, अजय कुमार शुक्ला, सचिव इन्द्र विक्रम सिंह, निदेशक कृषि पंकज त्रिपाठी मौजूद रहे।

लापरवाह उर्वरक कंपनियों पर होगी एफआईआर: शाही

कृषि विभाग के कार्यों की समीक्षा करते मंत्री सूर्य प्रताप शाही और जेपीएस राठौर।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने उर्वरकों की उपलब्धता और आपूर्ति व्यवस्था में लापरवाही बरतने वाली कंपनियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जनवरी 2026 के लिए निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत आपूर्ति न करने वाली उर्वरक कंपनियों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कराई जाए।

विधानसभा स्थित समिति कक्ष में शुक्रवार को संपन्न समीक्षा बैठक में कृषि मंत्री ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में प्रदेश को प्रतिदिन औसतन 12 से 13 यूरिया रैक प्राप्त हो रही हैं। 1 अक्टूबर 2025 से अब तक लगभग 1.02 करोड़ किसानों ने पीओएस मशीनों के माध्यम से 50.93 लाख मीट्रिक टन उर्वरक प्राप्त किया है। प्रदेश में इस समय 7.23 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 4.35 लाख मीट्रिक टन डीएपी और 3.69 लाख मीट्रिक टन एनपीके उपलब्ध है।

सहकारिता क्षेत्र में 2.07 लाख मीट्रिक टन यूरिया और 1.79 लाख मीट्रिक टन डीएपी का स्टॉक मौजूद है, जबकि निजी बिक्री केंद्रों पर भी पर्याप्त भंडार है। मंडलवार समीक्षा में बरेली, मुरादाबाद, वाराणसी और गोरखपुर मंडलों में उर्वरकों की स्थिति संतोषजनक पाई गई।

सीएम युवा योजना के तहत कर्ज देने में जौनपुर अव्वल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **यूपी दिवस पर आज मुख्यमंत्री करेंगे सम्मानित आजमगढ़ दूसरे व हरदोई तीसरे स्थान पर**

अमृत विचार: मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (सीएम युवा) योजना के क्रियान्वयन में शत-प्रतिशत से अधिक लाभ देकर जौनपुर पूरे प्रदेश में अव्वल रहा है। यूपी दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जिले को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करेंगे। योजना के तहत दूसरे स्थान पर आजमगढ़ और तीसरे स्थान पर हरदोई रहा।

वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए सरकार ने डेढ़ लाख युवाओं को लोन वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया है। अब तक 1,03,353 युवाओं को स्वरोजगार के लिए लोन वितरित किया जा चुका है।

जौनपुर जिले ने इस योजना के क्रियान्वयन में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र सिंह के अनुसार जिले को वर्तमान वित्तीय वर्ष में 2,500 युवाओं को लोन वितरण का लक्ष्य दिया गया था। इसके सापेक्ष 8,240 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 7,033 आवेदन बैंकों को भेजे गए। अब तक 3,315 युवाओं को लोन वितरित किया जा चुका है। इस तरह जौनपुर ने लक्ष्य के सापेक्ष 132 प्रतिशत से अधिक लोन वितरण कर प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। इसके अलावा अंबेडकरनगर चौथे और झांसी पांचवें स्थान पर रहे। कौशांबी, बहराइच, रायबरेली और महराजगंज का प्रदर्शन भी सराहनीय रहा।

14 लखपति दीदी को सम्मानित कर दिल्ली किया रवाना

अमृत विचार, लखनऊ : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी 14 'लखपति दीदियों' को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। साथ ही उन्होंने कालीदास मार्ग स्थित अपने सरकारी आवास पर शुक्रवार को गणतंत्र दिवस परेड में विशेष अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए दिल्ली रवाना होने वाली बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि 'लखपति महिला योजना' के तहत 33 लाख से अधिक महिलाओं का चिन्हांकन किया गया है, जिनमें से 18 लाख से अधिक महिलाएं लखपति श्रेणी में शामिल हो चुकी हैं। दिल्ली जाने वाली लखपति दीदियों में विभिन्न जिलों की महिलाएं शामिल हैं, जो ई-रिक्शा संचालन, पशुपालन, दुग्ध उत्पादन, कैफे संचालन, कृषि, सौंदर्य प्रसाधन और खाद्य उत्पादों जैसे विविध उद्यमों से जुड़ी हैं।

अपने सरकारी आवास पर लखपति दीदियों को सम्मानित करने के दौरान उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या।

तैयारी विधानसभा चुनाव से पहले गुटबाजी पर लगाम लगाने को जिला स्तर पर निगरानी और समन्वय की दी गई जिम्मेदारी

भाजपा ने यूपी के 84 संगठनात्मक जिलों में नियुक्त किए पर्यवेक्षक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: सत्तारूढ़ भाजपा ने जमीनी स्तर पर अपनी रणनीति को स्पष्ट करते हुए संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। पार्टी ने प्रदेश के 84 संगठनात्मक जिलों में पर्यवेक्षकों की नियुक्ति कर दी है। संगठन के नए मुखिया का यह फैसला जिला स्तर पर निगरानी और समन्वय की जिम्मेदारी के साथ विधानसभा चुनाव से पहले संगठन पर फोकस करते हुए गुटबाजी पर लगाम लगाने की तैयारी है।

पिछले महीने पंकज चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने के बाद यह पहला बड़ा संगठनात्मक निर्णय माना जा रहा है। जिन 84 संगठनात्मक जिलों में हाल ही में नए जिला अध्यक्ष नियुक्त किए गए थे, वहां अब पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं। इनकी भूमिका केवल रिपोर्टिंग तक सीमित नहीं होगी। उन्हें जिला संगठन, जनप्रतिनिधियों और पार्टी के विभिन्न मोर्चों के बीच समन्वय स्थापित करने, गुटबाजी पर नियंत्रण रखने और नेतृत्व की रणनीति को जमीन पर उतारने की जिम्मेदारी दी गई है।

पार्टी नेतृत्व का मानना है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में प्रदेश में सीटों का 62 से घटकर 33 रह जाना केवल राष्ट्रीय मुद्दों का असर नहीं था। इसके पीछे संगठनात्मक शिथिलता, मतदाता संपर्क की कमजोरी और सामाजिक संदेश की अस्पष्टता भी अहम कारण रहे। इसी अनुभव के आधार पर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद पर्यवेक्षकों को जिलों में भेजने की योजना बनाई गई। मतदाता सूचियों में नामों की कमी, खासकर पारंपरिक समर्थक वर्गों में, पार्टी के लिए चेतावनी की तरह देखी गई। हालांकि, चुनौतियां भी कम नहीं हैं। कानपुर और मुरादाबाद जैसे जिलों में संगठन और जनप्रतिनिधियों के बीच खींचतान लंबे समय से सामने आती रही है। पार्टी के भीतर यह स्वीकार किया जा रहा है कि यदि इन अंतर्विरोधों को समय रहते नहीं सुलझाया गया, तो चुनावी नुकसान तय है। पर्यवेक्षक व्यवस्था को इन्हीं कमजोर कड़ियों को जोड़ने के औजार के रूप में देखा जा रहा है।

संगठन में फीडबैक आधारित मॉडल

पंकज चौधरी के नेतृत्व में प्रदेश संगठन तेजी से फीडबैक-आधारित मॉडल पर काम कर रहा है। वे लगातार जिलों और क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं, स्थानीय नेताओं से सीधे संवाद कर रहे हैं और संगठन की नब्ज टटोल रहे हैं।

सभी वर्गों में संतुलन साधने की दिखाई दे रही कोशिश

इस संगठनात्मक कवायद के समानांतर भाजपा के भीतर सामाजिक समीकरण भी केंद्र में हैं। ब्राह्मण, ठाकुर, वैश्य, भूमिहार, ओबीसी और दलित सभी वर्गों में संतुलन साधने की कोशिश साफ दिखाई देती है। आंकड़े बताते हैं कि संगठन और सरकार, दोनों में ब्राह्मण और ठाकुर प्रतिनिधित्व लगभग संतुलित है, जबकि वास्तविक संगठनात्मक प्रभुत्व ओबीसी नेतृत्व के हाथों में है।

दलित राजनीति पर बड़ा फोकस

दलित राजनीति भाजपा के लिए अगला बड़ा फोकस बनती दिख रही है। संगठन और मंत्रिपरिषद में दलित प्रतिनिधित्व बढ़ाने के साथ-साथ, गैर-जाटव दलितों और पहली बार वोट देने वालों तक पहुंच बढ़ाने पर रणनीतिक काम हो रहा है। इसके साथ ही महिलाएं पार्टी की दूसरी बड़ी प्राथमिकता हैं। उज्ज्वला, आवास और मिशन शक्ति जैसी योजनाओं से बने माहौल को संगठनात्मक ताकत में बदलने के लिए जिला-मंडल स्तर पर महिला नेतृत्व को आगे लाने की तैयारी है।

सौर ऊर्जा को बढ़ावा देगा औरैया मॉडल

अमृत विचार, लखनऊ : औरैया जिले ने आवासीय सौर ऊर्जा को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और दूरदर्शी पहल करते हुए प्रदेश के लिए मॉडल प्रस्तुत किया है। औरैया जिले में अब नए आवासीय भवनों के नक्शे पास कराने के लिए सोलर रूफटॉप सिस्टम और रेन वाटर हार्वेस्टिंग को अनिवार्य कर दिया गया है। इसे सरकार ग्रीन एनर्जी और सतत विकास की दिशा में अन्य जिलों में लागू करने की तैयारी में है। निर्णय का उद्देश्य केवल बिजली बचत तक सीमित नहीं है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और जल संरक्षण को भी मजबूती देना है। नई व्यवस्था के तहत नगर पालिका, नगर पंचायत और नगर निगम स्तर पर बोर्ड बैठक में प्रस्ताव पारित कर इसे लागू किया जा सकता है।

केरल निर्णायक राजनीतिक बदलाव की दहलीज पर - 5

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 92 तक गिरकर 91.90 पर बंद -8

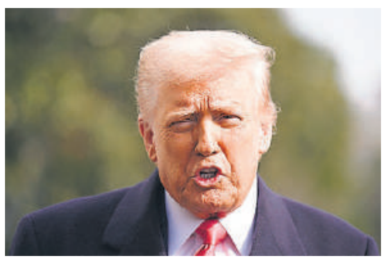

ट्रंप ने बोर्ड ऑफ पीस से कनाडा के पीएम कार्नी का निमंत्रण वापस लिया - 9

टाटा स्टील मास्टर्स : गुकेश के सामने छठे दौर में अब्दुसत्तोरोव की चुनौती - 10

आज का मौसम 21.0° अधिकतम तापमान 9.0° न्यूनतम तापमान सूर्योदय 07.04 सूर्यास्त 05.45

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

माघ शुक्ल पक्ष षष्ठी 12:40 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 24 जनवरी 2026, वर्ष 7, अंक 61, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

पहाड़ों में भारी बर्फबारी, मैदानी इलाकों में बारिश और शीतलहर ने बढ़ाई कंपकंपी

श्रीनगर हवाई अड्डे पर उड़ानें रद्द, वैष्णो देवी यात्रा रुकी, यूपी-दिल्ली समेत कई राज्यों में बारिश

- हिमाचल में दो राष्ट्रीय राजमार्गों समेत 565 सड़कें बंद, कश्मीर का अन्य क्षेत्रों से संपर्क कटा

जम्मू/नई दिल्ली/लखनऊ/देहरादून, एजेंसी

उत्तर भारत में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से कड़ाके की ठंड वापस लौट आई है। हिमालय के राज्यों में गुरुवार रात से ही भारी बर्फबारी जारी है वहीं, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली में बारिश व तेज हवाओं ने कंपकंपी बढ़ा दी है। कई राज्यों में काले बादलों के डेरा डालने व बारिश होने से क्षेत्र में लंबे समय से चल रहे शुष्क मौसम का अंत हो गया।

जम्मू-कश्मीर के मैदानी और पहाड़ी जिलों में बर्फबारी जारी है। श्रीनगर एयरपोर्ट पर 4 इंच तक बर्फ जम गई है, इससे शुक्रवार को सभी फ्लाइट कैंसिल कर दी गई हैं। श्रीनगर-जम्मू हाईवे भी बंद हो गया है। डोडा, किश्तवाड़, पुंछ, रामबन और उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा सहित जिलों में 2,500 मीटर से ऊपर हाई-डेंजर लेवल के एवलॉन्च की चातवनी दी है। कटरा में बर्फबारी के कारण वैष्णो देवी यात्रा रोक दी गई है।

हिमाचल प्रदेश के शिमला में सड़क पर बिछी बर्फ की मोटी चादर।

हिमाचल में भारी बर्फबारी के कारण दो राष्ट्रीय राजमार्गों समेत 565 सड़कों को बंद कर दिया गया है। शिमला में शुक्रवार को मौसम की पहली बर्फबारी हुई जिसके बाद पर्यटक खुश नजर आए। कई पर्यटकों ने सोशल मीडिया पर वीडियो साझा किए और इसे सर्दियों का सबसे खुशनुमा स्थान बताया। शिमला मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, मनाली के पास स्थित कोठी गांव में 15 सेंटीमीटर बर्फबारी हुई, जो राज्य में सबसे अधिक है। इसी प्रकार, लाहौल और स्पीति के गोंदला, कुकुमसेरी और हंसा गांवों में क्रमशः 12 सेंटीमीटर, 6.8 सेंटीमीटर और पांच सेंटीमीटर हिमपात हुआ।

उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में नए साल का पहला हिमपात हुआ। राजधानी देहरादून सहित प्रदेश के ज्यादातर निचले इलाकों और मैदानी क्षेत्रों में भी सुबह से बारिश हो रही है। बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री, औली, मसूरी, चकराता, धनोल्टी, उत्तरकाशी सहित अनेक जगहों पर हो रही बर्फबारी से सड़कें, पेड़ और मकान सब सफेद चादर में लिपटे नजर आ रहे हैं। दिल्ली में बारिश के कारण गणतंत्र दिवस परेड के फुड ड्रेस रिहर्सल पर भी पड़ा।

यूपी के 15 जिलों में ओलावृष्टि की संभावना

लखनऊ। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से पश्चिमी उप्र के 15 जिलों में ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। तेज झोंकेदार हवाओं और हल्की बारिश से कई जिलों में अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अलीगढ़, कासगंज, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, संभल व बदायूं में ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट है। यहां हवा की रफ्तार 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है।

माघ मेले में बसंत पंचमी पर टूटा महाकुंभ का रिकॉर्ड

- देर शाम तक 3.56 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में लगाई आस्था की डुबकी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/प्रयागराज

अमृत विचार : बसंत पंचमी की पावन बेला पर संगम तट आस्था, उल्लास और भक्ति के महासागर में डूब गया। प्रयागराज माघ मेले में स्नानार्थियों की संख्या ने इतिहास रच दिया। मेला प्रशासन के अनुसार देर शाम तक 3.56 करोड़ श्रद्धालु संगम में पुण्य स्नान कर चुके थे। इससे पहले बसंत पंचमी के अवसर पर महाकुंभ-2025 में अधिकतम 2.57 करोड़ श्रद्धालुओं ने स्नान किया था।

गुरुवार देर रात से ही हर-हर महादेव, जय श्रीराम और जय गंगा मैया के गगनभेदी जयघोषों के बीच पुण्य स्नान का सिलसिला शुरू हो गया। अंधेरी रात से लेकर सुबह की सुनहरी धूप तक संगम की ओर बढ़ते श्रद्धालुओं की अनवरत धाराएं दिखीं। कहीं दंड-कमंडल थामे साधु-संत, तो कहीं सिर पर गठरी और कंधे पर झोला डाले आम श्रद्धालु, सबका लक्ष्य एक था, संगम में आस्था की डुबकी। घाटों पर गुनगुनी धूप के बीच आस्था का अद्भुत दृश्य नजर आया।

अविमुक्तेश्वरानंद का धरना जारी, तबीयत बिगड़ी

माघ मेला क्षेत्र में मौनी अमावस्या से धरने पर बैठे शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की तबीयत शुक्रवार को बिगड़ गई। छह दिनों से खुले आसमान के नीचे लगातार धरना देने के कारण उन्हें बुखार हो गया है। शंकराचार्य के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी शैलेंद्र योगीराज ने तबीयत खराब होने की पुष्टि करते हुए बताया कि डॉक्टरों की निगरानी में उनका उपचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वामी जी का धरना जारी है, लेकिन स्वास्थ्य को देखते हुए सावधानी बरती जा रही है।

स्वामी निश्चलानंद समेत संतो ने लगाई डुबकी

पुरी के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती सहित सभी प्रमुख संतो ने संगम में पुण्य की डुबकी लगाई। कल्पवासी और किन्नर अखाड़े के संतों ने बसंत पंचमी का स्नान किया। मुख्यमंत्री योगी ने श्रद्धालुओं को बधाई देते हुए कहा कि मां गंगा सबकी मनोकामनाएं पूर्ण करें। माघ मेले में अब तक 15 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पुण्य की डुबकी लगा चुके हैं।

ब्रीफ न्यूज

मुठभेड़ के दौरान जैश-ए-मोहम्मद का आतंकी ढेर

जम्मू। जम्मू कश्मीर के कठुआ जिले में शुक्रवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) का एक पाकिस्तानी आतंकवादी मारा गया। जम्मू रेंज के पुलिस महानिरीक्षक भीम सेन टूटी ने बताया कि बिल्लावार इलाके में एक संयुक्त अभियान के दौरान आतंकवादी को मार गिराया गया। अधिकारियों ने मारे गए आतंकवादी की पहचान जैश-ए-मोहम्मद के कमांडर उस्मान के रूप में की है।

पांच आतंकी गिरफ्तार गोला-बारूद बरामद

अमृतसर। पंजाब पुलिस ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल से जुड़े एक आतंकवादी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए इसके पांच गुर्गों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से हैंड ग्रेनेड और गोलाबारूद बरामद किया है। (विस्तृत पेज-5)

देश विरोधी ताकतों के सामने न झुकने की नेताजी देते प्रेरणा : मुख्यमंत्री

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित करते मुख्यमंत्री योगी।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- योगी बोले- भारत माता के सच्चे सपूत व आजादी के महानायक थे नेताजी सुभाष चंद्र बोस
- 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' बना स्वतंत्रता आंदोलन का मंत्र

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस आज भी देश विरोधी और देशद्रोही तत्वों के सामने न झुकने की प्रेरणा प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि नेताजी का नाम लेते ही प्रत्येक भारतीय के मन में स्वतः देशप्रेम, श्रद्धा और सम्मान की भावना जागृत हो जाती है।

योगी ने उक्त बातें नेताजी की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को लखनऊ के हजरतगंज स्थित नेताजी सुभाष चौक पर आयोजित कार्यक्रम में कहीं। उन्होंने नेताजी को भारत माता का सच्चा सपूत और स्वतंत्रता आंदोलन का महानायक बताते हुए कहा कि आजादी की लड़ाई में उनका योगदान अमूल्य और अविस्मरणीय है। उन्होंने नेताजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर प्रदेशवासियों की ओर से श्रद्धासुमन अर्पित किए। योगी ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी राष्ट्रहित के लिए दृढ़ संकल्प और साहस का जो उदाहरण नेताजी ने प्रस्तुत किया, वह आज भी देशवासियों के लिए मार्गदर्शक है। नेताजी का उद्घोष 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' स्वतंत्रता आंदोलन का मंत्र बन गया था। उनके शब्दों में ऐसी शक्ति थी कि वे हर भारतीय के हृदय में जोश और त्याग की भावना भर देते थे।

23 अप्रैल को खुलेंगे भगवान बदरीनाथ धाम के कपाट

देहरादून। उत्तराखंड की आस्था का शिखर कहे जाने वाले भगवान बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि की शुक्रवार को विधिवत घोषणा कर दी गई। वसंत पंचमी के पावन अवसर पर टिहरी के नरेंद्र नगर राजदरबार में शास्त्रोक्त परंपराओं के अनुरूप पंचांग गणना के बाद इस यात्रा वर्ष बदरीनाथ धाम के कपाट 23 अप्रैल (गुरुवार) को प्रातः 6:15 बजे शुभ मुहूर्त में खोलने का फैसला लिया गया। तेल कलश गाडू घड़ा यात्रा 7 अप्रैल से शुरू होगी।

व्यापारी के बेटे का अपहरण कर हत्या, एक आरोपी ढेर

संवाददाता, बरगढ़ चित्रकूट

आयुष (फाइल फोटो)

- आरोपियों ने शव को बक्से में रखकर कमरे की टांड़ में चुनवा दिया

अमृत विचार: कस्बे के एक कपड़ा व्यापारी अशोक कुमार केशरवानी के 13 वर्षीय बेटे आयुष उर्फ छोटू की गुरुवार शाम अपहरण कर हत्या कर दी गई। वह घर से कोचिंग के लिए निकला था।

आरोपियों ने बच्चे का शव बक्से में बंद कर टांड़ पर रखकर दीवार चुनवा दी और पिता को फोनकर 40 लाख की फिरौती मांगी। पुलिस ने फोन नंबर के आधार पर व्यापारी की दुकान के पास ही संदूक की दुकान चलाने वाले दुकानदार इरफान अंसारी और उसके नौकर कल्लू उर्फ साहिबे इमान को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के लिए ले जाते समय आरोपियों ने पुलिस से असलहे छीनकर फायरिंग कर भागने की कोशिश की। जवाबी फायरिंग में गोली लगने से एक आरोपी की मौत हो गई और दूसरा घायल है। उधर, वारदात से गुस्साए लोगों ने कस्बे में जाम लगाकर नारेबाजी की। डीआईजी राजेश एस, जिलाधिकारी पुलकित गर्ग और पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह, सीओ यामीन अहमद सहित अन्य अधिकारियों ने मौके पर पहुंच कर उनको समझाया।

कोडीन कफ सिरप तस्कर की 28 करोड़ की संपत्ति कुर्क

सोनभद्र। कोडीन युक्त कफ सिरप की जांच कर रही सोनभद्र पुलिस की एसआईटी टीम ने मुख्य अभियुक्त भोला प्रसाद की अपराध जगत से अर्जित की गई 28.50 करोड़ की संपत्ति दी है। एसपी अभिषेक वर्मा ने बताया कि भोला प्रसाद के खिलाफ राबर्ट्सगंज कोतवाली में एनडीपीएस व अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज है। मामले की जांच एसआईटी कर रहीहै। भोला प्रसाद को कुछ दिन पहले विदेश पलायन के प्रयास के दौरान दमदम एयरपोर्ट, कोलकाता से गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जिला कारागार सोनभद्र में निरुद्ध किया गया है। उन्होने बताया कि उक्त संपत्तियों को चिन्हित करते हुए धारा 107 बीएनएसएस के अंतर्गत कुर्की के लिए न्यायालय में रिपोर्ट प्रेषित की गई थी।

इवेंट मैनेजर की हत्या, शव खेत में दफनाया

कार्यालय संवाददाता, बरेली

आयुष (फाइल फोटो)

- बारादरी क्षेत्र के संजय नगर की रहने वाली पूजा 12 जनवरी से थी लापता
- कस्टडी से भागने की कोशिश में आरोपी को पैर में गोली मारकर किया गिरफ्तार

अमृत विचार : बारादरी क्षेत्र के संजय नगर निवासी इवेंट मैनेजर पूजा राणा (30) की निर्मम हत्या कर दी गयी। हत्यारे ने शव को पीलीभीत रोड स्थित एक डिग्री कॉलेज के पीछे खेत में गड्ढा खोदकर दफन कर दिया।

पूजा की बरामदगी में जुटी पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर रिठौरा निवासी उसके दोस्त विमल को गिरफ्तार कर वारदात का खुलासा कर दिया है। इवेंट मैनेजर की मोबाइल बरामदगी के दौरान आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। इसके बाद पुलिस ने जवाबी फायरिंग में आरोपी के पैर में गोली मारकर गिरफ्तार कर लिया। परिजनों के अनुसार, पूजा 12 जनवरी को अपनी मां महेंद्र देवी और बहन शालिनी को बता कर शादी समारोह के इवेंट में गई थी, लेकिन देर रात तक घर वापस नहीं लौटी। अगली सुबह पिता प्रेम सिंह ने फोन किया, लेकिन मोबाइल स्विच ऑफ मिला। तलाश के बाद भी कुछ पता नहीं चलने पर परिजनों ने पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने इलाके में लगे सीसीटीवी की फुटेज खंगाली, जिससे आरोपी का सुराग मिला। पुलिस ने उसे हिरासत में लिया और कड़ी पूछताछ में उसने हत्या करने के बाद शव को नकटिया नदी के पास खेत में दफन करने की पूरी घटना स्वीकार कर ली। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने नकटिया नदी के पास खेत से पूजा का शव बरामद किया और पीलीभीत की बड़ी नहर से उसकी स्कूटी भी बरामद कर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

एसपी सिटी मानुष पारीक ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपी ने सभी सच्चाई उगल दी। आरोपी के खिलाफ हत्या, साक्ष्य मिटाने और पुलिस पर हमला करने जैसी गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं, मृतका के पिता प्रेम सिंह ने आरोप लगाया कि पूजा ने सोने की तीन अंगूठियां, दो चेन, पेंडेंट और कुंडल पहन रखे थे। उनका कहना है कि लूट के इरादे से ही आरोपी ने मफलर से गला घोंटकर हत्या की।

मॉक ड्रिल | लखनऊ पुलिस लाइन में मुख्यमंत्री के समक्ष सायरन, अंधेरा और रेस्क्यू ऑपरेशन

74 जिलों में अचानक छाया अंधेरा, युद्ध जैसी तैयारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में नागरिक सुरक्षा और आपात स्थितियों से निपटने की तैयारियों को परखने के लिए शुक्रवार शाम 74 जिलों में व्यापक ब्लैकआउट और मॉक ड्रिल आयोजित की गई। राजधानी लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पुलिस लाइन में मौजूद रहे और पूरे अभ्यास की निगरानी की। सायरन बजते ही तय समय पर लाइटें बंद कर दी गईं और कुछ ही पलों में शहर अंधेरे में डूब गया।

लखनऊ में पुलिस लाइन परिसर में रेस्क्यू ऑपरेशन, घायलों को सुरक्षित निकालने और त्वरित चिकित्सा सहायता का अभ्यास किया गया। बरेली में ब्लैकआउट के दौरान सिविल डिफेंस और फायर ब्रिगेड की टीमों ने ऊंची इमारतों से फंसे लोगों को निकालने का अभ्यास किया। कानपुर और कानपुर क्षेत्र के अन्य जिलों में धमाके जैसी आवाज के बाद लोगों को सुरक्षित स्थानों पर लेटने और अंधेरे में अनुशासन बनाए रखने का अभ्यास कराया गया। अयोध्या में धार्मिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में आपात स्थिति से निपटने की मॉक ड्रिल की गई, जहां त्वरित निकासी और सुरक्षा घेरा बनाने पर जोर रहा। वहीं मुरादाबाद में घायल नागरिकों को एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाने और अस्पतालों की इमरजेंसी तैयारियों की जांच की गई।

बरेली कलेक्ट्रेट परिसर : मॉक ड्रिल के दौरान घर में लगी आग के बाद राहत कार्य में जुटे कर्मी।

टीमें पूरी तरह रहीं सक्रिय, माघ मेले के कारण प्रयागराज में नहीं कराया गया ब्लैकआउट

इस मॉक ड्रिल में पुलिस, सिविल डिफेंस, एनडीआरएफ, होमगार्ड, फायर ब्रिगेड और स्वास्थ्य विभाग की टीमें पूरी तरह सक्रिय रहीं। विभिन्न एजेंसियों के समन्वय, रिस्पॉन्स टाइम और संसाधनों के उपयोग की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने फीडबैक लेकर टीमों की तत्परता की सराहना की। शासन के अनुसार ब्लैकआउट का उद्देश्य हवाई हमले या अन्य आपात स्थितियों में शहरों की लोकेशन छिपाने और नागरिकों को अनुशासित रहने का अभ्यास कराना है। माघ मेले के कारण प्रयागराज में ब्लैकआउट नहीं कराया गया। यह अभ्यास नागरिक सुरक्षा तैयारियों को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

श्रद्धा और उल्लास के साथ किया मां वीणावादिनी का पूजन

बच्चों का हुआ विद्यारंभ संस्कार, सांस्कृतिक कार्यक्रम और हवन पूजन के साथ स्कूल और सामाजिक संस्थाओं ने मनाया बसंतोत्सव और की पतंगबाजी

संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : बसंत पंचमी का पर्व श्रद्धा के साथ मनाया गया। ग्रामीण अंचलों में जगह-जगह सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक, माध्यमिक विद्यालयों में भी बसंतोत्सव मनाया गया। कई जगहों पर छोटे बच्चों का विद्या का आरंभ भी सरस्वती देवी के दिन कराया गया।

शेरगढ़ : कस्बे के युवा मंडल विद्यालय में ज्ञान की देवी सरस्वती की विशेष पूजा अर्चना की गई। यहां हुए यज्ञ का शुभारंभ बीईओ मुकेश कुमार ने किया। शिक्षक-शिक्षिकाओं, छात्र-छात्राओं ने यज्ञ में आहुति दी। कार्यक्रम में पहुंचे भाजपा एमएलसी बहोरन लाल मौर्य, चेयरमैन बुद्धसेन मौर्य, बीईओ मुकेश कुमार भारती, पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्रमोद अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, दिनेश शर्मा, पूर्व चेयरमैन ओम प्रकाश चंद्रा, प्रबंधक भूपराम श्रीवास्तव, प्रधानाचार्य डॉ कल्याण राय श्रीवास्तव, उपप्रधानाचार्य शिव ओम सिंह, ठाकुर वीरपाल सिंह ने छात्र-छात्राओं को बसंत पंचमी की महत्ता बताई।

दिव्य कृपाल इंटर कॉलेज में मनाई बसंत पंचमी

मीरगंज: दिव्य कृपाल विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में सुभाष चंद्र बोस जयंती एवं बसंत पंचमी कार्यक्रम हुआ। इसमें रमेश चंद्र गंगवार, लक्ष्मी देवी शारदा देवी, मीनाक्षी शर्मा, बृजेश शर्मा, सायमा बी, मीना रानी, तपस्या गंगवार, आशा मैडम, शिवानी शर्मा, आकाश सर, जमुना प्रसाद आदि स्टाफ सम्मिलित हुए। छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम किए जिनके नाम इस प्रकार हैं मोहिनी, नैना, संजना, आरती, मोहम्मद फरमान, आरती सिंकु, सलोनी, नंदनी, भावना, दीपांशी आदि ने कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ माल्या अर्पण व दीप प्रज्वलित कर किया गया।

आंवला जीआईसी में हुए कार्यक्रम में मौजूद अतिथि। ● अमृत विचार

भोजीपुरा में नए विद्यार्थियों का विद्यारंभ संस्कार संपन्न कराया गया। ● अमृत विचार

शेरगढ़ में हुए कार्यक्रम में एमएलसी बहोरन लाल मौर्य को स्मृति चिह्न दिया।

जीआईसी में हुए बसंतोत्सव में बच्चों में दिखा उत्साह

आंवला, अमृत विचार : राजकीय कन्या इंटर कालेज आंवला के वार्षिकोत्सव और पराक्रम दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में परामर्श केंद्र कोतवाली आंवला के सभी सदस्य सुनील शर्मा, प्रधानाचार्य, शरद सक्सेना, मीना मौर्य प्रभारी निरीक्षक कुंवर बहादुर सिंह अपनी समस्त टीम सहित मौजूद रहे। । वक्ताओं ने शिक्षा के महत्व, महिला सशक्तीकरण आदि पर प्रकाश डाला । छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम, कवि सम्मेलन, महिलाओं की सामाजिक, प्रधानाचार्य सुमन निगम ने वार्षिक प्रगति आख्या और उपलब्धियों की चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन नीलम राठौर ने किया। सरस्वती विद्या मंदिर में विद्या, ज्ञान की देवी सरस्वती देवी का पूजन हुआ। कार्यक्रम इसमें विद्यालय प्रधानाचार्य गवेन्द्र सिंह चौहान साधना सिंह आदि रहे। इस अवसर पर डा.पुरुषोत्तम सरन, प्रबंधक राकेश कुमार सक्सेना, सुनील अग्रवाल, भुवनेश चंद्र अग्रवाल, सत्यवीर सिंह चौहान, योगेश माहेश्वरी, विपिन कुमार, दुर्गेश सक्सेना, राम नारायण शुक्ला, धर्मेन्द्र कुमार, सुधांशु गुप्ता, पंकज कुमार सिंह, अखिल गुप्ता, सनोज सिंह, अजीत सिंह, अंजू सिंह, कमलेश मौर्य, अंशिका अग्रवाल, चाँदनी आदि ने पूर्ण मनोयोग से मां सरस्वती का आवाहन एवं पूजा अर्चना की।

नए विद्यार्थियों का विद्यारंभ संस्कार संपन्न कराया

भोजीपुरा, अमृत विचार : विद्या भारती से संबद्ध विद्यालयों में धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अखंड रामायण पाठ, हवन-पूजन तथा प्रसाद वितरण का आयोजन हुआ। सभी विद्यालयों में विद्या भारती के पदाधिकारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सरस्वती शिशु मंदिर भोजीपुरा में जन शिक्षा समिति ब्रज प्रदेश के जिला निरीक्षक शान्तिपाल गंगवार उपस्थित रहे। उन्होंने रामायण पाठ किया, हवन में आहुतियाँ दीं। कहा कि बसंत उत्सव केवल ऋतु परिवर्तन का प्रतीक नहीं, बल्कि ज्ञान की देवी माँ सरस्वती के अवतरण का पावन दिवस भी है। कार्यक्रम के अंतर्गत नए विद्यार्थियों का विद्यारंभ संस्कार संपन्न कराया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य लाल बहादुर गंगवार, प्रबंधक गोपाल सिंह यादव, डॉ. बृजेश यादव, सोमपाल गंगवार सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

स्कूल में हुआ हवन पूजन

फरीदपुर, अमृत विचार : प्रेरणा पब्लिक स्कूल में भव्य हवन-पूजन के साथ सरस्वती पूजन किया गया। विद्यालय के प्रबंधक ज्ञानेश कुमार शर्मा, प्रधानाचार्य हेमलता शर्मा सहित शिक्षिकाएं दिव्यांशी शर्मा, सपना श्रीवास्तव, दर्शना शर्मा, शिवानी पाल, गायत्री यादव, पूजा मौर्य आदि ने आहुतियां दीं। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भी सरस्वती मंत्रों के उच्चारण के साथ हवन में आहुति दी। मानस स्थली आवासीय विद्यालय में बसंत पंचमी का पावन पर्व बड़े ही हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण में धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम किये गये। विद्यालय के शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं ने यज्ञ में भाग लेकर आहुतियाँ दीं। इस दौरान विद्यार्थियों ने पतंगबाजी भी की। विद्यालय के नए म्युजिक हॉल का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर प्रधानाचार्य अनिल कुमार त्रिपाठी सहित सभी शिक्षक शिक्षिकाएं रहीं।

बसंत पंचमी मां सरस्वती की हुई पूजा-अर्चना

रिठौरा, अमृत विचार : नगर के दरबारी लाल शर्मा इंटर कॉलेज, पीएन दीवान पब्लिक स्कूल, प्राथमिक विद्यालय रिठौरा, खाता, भंडसर, कलारी, में ज्ञान की देवी मां सरस्वती एवं नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती पर उन्हें याद किया गया। इस दौरान मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर पुष्प अर्पित किए गए। निबंध प्रतियोगिता हुई। इस दौरान प्रधानाचार्य आशीष कुमार सिंह, दीपिका बनर्जी, एकता सक्सेना, डॉ शिखा अग्रवाल, गंगा राम गंगवार सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा। राजश्री इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एण्ड टैक्नोलॉजी, में बसंत पंचमी के उपलक्ष्य में सरस्वती पूजन एवं पतंगोत्सव कार्यक्रम हुआ। संस्थान के चेयरमैन राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, सचिव राकेश कुमार अग्रवाल, पीयूष गुप्ता ऋषभ बंसल ने मां सरस्वती के माल्यार्पण एवं पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। संस्थान के क्रीड़ा -प्रांगण में छात्र-छात्राओं ने रंग-बिरंगी पतंगें उड़ाकर हर्षोल्लास के साथ बसंत पंचमी को मनाया गया। इस अवसर पर संस्संस्थान के डीन डा. साकेत अग्रवाल, निदेशक प्रो. पंकज शर्मा, प्रो. अनिल कुमार, रजिस्ट्रार दुष्यन्त माहेश्वरी, प्राचार्य डा0 मुकेश गंगवार, डा. सीपी गंगवार, डा. शोएब खान, डा. सुमिता सिंह, डा. स्वतन्त्र गुप्ता आदि रहे।

दमखोदा में कंपोजिट विद्यालय में बसंत पंचमी और नेता जी की जयंती मनाई

देवरनियां, अमृत विचार : ब्लॉक रिछा (दमखोदा) के आदर्श कंपोजिट विद्यालय अभयपुर में विद्यालय के इंचार्ज प्रधानाध्यापक और विनोद वर्मा की नेतृत्व में नेता जी सुभाष चंद्र बोस की जयंती को मनाया गया। इस मौके पर नेता जी सुभाष चन्द्र बोस के जीवन से संबंधित सभी पहलुओं को विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने बच्चों को बताया। शिक्षकों ने बच्चों को नेताजी सुभाष चंद बोस की बनाई आजाद हिंद फौज के बारे में जानकारी देकर उसकी बहादुरी की बात बताई। इस अवसर पर विद्यालय से सौरभ गंगवार, प्रतिभा गंगवार, पूनम वाला, अयोध्या प्रसाद, शिखा और आंगनबाड़ी से मीना बेगम आदि सभी उपस्थित रहे।

भदपुरा में इंटर कालेजों में सरस्वती पूजन कार्यक्रम के दौरान मौजूद छात्राएं।

सेंथल में सरस्वती पूजा के दौरान हवन पूजन में शामिल लोग। ● अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

पम्पिंग सेट चोरियों का खुलासा, दो पकड़े

बहेड़ी, अमृत विचार : पुलिस ने किसानों के खेतों से पम्पिंग सेट चुराने वाले गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस ने दो चोरों को गिरफ्तार कर चोरी हुए 2 इंजन भी बरामद किए हैं। गांव पचपेड़ा के रामऔतार ने 19 जनवरी को पम्पिंग सेट चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने चोरों को पकड़ने के लिए मुखबिरों का जाल बिछाया, और फिर उसे पचपेड़ा चौराहा पर दो संदिग्ध लोगों के होने की सूचना मिली। पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों को हिरासत में ले लिया। पूछताछ करने पर दोनों ने इंजन चोरी की बात क़ुबूल की। दोनों की निशानदेही पर पुलिस ने दो इंजन और एक मोटर साइकिल भी बरामद की। पकड़े गए युवक गांव खुटिया के भागयांश और हरीश कुमार हैं।

मनौना धाम पर उमड़े भक्त, लगा जाम

आंवला, अमृत विचार : मनौना धाम पर बसंत पंचमी पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। हजारों की संख्या में एक दिन पूर्व ही श्रद्धालु मनौना धाम पहुंच गए थे। भक्तों की लाइन तोरण द्वार बिसौली रोड़ पर पहुंच गई। सुबह तक आंवला बिसौली रोड़ पर जाम की स्थिति रही। सूचना मिलने पर आंवला पुलिस ने पहुंच कर जाम खुलवा कर आवागमन को सुचारू कराया। देर शाम तक मंदिर से लेकर मनौना धाम पुलिस चौकी तक लंबी लाइनें लगी रहीं, बसंत पंचमी के दिन ही बाबा श्याम के पीताम्बरी बस्त्र बदले जाते हैं। शुक्रवार को मनौना धाम के महंत ओमेन्द्र महाराज ने भक्तों को बागा वितरित किया।

मुख्यमंत्री पोर्टल पर की शिकायत

बिशारतगंज, अमृत विचार : कस्बा में गैस वितरण में अनियमितताएं और जांच के नाम पर रुपए वसूल कर जांच न करने की शिकायत एक उपभोक्ता ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर की है। वार्ड नंबर एक निवासी रामबाबू ने मुख्यमंत्री पोर्टल और जिला पूर्ति निरीक्षक को भेजी शिकायत में कहा है कि उन्होंने वितरक से गैस सिलेंडर लिया था जो निर्धारित मूल्य से ज्यादा रुपए में दिया गया है। वितरक पासबुक में केवल तिथि अंकित करते हैं। जांच के नाम पर रसीद काटकर पैसे वसूल लेते हैं और कनेक्शन की जांच नहीं करते हैं। कनेक्शन की जांच के पैसे लेने के बाद भी समुचित जांच नहीं करने के कारण ही 19 जनवरी को लिया सिलेंडर लीक हो गया। इससे आग लग गई।

न्यूज डायरी

आदर्श क्रांतिकारी थे सुभाष चंद्र बोस

बहेड़ी, अमृत विचार : दिनोडल शिक्षा अधिकारी डॉ राकेश माथुर ने कहा कि सुभाष चंद बोस पराक्रमी आदर्श क्रांतिकारी नेता थे और सभी उन्हें नेताजी कहकर बुलाते थे। जय हिंद, दिल्ली चलो, तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा, जैसे नारों से उन्होंने युवाओं में आजादी का जोश भर दिया। नोडल अधिकारी यहाँ केसर इंटर कॉलेज में आयोजित पराक्रम दिवस और बसंत पंचमी के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे। विशिष्ट अतिथि भारत सेवक समाज के अध्यक्ष व पूर्व शिक्षा प्रशासनिक अधिकारी कृष्ण स्वरूप सक्सेना ने कहा कि युवा बोस के जीवन से अनुशासन और देश प्रेम की प्रेरणा लें। प्रधानाचार्य डॉ रवि प्रकाश शर्मा ने कहा कि बसंत पंचमी और बोस जयंती को विद्यार्थी संकल्प दिवस के रूप में लें छात्राओं ने सरस्वती वंदना और समूह गान सुनाकर मंत्र मुग्ध कर दिया। चयनित प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया।

खिचड़ी भोज में पहुंचीं अर्बन कोऑपरेटिव बैंक अध्यक्ष का हुआ स्वागत

क्योलड़िया, अमृत विचार : भदपुरा स्थित एसएसटी इंटर कालेज में बसंत पचमी पर खिचड़ी सहभोज कार्यक्रम हुआ।

इसमें अर्बन कोआपरेटिव बैंक की अध्यक्ष श्रुति गंगवार भी पहुंची। वहां उनका ब्लाक प्रमुख रवि शंकर गंगवार ने स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने भूमि विकास बैंक के प्रतिनिधि हरिप्रसाद गंगवार का स्वागत किया। इसके बाद वह क्योलड़िया विद्या मंदिर खिचड़ी सह भोज कार्यक्रम में शामिल हुईं। एसएसटी इंटर कालेज पहुंचने पर विद्यालय प्रबंधक सुरेंद्र वीर गंगवार एवं राममोहन गंगवार, प्रधानाचार्य देवेंद्र गंगवार ने उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में प्रधान संघ अध्यक्ष राम प्रताप गंगवार, राजीव गंगवार, जमुना प्रसाद कश्यप, केहरी सिंह, भुजेंद्र गंगवार, वेदपाल सिंह कनौजिया आदि रहे।

कलश यात्रा के साथ 24 वां श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ प्रारंभ

भमोरा, अमृत विचार : ग ठाकुर जी महाराज मंदिर प्रांगण में श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का 24 वां आयोजन प्रारंभ हुआ। यज्ञ से पूर्व मंदिर प्रांगण से बैंड बाजों के साथ 501 युवतियां तथा महिलाओं ने पीतांबर वस्त्र धारण कर सिर पर कलश रखकर कलश यात्रा में भाग लिया। यात्रा मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होकर रामपुर बुजुर्ग होती हुई देवचरा की गलियों में होती हुई मंदिर प्रांगण में संपन्न हुई। आयोजक महंत बाबा श्रीधर दास ने बताया महायज्ञ 23 जनवरी से प्रारंभ होकर 30 जनवरी को पूर्ण आहुति तथा विशाल भंडारे के साथ संपन्न होगा। वृंदावन से पधारे कथावाचक दीपक कृष्णा शंखधर 7 दिनों तक संगीत मय कथा का बखान करेंगे।

इंटर कॉलेज में हवन कर हुई सरस्वती पूजा

मीरगंज अमृत विचार : शुक्रवार को सरस्वती पूजा व हवन का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के अध्यक्ष केतन गुप्ता, प्रबंधक रामपाल गुप्ता, कुश गुप्ता, सुबोध कुमार चौहान, प्रधानाचार्य निश्चल गुप्ता व सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं और सभी छात्र-छात्राओं ने हवन में आहूति प्रदान की।

बच्चे की मौत के बाद अफसर सक्रिय, जांच टीम गठित

बच्चे की मौत के बाद गांव पहुंचे एसडीएम सदर ने खुले नाले को देखा।

संवाददाता, भोजीपुरा

अमृत विचार : डेढ़ साल के मासूम की नाले में गिरकर हुई मौत के बाद प्रशासन में हरकत में आया है। एसडीएम ने मौके पर पहुंचकर गांव में परिजन से जानकारी ली और पूरे मामले की जांच के लिए टीम गठित की है।

घटना भोजीपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम मोहम्मदपुर ठाकुरान की है। गुरुवार दोपहर गांव निवासी जितेंद्र का डेढ़ वर्षीय बेटा प्रयाग घर के दरवाजे पर खेल रहा था। इसी दौरान वह दरवाजे पर बने खुले नाले में गिर गया, जिससे नाले में डूबकर उसकी मौत हो गई। मृतक बच्चे के दादा रामदास ने बताया कि जिस नाले में गिरकर बच्चे की मौत हुई, वह सरकारी नक्शे में दर्ज ही नहीं है।

आरोप है कि ग्राम प्रधान के पति रामकिशोर ने अवैध रूप से इस नाले का निर्माण कराया था। परिवार द्वारा कई बार इसकी शिकायत की गई थी।

करीब एक माह पूर्व मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई गई थी। पुलिस द्वारा नाले को ढकने के निर्देश दिए जाने के बावजूद प्रधान पति ने कोई कार्रवाई नहीं की।

फसलों पर अमृत बूंद साबित होगी बारिश

संवाददाता, शेरगढ़

अमृत विचार : क्षेत्र में तेज हवा एवं बूंदाबांदी से ठंड बढ़ गई है। पूरे दिन जहां आसमान में बादल छाए रहे तो वहीं शाम होते-होते हल्की बूंदाबांदी ने मौसम को फिर से ठंडा कर दिया। देर रात तक तेज हवा चलने से ठंड और बढ़ गई है। मामूली बूंदाबांदी होने से अन्य दिनों की अपेक्षा क्षेत्र में लोगों की आवाजाही कम रही।

सुभाष चंद्र गंगवार, दुलीराम गंगवार तथा प्यारेलाल पाली आदि किसानों का कहना है कि माघ माह की बारिश फसलों के लिए अमृत के समान साबित हो सकती है। बारिश से गन्ना गेहूं बरसीम मसूर आदि को फायदा हो सकता है। हालांकि लाही और सरसों को तेज हवा के कारण जरूर नुकसान हो सकता है। बीते कई दिनों से तेज धूप होने के चलते मौसम में गर्माहट देखने को मिल रही थी। लेकिन शुक्रवार को हुई बूंदाबांदी और तेज गति के साथ चली हवा से मौसम जरूर ठंडा हो गया है। इस बीच किसानों को चिंता भी सताने लगी है कि यदि ओलों के साथ जोरदार बारिश हुई और तेज गति से हवा चली तो तिलहनी फसलों को नुकसान होना लाजमी है। इस बीच किसानों को गन्ना गेहूं मसूर और बरसीम में बारिश से लाभ जरूर नजर आ रहा है।

खबरें www.amrit vichar.com पर भी पढ़ें

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी हाईस्कूल की मार्कशीट वर्ष 2009 जिसका अनुक्रमांक 0947790 व इण्टरमीडिएट की मार्कशीट वर्ष 2012 जिसका अनुक्रमांक 0762895 है। वास्तव में कहीं खो गये हैं। काफी तलाशने के बाद अभी तक नहीं मिले। **किशन कुमार पुत्र श्री सुरेश कुमार पता:- बबूरा पो. बिलसण्डा जिला पीलीभीत**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आधार कार्ड सं. 947870693668 में मेरा नाम भूलवश अजय बाबू दर्ज हो गया है जोकि गलत है जबकि मेरा वास्तविक नाम अजय बाबू श्रीवास्तव है। शैक्षणिक दस्तावेजों में भी मेरा नाम अजय बाबू श्रीवास्तव ही दर्ज है। **अजय बाबू श्रीवास्तव पुत्र मुन्नालाल निवासी मो. नौगवां कस्बा फतेहगंज प. तह. मीरगंज जिला बरेली।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पहले मेरा नाम मान सिंह था लेकिन भूलवश कुछ दस्तावेजों में रणधीर सिंह दर्ज हो गया था जिसे बदलकर मैंने पुन: अपना नाम मान सिंह कर लिया है। भविष्य में मुझे मान सिंह के नाम से ही जाना व पहचाना जाये। **मान सिंह पुत्र छत्रपाल निवासी ग्राम मेहंदा मजरा ढारवा परगना औरंगाबाद तह. व ब्लाक मितौली जिला खीरी।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री के आधार कार्ड में नाम भूलवश SHAZMA HUSSAIN दर्ज हो गया है जबकि उसका वास्तविक नाम SHAMZA है। अन्य सभी दस्तावेजों में भी नाम SHAMZA ही दर्ज है। **शुजात हुसैन पुत्र श्री मुबारक हुसैन निवासी टिसुआ जिला बरेली।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा। TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आंख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी स्कैन द्वारा पर्दे की जांच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जांच व उपचार
8077344353
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
महीने के प्रत्येक रविवार को | समय : सुबह 10 बजे से 5 बजे तक
निःशुल्क परामर्श
डॉ. दीपक माहेश्वरी
M.B.B.S., M.D.
Consultant Physician & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
प्रेमलोक हॉस्पिटल •CARE FOR SURE•
नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली 9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

न्यूज ब्रीफ

प्रयोगात्मक परीक्षाएं आज से होंगी

मीरगंज, अमृत विचार : दिव्य कृपाल विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में इंटरमीडिएट जीव विज्ञान, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और कृषि शस्य विज्ञान की प्रायोगात्मक परीक्षाएं 24 से 28 जनवरी के बीच होगी। प्रधानाचार्य रमेश चंद्र गंगवार ने छात्रों से समय पर कॉलेज पहुंचने का आग्रह किया। दिव्य कृपाल विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में इंटरमीडिएट जीव विज्ञान की प्रायोगात्मक परीक्षा 24, 25, भौतिक विज्ञान की 24, 26, रसायन विज्ञान की 27, 28, कृषि शस्य विज्ञान विषय की प्रायोगात्मक परीक्षा 25 जनवरी को कॉलेज परिसर में होगी। प्रधानाचार्य रमेश चंद्र गंगवार ने कहा संबंधित विषय के छात्र छात्राएं समय पर कॉलेज पहुंच कर परीक्षा में शामिल हों।

बिथरी विधायक ने कराया खिचड़ी भोज

बरेली, अमृत विचार : बिथरी चैनपुर के विधायक डॉ. राघवेंद्र शर्मा ने शुक्रवार को बदायूं रोड स्थित खुशहाली फार्म पर खिचड़ी भोज कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने फार्म में ही स्पोर्ट्स एकेडमी का उद्घाटन किया। खिचड़ी भोज कार्यक्रम में भाजपा ब्रज क्षेत्र के अध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य, पूर्व सांसद धर्मेंद्र कश्यप, हरवेंद्र यादव, हरेंद्र पटेल, प्रशांत पटेल, आदि रहे।

चेकिंग के दौरान एसओजी टीम पर हमला, 12 नामजद, चार गिरफ्तार

खनन माफिया ने एसओजी टीम से की थी मारपीट, 16 अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट

संवाददाता, बिथरी चैनपुर

अमृत विचारः चोरी के सामान से भरी पिकअप की चेकिंग कर रही एसओजी टीम के साथ बिथरी के फरीदापुर इनायत खां मे खनन माफिया ने जमकर मारपीट की। जिसमे एक सिपाही गंभीर घायल हुआ है और दो के चोटें आईं हैं। बता दे यह खनन माफिया पहले भी राजस्व निरीक्षक पर जानलेवा हमले के आरोप में जेल जा चुका है। वहीं पुलिस ने 12 नामजद सहित16 अज्ञात के खिलाफ गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

एसओजी टीम पर हमलावरों में से कुछ को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

जिले की एसओजी टीम के हेड कॉन्स्टेबल शशि कुमार सिंह ने बताया कि वह हेड कॉन्स्टेबल ज्ञानेंद्र सिंह, कॉन्स्टेबल कमल सिंह और मधुर के साथ बृहस्पतिवार को वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए निकले थे। मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ लोग पिकअप गाड़ी से चोरी की बैट्री भरकर बिथरी पुल से पीएसी नहर की तरफ जा रहे हैं। करीब साढ़े सात बजे पिकअप गाड़ी आयी। जिसे रोककर पूछताछ शुरू की तो उसमें तीन लोग सवार थे। तीनो ने अपना नाम धर्मवीर, बारिश और सैफ बताया। इसके बाद टीम गाड़ी में भरे समान को चेक कर ही रही थी। तभी पीछे से एक स्विफ्ट कार आयी जिसमे बैठे 4 -5 लोग कार से उतरे और टीम से पूछने लगे तुम लोग कौन हो, कैसे चेकिंग कर रहे हो। उन्होंने चेकिंग नहीं करने की बात कही। कॉन्स्टेबल मधुर ने बिथरी पुलिस को सूचना दी। सब इंस्पेक्टर वैभव गुलियान और कॉन्स्टेबल राहुल पहुंच गए। उन्होंने गांव से लोगों को बुलाने को कहा तो कुछ देर में कई लोग मौके पर आ गये और एसओजी टीम पर लाठी से हमला कर दिया। भीड़ ने कांस्टेबिल मधुर को घेरकर खूब मारा पीटा। मारपीट करने वाले 20-25 लोगो में से बिथरी थाने के दरोगा व सिपाही ने संजीव, पूर्व प्रधान कमलेश, अभिमन्यु, नरेश, पप्पू, दीपक निवासी फरीदापुर इनायत खां, राजीव पटेल निवासी कंथारिया, कमल पटेल निवासी मयूडी खुर्द और विमल कुमार निवासी बहेड़ी को पहचान लिया। पुलिस ने इन सभी के साथ 16 अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर सी पी शुक्ला ने बताया संजीव, कमल, दीपक, अभिमन्यु को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह भी पता चला है कि संजीव राजस्व निरीक्षक पर पहले भी जानलेवा हमला कर चुका है।

तलाक के मुकदमा के बीच पत्नी का पति पर दुष्कर्म का आरोप

नवाबगंज, अमृत विचार : थाना नवाबगंज क्षेत्र में एक महिला ने अपने पति पर घर में घुसकर मारपीट व जबरन शारीरिक संबंध बनाने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता की ओर से थाना प्रभारी को तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की गई है।

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसका अपने पति से तलाक का मुकदमा परिवार न्यायालय, बरेली में विचाराधीन है। उसके माता-पिता का निधन हो चुका है और भाई परिवार सहित दिल्ली में मजदूरी करता है, जिस कारण वह अपने मायके में अकेली रहती है।

आरोप है कि 14 नवंबर की रात उसका पति शराब के नशे में उसके घर में जबरन घुस आया और शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डालने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने उसके साथ बेरहमी से मारपीट की और जबरन दुष्कर्म किया। मारपीट के चलते पीड़िता के सिर व शरीर में गंभीर चोटें आई हैं।

आरोप है कि घटना के दौरान आरोपी के गांव का ही एक युवक बाहर गेट पर पहरेदारी करता रहा।

श्री राम कथा में रामलला का हुआ जन्म, दीं बधाइयां

श्री राम कथा में राम लला का हुआ जन्म। • अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- दशरथ और रानी कौशल्या के घर विष्णु राम के रूप में जन्मे

अमृत विचार : श्री बांके बिहारी मंदिर में श्री राम कथा के चतुर्थ दिवस में पुत्रकामेष्टि यज्ञ और राम लला के जन्म का वर्णन किया गया। कथावाचक संदीप शर्मा ने बताया कि भगवान विष्णु ने अयोध्या के राजा दशरथ और रानी कौशल्या के घर, त्रेतायुग में, धर्म की स्थापना और रावण के अत्याचारों के अंत के लिए अवतार लिया। राम लला के भजनों पर सभी भक्तों ने झूम झूम कर मनमोहक नृत्य किया। रामभक्त अपने अपने शिशुओं को श्री राम की वेशभूषा में सजाकर आए थे। सभी बच्चों का तिलक लगाकर और बधाइयां दी गई। इस अवसर पर वेद प्रकाश सक्सेना कातिब, सतीश कातिब, गिरीश शर्मा, रूप किशोर गंगवार, महेंद्र सिंह गंगवार, स्मिथ जौहरी, अमर जौहरी, नवनीत सक्सेना, सुशील सिंहा, राजीव सक्सेना, किरन सक्सेना, कमल गुप्ता, अंशिका आदि ने श्री राम की आरती संपन्न कराई। मंदिर में आए हुए सभी भक्तों को बच्चों के खिलौने, टॉफियां, बिस्कुट, मिठाइयां लुटाई गईं। 28 जनवरी तक का कथा का आयोजन जारी रहेगा।

समारोह में सम्मानित हुए कार्यकर्ता

सम्मानित किए गए कार्यकर्ताओं के साथ मुख्य अतिथि व अन्य। • अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : अपना दल (एस) ने भोजीपुरा विधानसभा क्षेत्र में कार्यकर्ता सम्मान समारोह का आयोजन किया। मुख्य अतिथि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के स्वार-टांडा विधानसभा से विधायक शफीक अंसारी और प्रदेश अध्यक्ष युवा मंच अम्माद हसन रहे। इस दौरान युवा मंच की नई कमेटी की घोषणा की गई। कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। खिचड़ी भोज का आयोजन हुआ।

मुख्य अतिथि शफीक अंसारी ने कहा कि अपना दल (एस) अब पश्चिमी उत्तर प्रदेश में तेजी से विस्तार कर रहा है। अम्माद हसन ने बरेली के ऐतिहासिक महत्व और पार्टी विस्तार में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। जिलाध्यक्ष अनुज गंगवार ने भी विचार रखे। मनोज कुमार उर्फ बंटू, अजय गंगवार, नदीम रब्बानी, अतुल पटेल, परितोष विजेता, इंजी. मनीष कुमार, रामकृष्ण गंगवार, मनोज कुमार गंगवार, यशपाल, योगेंद्र पटेल, गोपेंद्र पाल आदि मौजूद रहे। वहीं, अपना दल एस ने बिथरी चैनपुर के गोपालपुर नगरिया गांव में सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई। जिलाध्यक्ष एड. अनुज गंगवार, मनीष कुमार, निशांत सक्सेना आदि मौजूद रहे।

बसंत पंचमी पर डकलिंग प्ले ग्रुप का उद्घाटन

बरेली, अमृत विचार : लिटिल डकलिंग प्ले ग्रुप का उद्घाटन समारोह शुक्रवार को बसंत पंचमी पर मां सरस्वती की पूजा के साथ हुआ। मुख्य अतिथि बरेली कॉलेज के ललित कला विभाग के प्रो. सूरज साहू रहे। उन्होंने शिक्षा के प्रारंभिक स्तर में संस्कार, सृजनशीलता एवं रचनात्मकता के महत्व को रेखांकित किया।

अध्यक्षता अध्यक्ष कमल कुमार सक्सेना ने की। प्रबंधक रंजना सक्सेना, प्रधानाचार्य शुभम सक्सेना आदि मौजूद रहे।

प्लेग्रुप का उद्घाटन करते अतिथि।

डायट में मनाई गई सुभाष चंद्र बोस जयंती और बसंत पंचमी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचारः जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) फरीदपुर में सुभाष चंद्र बोस की जयंती और बसंत पंचमी नाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए प्राचार्य दीप्ति वार्ष्णेय ने कहा कि नेताजी का अदम्य साहस, त्याग और राष्ट्रभक्ति प्रेरणास्रोत है और उनका योगदान स्वतंत्रता संग्राम में अतुलनीय रहा है। वरिष्ठ प्रवक्ता मनोज कुमार सिंह, दिनेश कुमार सिंह, श्रीकांत मिश्रा, आदित्य कुमार वर्मा, शशिकांत यादव, नरेंद्र पाल सिंह, वीरेंद्र कुमार, बृजमोहन, नवनीत मिश्रा, दिनेश कुमार ने भी विचार रखे। संचालन डॉ.नीति माहौर ने किया।

डायट में सुभाष चंद्र बोस जयंती और बसंत पंचमी मनाते अधिकारी। • अमृत विचार

विवाहिता को दहेज की खातिर घर से निकाला, रिपोर्ट दर्ज

क्योलाड़िया, अमृत विचार : विवाहिता से ससुराल जनो ने दहेज में नकद पांच लाख रुपए बुलेट मोटरसाइकिल कि मांग पूरी नहीं होने पर मारपीट कर घर से निकाला। मायके में पहुची पीड़िता ने थाने में नौ लोगों के खिलाफ नामजद तहरीर दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

गांव पुरैनिया के मंगली प्रसाद ने अपनी बेटी शीतल उर्फ सरोज कि शादी 6 वर्ष पूर्व शाहजहांपुर के गढ़िया रंगीन के भरतवीर के साथ की थी। लगातार प्रताड़ित होने के बाद विवाहिता ने ससुराल के नौ लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पराक्रम दिवस स्कूलों में देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम आयोजित, सुभाष के बारे में बताया

शिक्षण संस्थानों में मनाई सुभाष चंद बोस की जयंती

स्वामी दयानंद सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के छात्र छात्राएं एवं शिक्षक।

कंपोजिट विद्यालय अटाकायस्थान में सुभाष जयंती में मौजूद शिक्षिकाएं ।

संवाददाता, मीरगंज

अमृत विचार : नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 129वीं जयंती पर स्कूलों में पराक्रम दिवस के रूप में मनाया गया। छात्रों ने निबंध लेखन, वाद-विवाद, भाषण प्रतियोगिताएं, क्विज, पोस्टर मेकिंग जैसे नाटक व कविता पाठ के माध्यम से नेताजी के जीवन, स्वतंत्रता संग्राम और देशभक्ति की भावना को याद किया गया।

शुक्रवार को स्वामी दयानंद सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज परौरा में सुभाष चंद्र बोस की जयंती व बसंत पंचमी धूमधाम से मनाई गई। जिसमें छात्र-छात्राओं द्वारा बहुत सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम मे देशभक्ति गीत व नृत्य प्रस्तुत किए व छात्रों द्वारा रंगोली बनाई जिसमे दृष्टि पाराशरी अंकित गंगवार अंशिका का ग्रुप प्रथम आया। मुख्य अतिथि ओमप्रकाश गंगवार ने सुभाष चंद्र बोस के जीवन के बारे में बताया। कार्यक्रम में पंकज गंगवार ने बसंत पंचमी के महत्व को समझाया। प्रबंधक डॉ सत्यवीर गंगवार ने सुभाष चंद्र बोस के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान को याद किया। इस दौरान प्रधानाचार्य आदेश पाल गंगवार, राजेश गंगवार, अनुज, रेवतीनंदन यदुवंशी, लाल बहादुर गंगवार, लक्ष्मण स्वरूप, महिपाल गंगवार, दिनेश गंगवार, कमल गंगवार सुरेंद्र गंगवार योगेंद्र कुमार गंगवार यशपाल गंगवार संतोष संतोष कुमार नंदकिशोर गंगवार, देवेश आदि उपस्थित रहे।

राजेंद्र प्रसाद डिग्री कॉलेज में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को मॉकड्रिल (आपदा बचाव संबंधी) के विभिन्न बिंदुओं की भी जानकारी दी गई, कार्यक्रम में डॉ. शिव प्रताप सिंह डॉ. प्रवीण सिंह, डॉ. आनंद कुमार वीरेंद्र शर्मा आदि शिक्षक रहे। अनुबिस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन में सरस्वती पूजन हुआ। कार्यक्रम में समूह के सभी संस्थानों के समस्त स्टाफ की गरिमामयी उपस्थिति रही। पूजन कार्यक्रम के बाद सभी के लिए खिचड़ी भोज किया गया।

अटाकायस्थान में हुई निबंध लेखन व वाद विवाद प्रतियोगिता

भोजीपुरा, अमृत विचार : कंपोजिट विद्यालय अटाकायस्थान में सुभाष चंद्र बोस जयंती उत्साह से मनाई गई। प्रभारी प्रधानाध्यापक रीता रानी ने नेताजी के बारे में बताया। कहा कि बच्चों को साहस का पाठ नेता जी ने सिखाया। आजाद हिंद फौज के जनक सुभाष चंद बोस ही थे। बताया कि आजाद हिंद फौज पहली ऐसी फौज थी जिसमें महिला रेजीमेंट थी। इसका नाम रानी झांसी रेजीमेंट था। इस दौरान विद्यालय के बच्चों के बीच वाद विवाद और निबंध लेखन प्रतियोगिता हुई। इसमें बच्चों ने उत्साह से भाग लिया। कार्यक्रम में प्रतिभा बाजपेयी, मीना शर्मा, कुरैशा अंसारी, रईसा खातून, सोनम, रजनी यादव, गायत्री आदि शिक्षिकाएं मौजूद रहीं।

बच्चों को सुभाष चंद बोस के बारे में बताया

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार : परिषदीय स्कूलों में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती एवं बसंत पंचमी का पर्व श्रद्धापूर्वक तरीके से मनाया गया । शाहपुर बनियान के प्राथमिक विद्यालय में सुनील शुक्ला ने स्कूली बच्चों को नेताजी सुभाष चंद्र बोस के बारे में बताया कंपोजिट विद्यालय निबढ़िया में प्रधानाध्यापिका अर्पणा शर्मा, प्राथमिक विद्यालय सिमरा हरचंद सिंह, अशोकपुर, फतेहगंज पूर्वी आदि विद्यालयों में भी नेताजी की जयंती मनाई गई । इस मौके पर सुमन कुमारी, कुसुम कुमारी, मनोज मिश्रा, कामरान खान, नुजहत खान, कन्यावती, विन्दू, भूप सिंह, हरपाल आदि अध्यापक मौजूद रहे ।

सेठ दुलीचंद सरस्वती शिशु मंदिर में सुभाष जयंती और बसंत पंचमी पर कार्यक्रम आयोजित

नवाबगंज, अमृत विचार : सेठ दुलीचंद सरस्वती शिशु मंदिर, नवाबगंज में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती एवं बसंत पंचमी का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में अखंड पाठ का पूर्णाहुति के साथ समापन हुआ। इसके बाद सामूहिक खिचड़ी भोग का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में विधायक डॉ. एमपी आर्य उपस्थित रहे। उनके साथ डॉ. विनय गंगवार, भाजपा नेता नीरेंद्र सिंह राठौर एवं मीनाक्षी गंगवार का विद्यालय प्रबंधन की ओर से सम्मान किया गया। विद्यालय अध्यक्ष एवं पूर्व सभासद दीपक सूरी ने अतिथियों को अंगवस्त्र भेंट कर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर विनोद गुप्ता, मोहित मिश्रा, अध्यक्ष डॉ. चोखेलाल, महेंद्र पाल आर्य, रामकिशोर आर्य, दिनेश मेहरोत्रा, सोनू राठौर, अनिल गुप्ता, राजीव गुप्ता, राकेश सक्सेना, राजीव सक्सेना, टी.आर. गंगवार, प्रदीप सूरी, राजीव शुक्ला, शशि कपूर, दिलीप गुप्ता, हरपाल गंगवार सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

जेपीएस इंटर कॉलेज सिंधौली में सुभाष चंद्र बोस जयंती एवं बसंत पंचमी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रबंधक कृतज्ञ सिंह, प्रधानाचार्य इरशाद अहमद एवं कपिल कुमार उपस्थित रहे।

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 24 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

वर्चस्व की जंग में गुलदार की मौत

हल्द्वानी। तराई पश्चिमी वन प्रभाग, रामनगर की बैलपड़ाव रेंज में वर्चस्व की जंग में गुलदार की मौत हो गई। 20 दिन पहले भी इसी क्षेत्र में इसी तरह सात माह की मादा गुलदार का शव मिला था, जिसकी मौत भी आपसी संघर्ष में हुई थी। वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, रेंजर विजेंद्र अधिकारी ने बताया कि गुलदार का शव करीब पांच दिन प्रतीत हो रहा है। शव पर पंजों और दांतों के निशान मिलने से स्पष्ट है कि मौत आपसी संघर्ष में हुई है।

पति ने कुदाल से हमला कर पत्नी की हत्या की

गोंडा, एजेंसी : जिले में शुक्रवार को एक व्यक्ति ने जमीन बेचने से मना करने पर कुदाल से हमला कर अपनी पत्नी की कथित तौर पर हत्या कर दी। अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) मनोज रावत ने बताया कि खरगूपुर थानाक्षेत्र के भोलाजोत निवासी बाबूलाल ने शुक्रवार सुबह कुदाल से अपनी पत्नी रीता (35) के सिर पर वार कर उसकी हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि मृतका की बहन मीना ने आरोप लगाया कि उसका जीजा नशे का आदी है और इस कारण रीता के ससुर ने साढ़े पांच बीघा जमीन उसके नाम पर कर दी थी।

चूका बीच में एक और वोट सफारी

पीलीभीत, अमृत विचार : पीलीभीत टाइगर रिजर्व के चूका बीच में एक और वोट सफारी चलाई जाएगी। खास बात यह है कि सैलानी बेहद कम खर्च में वोट सफारी का आनंद ले सकेंगे। शुक्रवार को इको विकास समिति द्वारा संचालित मोटर वोट का पूरनपुर विधायक ने शुभांरभ किया।

करोड़ों की जीएसटी चोरी गिरोह का सदस्य गिरफ्तार

मुरादाबाद, अमृत विचार : फर्जी बिल ट्रेडिंग कर बोगस फर्मों के माध्यम से करोड़ों रुपये की जीएसटी चोरी कर राजस्व को भारी नुकसान पहुंचाने वाले गिरोह के मुख्य सदस्य को एसआईटी ने गिरफ्तार कर जेल भेजा है। गिरफ्तार अभियुक्त पर लगभग 17 करोड़ 3 लाख 34 हजार 452 रुपये की जीएसटी चोरी (जुर्माना सहित) का आरोप है।

सोना-चांदी साफ करने के बहाने ठगी करने वाला गिरोह गिरफ्तार

गिरोह में हैं चार महिलाएं, झारखंड के रहने वाले हैं सभी आरोपी

संवाददाता, खुटार

पुलिस हिरासत में ठगी करने वाले गैंग के सदस्य। ● अमृत विचार

- सोना-चांदी साफ करने के बहाने महिलाएं करतीं थीं धोखाधड़ी
- आभूषण और बर्तन बरामद, कई घटनाओं का खुलासा

अमृत विचार : खुटार पुलिस और एसओजी ने घर-घर जाकर सोना चांदी साफ करने के बहाने ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने चार महिलाओं समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए जालसाजों के पास से पुलिस ने लाखों की कीमत के जेवर, स्टील व एल्युमोनियम के बर्तन बरामद किए हैं। पुलिस ने पूछताछ के बाद आरोपियों को जेल भेज दिया है।

जालसाज गिरोह के पीछे जिले की एसओजी और पुलिस लगी थी। गुरुवार रात पुलिस को सूचना मिली कि खुटार-गोला रोड पर बनकटा गांव की मोड़ के पास कुछ संदिग्ध लोग खड़े हैं। सूचना पर थानाध्यक्ष श्यामवीर सिंह, एसओजी प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार और सर्विलांस सेल प्रभारी मनोज कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घेराबंदी कर सभी आरोपियों को पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वे गांव-गांव जाकर भोली भाली महिलाओं से पुराने बर्तन और सोना-चांदी के आभूषण साफ करने के नाम पर यह कहकर ले जाते थे कि अगले दिन लौटा देंगे, लेकिन दोबारा गांव नहीं आते थे। इसके बाद वह दूसरे गांव की महिलाओं को निशाना बनाते थे।

किन्नरों का अनुष्ठान

प्रयागराज में माघ मेले के दौरान बसंत पंचमी के अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय किन्नर अखाड़ा के सदस्य संगम में अनुष्ठान और पवित्र स्नान करते हुए। ● एजेंसी

हाईटेंशन के करंट से बालक की मौत

शाहजहांपुर, अमृत विचार: कस्बा गढ़िया रंगीन में एक बालक लोहे के तार में जूता बांधकर पेड़ से बेर तोड़ रहा था। जूता हाईटेंशन लाइन पर जाकर गिर गया, जिससे बालक को करंट लग गया। बालक को सीएचसी पर ले गए। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

गढ़िया रंगीन थाना क्षेत्र के कस्बा निवासी 11 वर्षीय आशीष शुक्रवार की सुबह 10 बजे बेर तोड़ने के लिए गया। उसने पुराना जूते में लोहे का तार बांधा और बेर तोड़ने के लिए कई बार पेड़ पर फेंका। बालक ने कई बार बेर तोड़ लिया था। बेर के पेड़ के पास से हाईटेंशन लाइन निकल रही थी। इसी दौरान बालक ने लोहे बंधा जूता पेड़ पर फेंका। इस बार जूता पेड़ की डाल पर जाकर, बल्कि हाईटेंशन लाइन पर गिर गया। लोहे का तार पकड़े होने पर बालक को करंट लग गया। वह दूर जाकर गिरा और छटपटाते हुए बेहोश हो गया। इस दौरान लोग दौड़कर गए और लाइन को बंद कराया।

बच्ची और 14 वर्षीया किशोरी से दुष्कर्म

संवाददाता, पीलीभीत/बीसलपुर

- सदर कोतवाली और बीसलपुर क्षेत्र में हुईं घटनाएं, रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार: मासूम बच्चियों से दरिंदगी से जुड़ी दो घटनाएं सामने आई है। शहर में दस वर्षीय बालिका से एक युवक ने दुष्कर्म किया । वहीं, बीसलपुर क्षेत्र में चौदह वर्षीय किशोरी से दरिंदगी की घटना की गई। उसकी आपत्तिजनक वीडियो भी मुख्य आरोपी का साथी बनाता रहा। दोनों थानों की पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई में जुट गई है।

बीसलपुर कोतवाली में दी गई तहरीर में एक महिला ने बताया कि 21 जनवरी की रात करीब 11 बजे गांव के ही अवनीश पुत्र धर्मपाल ने कॉल करके पीड़िता की 14 वर्षीय पुत्री को अपने पास बुला लिया। इसके बाद जब पुत्री वहां चली गई। फिर वहां पर प्रशांत गंगवार सिगरेट पी रहा था। इसके बाद अवनीश किशोरी को गांव के ही हर्ष उर्फ विनीत के घर लेकर चला गया। प्रशांत ने जब ये देखा तो उसने अपने दोस्त विकास, शरद और सुमित को भी बुला लिया। इसके बाद आरोप है कि विकास किशोरी को खंडहर नुमा मकान में ले गया। वहां पर प्रशांत ने किशोरी से दुष्कर्म किया। आरोपी विकास ने आपत्तिजनक वीडियो बनाई और अन्य आरोपी भी मदद करते रहे। घर आकर पुत्री ने खुद के साथ ही दरिंदगी की घटना बताई। जिसे सुनकर परिवार वाले दंग रह गए। बीसलपुर कोतवाल संजीव कुमार शुक्ला ने बताया कि पांच आरोपी प्रशांत, अवनीश, विकास, शरद और सुमित के खिलाफ पॉक्सो एक्ट और सामूहिक दुष्कर्म की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

मेटा के अलर्ट से पुलिस ने युवक की जान बचाई

लखनऊ, एजेंसी, भदोही जिले में आत्महत्या के इरादे से इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट करने वाले एक युवक की जान पुलिस ने मेटा कंपनी से मिले अलर्ट के आधार पर समय रहते बचा ली।

पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी बयान के अनुसार गुरुवार रात औराई थाना क्षेत्र निवासी 22 वर्षीय युवक ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उसने नींद की गोलियां खाने की बात कही थीं। युवक ने पोस्ट में कहा कि मुझे माफ करना मेरी जान, मेरे मरने के बाद दुआ करना, आज मैंने नींद की 50 गोली खाई हैं। मैं मर भी गया तो चिंता मत करना। बयान के मुताबिक, रात करीब सवा 11 बजे मेटा कंपनी की ओर से पुलिस महानिदेशक मुख्यालय स्थित सोशल मीडिया सेंटर को ई-मेल के जरिए अलर्ट प्राप्त हुआ था।

संभल में महिला की सिर कूचकर हत्या

कार्यालय संवाददाता, संभल

- सड़क पर भटकती मिली दो साल की बेटी, पुलिस ने शुरू की छानबीन

शैबुल निशा।

अमृत विचार : जनपद के हजरतनगर गढ़ी थाना क्षेत्र में दो साल की बेटी के साथ गांव लौट रही महिला की बेरहमी से सिर कूचकर हत्या कर दी गई। मां की हत्या के बाद रास्ते में भटक रही मासूम बच्ची पास के गांव के प्रधान को मिली। सुबह महिला का शव मिला तो पुलिस ने पड़ताल शुरू की। मायके वाले पति पर हत्या का शक जता रहे हैं, जबकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर अपनी जांच आगे बढ़ा रही है। विवाहिता की हत्या में पति समेत आठ पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

गांव सिसौटा निवासी मुजम्मिल की पत्नी शैबुल निशा (32 वर्ष) गुरुवार 22 जनवरी को अपनी दो वर्षीय बेटी चेहरा के साथ अपनी खाला के दफन में शामिल होने के लिए जनपद रामपुर के थाना शाहबाद क्षेत्र के गांव जहांगीरपुर गई थी। शाम करीब पांच बजे वह वहां से घर के लिए रवाना हुई, लेकिन देर रात तक घर नहीं पहुंची। इसके बाद शुक्रवार को सुबह सिसौटा और बहादुद्दीनपुर के बीच जंगल में चरन सिंह के खेत में महिला का शव मिलने की सूचना फैली तो तमाम ग्रामीण वहां पहुंचे। मृतका की पहचान सिसौटा गांव निवासी शैबुल निशा (32) पत्नी मुजम्मिल के रूप में हुई तो उसके परिजन मौके पर पहुंच गये। ग्रामीणों की सूचना पर हजरतनगर गढ़ी थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। इसी दौरान परिजनों ने बताया कि शैबुल निशा अपनी दो साल की बेटी के साथ गई थी। इसके बाद बच्ची की तलाश शुरू हुई तो बहादुद्दीनपुर गांव के प्रधान दीपक ने बताया कि बच्ची उनके पास है। दीपक ने बताया कि बच्ची रात को रास्ते पर भटक रही थी तब उन्होंने उसे सहारा दिया था और अपने घर ले गये थे। बच्ची से जानकारी लेने का प्रयास किया गया, लेकिन छोटी होने की वजह से वह कुछ नहीं बता पा रही थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर घटनास्थल पर जांच पड़ताल की।

फोरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर साक्ष्य एकत्र किए। अपर पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह व सीओ आलोक कुमार भाटी भी मौके पर पहुंचे। सीओ आलोक भाटी ने बताया कि महिला का शव बरामद हुआ है और परिजनों ने उसकी पहचान कर ली है। सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। परिजनों से बातचीत कर महिला के घर न पहुंचने और हत्या के कारणों का पता लगाया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

न्यायालय श्रीमान् उपजिलाधिकारी महोदय सहसवान (बदायूं)

कलीमुल हफीक पुत्र स्व. श्री अब्दुल हफीज निवासी मो. कस्बा पट्टीयकीन मुहम्मद पर. तह. सहसवान जिला बदायूं **बनाम** अंगूरी पत्नी ज्ञानदेव निवासी ग्राम रसूलपर कलां परगना व तहसील सहसवान जिला बदायूं

धारा- 116 उ.प्र.रा. सं.

ग्राम सिलहरी पर. व तह. सहसवान जिला बदायूं हरगाह वादी ने आपके नाम एक नालिश बाबत के दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आज व तारीख 28.01.2026 ई. बवक्त 10 बजे दिन के असालतन या वकालतन वकील के जो मुकदमा के हालात करार बाकई बाकिफ किया गया हो और कुल उमूरात अहम मुतालिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई शख्स हो कि जो जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दाबा को करे और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेजात पेश करें जिन पर आप बताइए अपनी जवाबदेही के इस्तेमाल करना चाहते हो। आपको इत्तला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिर आपके मसमुअ और फैसला होगा। बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज तारीख माह सन् 20.02.2026 ई. को जारी किया गया।

आदेशानुसार: न्यायालय उपजिलाधिकारी महोदय सहसवान (बदायूं)

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–टेन्डरिंग निविदा सूचना सं. 08/2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.) पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई–टेन्डरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते हैः–

क्रम सं.-1, कार्य का विवरणः इज्जतनगर मंडल में वमंइं/मुख्या. के अधिकार क्षेत्र में एन.एस.जी.-3 से एन.एस.जी.-6 स्टेशनों पर दिव्यांगजनों के लिये सुविधाओं का प्रावधान। अनुमानित लागत रूपयों में: ₹ 2,09,08,525.53, बयाना राशि रूपयों में: ₹ 2,54,600/-, निविदा प्रपत्र का मूल्यः शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि 08 माह।

(1) ई-निविदा दिनांक 16-02-2026 को 15:00 बजे तक आनलाइन जमा कर सकेंगे।

(2) ई-निविदा की प्रस्तुति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के IREPS वेबसाईट *www.ireps.gov.in* पर देखें।

मण्डल रेल प्रबन्धक (इन्जी.), इज्जतनगर

मुजाधि/डब्लू-428

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: DCE-BL-05-2026

उप मुख्य इंजीनियर/पुल लाईन/पूर्वोत्तर रेलवे/गोरखपुर भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यो हेतु ई-निविदा आमन्त्रित करते हैं:–

क्रम सं.-1, ई-निविदा सं.-DCE-BL-05-2026, कार्य का विवरणः पूर्वोत्तर रेलवे के ओपेन वेब गर्डर पुल लखनऊ मण्डल पर स्थित पुल सं.-391UP (17x61.0m), वाराणसी मण्डल पर स्थित पुल सं.-137UP (13x30.5m) एवं 137DN (13x30.5m) तथा इज्जतनगर मण्डल पर स्थित पुल सं.-270(8x30.5m) के टाप कार्ड पर इन्सपेक्शन पाथवे तथा इण्डरेकर पर सीढ़ियो का प्रावधान। अनुमानित लागतः ₹ 6,91,03,518.82, बयाने की राशिः ₹ 4,95,500.00, निविदा प्रपत्र का मूल्यः शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने के तिथि से कार्य की समापन अवधिः 18 (अट्ठारह) माह।

• ई-निविदा खुलने की तिथिः दिनांक 17-02-2026 को 11:00 बजे। • ई-निविदा की प्राप्ती की तिथिः दिनांक 17-02-2026 को 10:59 बजे। • ई-निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तो का पूर्ण विवरण वेबसाईट *www.ireps.gov.in* पर उपलब्ध है।

उप मुख्य इंजीनियर/पुल लाईन, गोरखपुर

मुजाधि/डब्लू-427

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर सजेगी विकसित उत्तर प्रदेश की झांकी

यूपी दिवस-2026

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर 24 से 26 जनवरी तक राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर आयोजित होने वाले तीन दिवसीय समारोह में प्रदेश की पर्यटन क्षमता, सांस्कृतिक विरासत और विकास यात्रा की भव्य झलक देखने को मिलेगी। 'विकसित भारत, विकसित उत्तर प्रदेश' थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से उत्तर प्रदेश को अग्रणी पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने का संदेश दिया जाएगा।

यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने शुक्रवार को दी। उन्होंने बताया कि उप्र. पर्यटन विभाग के स्टॉल पर विभागीय योजनाओं के साथ-साथ पीपीपी मोड पर क्रियान्वित परियोजनाओं, माघ मेला-2026, बुंदेलखंड के प्रमुख पर्यटन स्थलों, विरासत संरक्षण, इको-टूरिज्म बोर्ड की पहलों तथा यूपीएसटीडीसी की 'लखनऊ दर्शन' इलेक्ट्रिक डबल डेकर बस सेवा जैसे सफल प्रयासों को प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शित किया जाएगा।

जयवीर सिंह ने बताया कि समारोह के दौरान बौद्ध, जैन, रामायण, महाभारत सहित प्रदेश के सभी 12 पर्यटन सर्किटों से जुड़ी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को आमजन के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि कालिंजर किले को विशिष्ट पर्यटन गंतव्य के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा, जबकि झांसी, चित्रकूट, ललितपुर, महोबा और बांदा के ऐतिहासिक स्थलों व जलप्रपातों की जानकारी भी प्रदर्शनी में शामिल रहेगी।

खोदाई के दौरान मिले चांदी के सिक्के

सिक्का दिखाता ग्रामीण।

ककराला, अमृत विचार : गांव अंतामई स्थित तालाब में डालकर पाटा जा रहा है। टीले की खुदाई करने के दौरान जेसीबी चालक को चांदी के सिक्कों से भरी मटकी मिली जिसे लेकर वह भाग खड़ा हुआ। खोजने के दौरान लोगों को भी सिक्के मिले हैं। यह सिक्के तुगलक काल के बताए जा रहे हैं। उन पर अरबी फारसी में लिखा हुआ है।

आसपुर मार्ग स्थित प्राचीन टीले की मिट्टी अवैध तरीके से उठाकर अंतामई तालाब को पाटा जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार प्राचीन टीला (खेरे) पर जेसीबी से अवैध खनन के दौरान जेसीबी से की जा रही खुदाई के दौरान चांदी के सिक्के से भरी मटकी निकली।

बदायूं में माहौल बिगाड़ने का प्रयास, नौ लोगों पर रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता, ओरछी

जुलूस निकाल रहे लोगों से अनुमति के बारे में पूछताछ करते पुलिसकर्मी।

- गुरुवार शाम चादर लेकर लगाए मजहबी नारे

अमृत विचार : फैजगंज बेहटा थाना क्षेत्र के कस्बा में बिल्सी, रामपुर, हल्द्वानी के मुस्लिम समुदाय के लोगों ने माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया। वह चादर लेकर हिंदू बस्ती में जुलूस के साथ गुजरे। लोगों ने विरोध किया तो हंगामा हुआ था। पुलिस की सक्रियता से सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास विफल हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। जुलूस निकाल रहे लोगों को हिरासत में लेकर थाने पहुंचे। पुलिस ने फैजगंज बेहटा नगर पंचायत के चेयरमैन समेत 9 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके जांच शुरू की है।

गुरुवार शाम लगभग साढ़े सात बजे मुस्लिम समाज के लोग कस्बा फैजगंज बेहटा की हिंदू बस्ती वार्ड सात में घुसे। कुछ लोग चादर पकड़े थे। मजहबी नारे लगा रहे थे। ढोल ताशे बज रहे थे। वह लोग बाहरी लग रहे थे। लोगों को उनपर शंका हुई। मोहल्ले के लोगों ने जुलूस निकालने पर आपत्ति जताई तो वह लोग झगड़ा करने पर आमादा हो गए थे। दोनों पक्षों में नोकझोंक होती रही। सूचना मिलने पर पुलिस बल कस्बा में पहुंचा। जुलूस निकल रहे लोगों से अनुमति पत्र मांगा। जो वह लोग नहीं दिखा सके। इसके चलते पुलिस सभी को पकड़कर थाने ले गई। कस्बा में शांतिभंग होने की स्थिति बन गई थी। पुलिस ने फैजगंज बेहटा के चेयरमैन इसरार, कस्बा के वार्ड सात निवासी आशमी व उनके पति गुलशेर पुत्र जुम्मा, गांव विलासपुर के मोहल्ला खिरी मियां निवासी मोहम्मद यासीन, बिल्सी नगर के मोहल्ला चार निवासी हमसुद्दीन, रामपुर के कस्बा स्वार के मोहल्ला रसूलपुर निवासी उस्मान, निजाम अहमद, बिल्सी क्षेत्र के गांव दुधौनी निवासी चमन और हल्द्वानी के आजाद नगर के वार्ड 24 निवासी मोहम्मद अबरार शाह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

विधायक पुत्र का नाम चार्जशीट में शामिल पुलिस भेजेगी नोटिस

रुद्रपुर, अमृत विचार: किच्छा विधायक तिलकराज बेहड़ के पार्षद पुत्र सौरभ राज बेहड़ की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। खुद पर हमले की साजिश रचने के मामले में पुलिस अब सौरभ को नोटिस भेजकर पूछताछ की तैयारी में है। जांच में मुख्य साजिशकर्ता के रूप में नाम सामने आने के बाद पुलिस चार्जशीट में भी उनका नाम शामिल करने जा रही है।

बीते रविवार को सौरभ पर हुए हमले के खुलासे में पता चला था कि उन्होंने अपनी पत्नी की सहानुभूति पाने के लिए खुद पर हमला करवाया था। पुलिस ने इस मामले में सौरभ के दोस्त इंदर नारंग और तीन हमलावरों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी ट्रांजिट कैंप, मोहन चंद्र पांडेय ने बताया कि मामला 7 साल से कम की सजा का होने के कारण गिरफ्तारी अनिवार्य नहीं है, लेकिन आरोपी को न्यायालय से जमानत लेनी होगी।

गाजियाबाद में नाले में गिरने से 11 साल के बच्चे की मौत

गाजियाबाद, एजेंसी: गाजियाबाद में 11 वर्षीय बालक अपने घर के पास खेलते समय लगभग ढाई फुट गहरे और चौड़े खुले नाले में गिर गया जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

यह घटना नोएडा में हाल में सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता की मौत के कुछ दिनों बाद हुई है। घने कोहरे के बीच नोएडा के सेक्टर-150 में मेहता की कार पानी से भरे गहरे गड्ढे में गिर गई थी। गाजियाबाद की यह घटना बुधवार शाम मसूरी पुलिस थाना क्षेत्र के माजरा झुंडपुरा गांव में हुई। पुलिस के अनुसार, आहिल अपने घर से लगभग 50 मीटर दूर खेल रहा था तभी वह गलती से खुले नाले में गिर गया। परिवार के सदस्यों और पड़ोसियों ने उसे बाहर निकाला।

हिंदुस्तान में हो रही गजवा-ए-हिंद कायम करने की साजिश

संवाददाता, अयोध्या

राम मंदिर परिसर का अवलोकन करते स्वामी रामदेव व साथ में ट्रस्ट महासचिव चंपत राय।

- सनातन के शत्रु बहुत हैं, आपस में विवाद न करें : स्वामी रामदेव

अमृत विचार: योग गुरु बाबा रामदेव ने प्रयागराज माघ मेले में संगम स्नान को लेकर चल रहे शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद विवाद को लेकर कहा कि सनातन के शत्रु बहुत हैं, आपस में विवाद न करें। कुछ लोग हिंदुस्तान में गजवा ए हिंद कायम करना चाहते हैं।

योग गुरु बाबा रामदेव गुरुवार रात अयोध्या में राम वल्लभा कुंज मंदिर पहुंचे थे। शुक्रवार सुबह योग शिविर के माध्यम से लोगों को सनातन धर्म संस्कृति की रक्षा के लिए भी जागरूक किया। राम जन्मभूमि पर विराजमान रामलला और हनुमान गढ़ी में भी दर्शन किए। कहा कि, सनातन केवल शाब्दिक नहीं हैं। यह कथनों और प्रवचनों से नहीं जीवन में उतरे, श्री राम और उनकी मर्यादा हमारे जीवन में उतरे। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के विवाद पर कहा कि साधु हैं तो वह विवाद किस बात का करेंगे। कम से कम धर्म स्थान पर कोई साधु विवाद नहीं कर सकता है। कोई पाप, अधर्म, अन्याय हो रहा हो तो वहां पर दुष्ट का विनाश करेंगे लेकिनतीर्थ में किस बात का विवाद? सिर तन से जुदा करने वाले बहुत है। कोई यहां ईसाईकरण तो कोई इस्लामीकरण कर रहा है।

आजम के जौहर ट्रस्ट से इस्तीफे की सूचना अफवाह

रामपुर, अमृत विचार: समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व मंत्री मोहम्मद आजम खान, उनके छोटे बेटे और पूर्व सपा विधायक अब्दुल्ला आजम और पत्नी एवं पूर्व सांसद डॉ. तजीन फात्मा ने मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट से इस्तीफा देने के मामले में जौहर विवि के कुलपति मीडिया से रूबरू हुए। शुक्रवार को मामला चर्चा में आया तो उन्होंने प्रेस वार्ता करते हुए इस्तीफे की बात को मात्र अफवाह बताया।

कुलपति प्रोफेसर जहीरूद्दीन ने बताया कि ये अंदरूनी मामला है। शुक्रवार को चर्चा रही कि सभी के इस्तीफे के बाद उनकी बहन निकहत अफलाक को अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है। आजम के बड़े बेटे अदीब आजम को सचिव बनाया गया है। इसके बाद जौहर विवि के कुलपति ने कहा कि ये हम कोर्ट में देंगे कि कौन जौहर ट्रस्ट का अध्यक्ष है।

विकसित उत्तराखंड के विजन से बनेगा पूर्ण विकसित भारत

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- धामी ने चिंतन शिविर एवं डॉयलाग ऑन विजन 2047 में अधिकारियों को किया संबोधित

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प तभी साकार हो सकता है जब देश का प्रत्येक राज्य समान रूप से विकसित हो। इसके लिए उत्तराखंड को भी अपने संसाधनों, क्षमताओं और विशिष्टताओं के अनुरूप विकास की एक स्पष्ट और दीर्घकालिक दिशा तय करनी होगी।

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को सिविल सर्विसेस इंस्टीट्यूट में आयोजित चिन्तन शिविर एवं डायलॉग ऑन विजन 2047 में राज्य के प्रशासनिक अधिकारियों को संबोधित किया। कहा कि, इस दो दिवसीय शिविर के माध्यम से पीएम मोदी के संकल्प के अनुसार वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए ठोस, व्यवहारिक और समयबद्ध रणनीति तैयार की जाएगी। इस दौरान उत्तराखंड के समग्र विकास से जुड़े सभी प्रमुख क्षेत्रों पर गहन विचार-विमर्श किया जाएगा जिससे राज्य के भविष्य के लिए एक स्पष्ट व समयबद्ध दिशा निर्धारित की जा सकेगी। कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा प्रस्तुत 'विकसित भारत' का संकल्प किसी एक सरकार, किसी एक कार्यकाल या किसी एक योजना तक सीमित नहीं है, बल्कि ये एक ऐसा व्यापक और दीर्घकालिक राष्ट्रीय दृष्टिकोण है, जिसमें भारत को आर्थिक, सामाजिक रूप से सशक्त, आत्मनिर्भर व वैश्विक नेतृत्वकर्ता राष्ट्र के रूप में स्थापित करने का संकल्प निहित है। इस विजन की सबसे बड़ी विशेषता है कि इसमें विकास को केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं रखा गया है।

न्यूज ब्रीफ

दो दिवसीय झारखंड दौरे पर रांची पहुंचे भागवत

रांची। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत दो दिवसीय झारखंड दौरे के तहत शुक्रवार को रांची पहुंचे। वह अपने राज्य प्रवास के दौरान संगठनात्मक बैठकों में हिस्सा लेंगे और आदिवासी समूहों के साथ बातचीत करेंगे। आरएसएस पदाधिकारी ने बताया कि झारखंड की राजधानी की अपनी यात्रा के दौरान, भागवत शनिवार को विभिन्न आदिवासी समूहों और उनके प्रतिनिधियों के साथ जनजातीय संवाद शीर्षक से एक बंद कमरे में बैठक करेंगे। इस बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के नेताओं सहित लगभग 500 लोग उपस्थित रहेंगे। भागवत शुक्रवार शाम को आरएसएस कार्यकर्ताओं और नेताओं से मुलाकात करेंगे।

पर्यटक वाहन-बस की टक्कर में तीन की मौत

उडुपी। उडुपी जिले में शुक्रवार को एक बस और पर्यटकों के एक वाहन के बीच हुई टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि मियार के पास करकला-बजागोली राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई टक्कर इतनी भीषण थी कि बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इस दुर्घटना में कई अन्य लोग भी घायल हो गए, जिन्हें तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। सूचना मिलते ही करकला पुलिस मौके पर पहुंची। इस घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है। दुर्घटना के कारण इस मार्ग पर यातायात कुछ समय के लिए प्रभावित हुआ। मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

मछुआरों ने तीन व्हेल शार्क की जान बचाई

त्रिशूर। तिरुवनंतपुरम तट के किनारे पर बिछाए गए मछली पकड़ने के जालों में गलती से फंसी तीन व्हेल शार्क मछलियों को स्थानीय मछुआरों ने वर्ल्ड वाइल्ड लाइफ ट्रस्ट की मदद से बचा लिया। बचाव अभियान कोचुवेली, वेट्टुकाडु और कोचुवेली - तीन स्थानों पर कुछ ही घंटों में पूरा किया गया। बचाई गई इन शार्क मछलियों में दो नर और एक मादा शामिल है जिनकी लंबाई लगभग 12 फीट, 16 फीट और 20 फीट है। केरल तट के मछुआरों ने अब तक 54 व्हेल शार्क की जान बचाने में मदद की है। डब्ल्यूटीआई के सहायक अजीत कुमार ने कहा कि यह पहली बार है जब एक ही दिन में अलग स्थानों से तीन व्हेल शार्क को बचाया गया है।

केरल निर्णायक राजनीतिक बदलाव की दहलीज पर

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- भाजपा नेतृत्व संभालने के लिए तैयार, कांग्रेस पर लगाया सांप्रदायिकता का आरोप

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि केरल एक निर्णायक राजनीतिक बदलाव की दहलीज पर खड़ा है। उन्होंने केरल के तिरुवनंतपुरम के पुथरीकंडम मैदान में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) राज्य में शासन का एक वैकल्पिक मॉडल पेश करने के लिए तैयार है और जनता का मौजूदा मिजाज स्पष्ट रूप से दशकों की विभाजनकारी राजनीति से आगे बढ़ने की इच्छा को दर्शाता है।

मोदी ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम प्रधानमंत्री ने कहा- भाजपा नेतृत्व संभालने के लिए तैयार, कांग्रेस पर लगाया सांप्रदायिकता का आरोप चुनावों में भाजपा की हालिया जीत का जिक्र करते हुए इसे ऐतिहासिक और अभूतपूर्व बताया। उन्होंने कहा कि इसने केरल में पार्टी के विस्तार और विकास की नींव रखी है। उन्होंने कहा, जो सालों से नहीं बदला, वह अब बदलेगा। जो गुजरात की एक नगर पालिका से शुरू हुआ था, वह अब तिरुवनंतपुरम में जड़ें जमाएगा और पूरे केरल में फैलेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य की राजधानी का चुनावी फैसला सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) दोनों के प्रति जनता के बढ़ते मोहभंग को दर्शाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेतृत्व वाले इन दो मोर्चों ने दशकों तक ''फिक्स्ड मैच'' खेला है, जिसने विकास को रोक दिया और युवाओं से अवसर छीन लिए। उन्होंने कहा, केरल अब भ्रष्टाचार, कुशासन और राजनीतिक अवसरवाद से मुक्ति चाहता है।

मोदी ने आंशिक रूप से मलयालम में बोलते हुए आश्वासन दिया कि भाजपा के नेतृत्व में तिरुवनंतपुरम में तेज विकास और उत्तरदायी शासन देखने को मिलेगा। उन्होंने गुजरात के साथ तुलना करते हुए याद किया कि कैसे भाजपा को वहां बार-बार हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन जनता का विश्वास जीतकर वह एक प्रमुख राजनीतिक ताकत बनकर उभरी। उन्होंने कहा कि यदि पार्टी कार्यकर्ता प्रतिबद्ध रहें तो केरल में भी ऐसा ही बदलाव संभव है। मोदी ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए दावा किया कि पार्टी ने अपना विकास का एजेंडा छोड़ दिया है और विभाजनकारी राजनीति को बढ़ावा दे रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि केरल को सांप्रदायिक प्रयोगों की प्रयोगशाला बना दिया गया है। राज्य को अपनी वास्तविक क्षमता का एहसास करने के लिए ऐसे प्रभावों से मुक्त होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने एलडीएफ को भी निशाने पर लिया और उन पर केरल के सांस्कृतिक मूल्यों का सम्मान न करने तथा भ्रष्टाचार के माध्यम से जनता के विश्वास के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया। उन्होंने सहकारी बैंक घोटालों सहित कथित वित्तीय अनियमितताओं का हवाला देते हुए कहा कि आम नागरिकों की बचत को जोखिम में डाल दिया गया है। उन्होंने कहा, भाजपा को एक मौका दें। जनता से लूटा गया एक-एक रुपया वसूल किया जाएगा।

तिरुवनंतपुरम में प्रधानमंत्री का स्वागत करते भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व अन्य नेता।

विजयन ने ओडिशा में पादरी पर हमला याद दिलाया

तिरुवनंतपुरम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से माकपा और एलडीएफ सरकार की आलोचना पर पलटवार करते हुए मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में भाजपा शासित ओडिशा के ढेंकानाल जिले में धर्मांतरण के आरोपों को लेकर एक पादरी पर हुए क्रूर हमले का जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने कहा, ओडिशा में पादरी पर क्रूर हमला कोई छोटी घटना नहीं है, यह संघ परिवार द्वारा सुनियोजित रूप से फैलाई जा रही हिंसा और नफरत को दर्शाती है। किसी मनुष्य को गोबर खिलाना घोर अमानवीय कृत्य है, जिसे भाजपा के नेतृत्व वाली सरकारों की चुप्पी से बढ़ावा मिल रहा है। विजयन ने यह भी कहा कि जब देश में धर्म प्रचारक ग्राहम स्टेन्स और उनके दो छोटे बेटों की जघन्य हत्या के 27 वर्ष पूरे हो रहे हैं। सिर्फ ओडिशा में ही नहीं, बल्कि पूरे भारत में राष्ट्र के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने पर लगातार हमले हो रहे हैं।

कर्नाटक में फिर से चलेंगी बाइक टैक्सी

बेंगलुरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने राज्य में बाइक टैक्सी पर लगा प्रतिबंध शुक्रवार को हटा दिया, जिससे इन सेवाओं को फिर से शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है। कर्नाटक के परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा कि उन्हें अभी तक आदेश की प्रति नहीं मिली है और वह इसकी समीक्षा करने के बाद ही कोई टिप्पणी करेंगे। हालांकि, उन्होंने बताया कि उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने एकल पीठ का आदेश रद्द कर दिया है। मंत्री ने कहा कि उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने बाइक टैक्सी पर रोक लगा दी थी। अब खंडपीठ ने उस आदेश को रद्द करते हुए अपील स्वीकार कर ली है। एक बार फैसले की प्रति आ जाने दीजिए, मैं इसे पढ़कर आप सभी से चर्चा करूंगा। कंपनी उबर ने अदालत के इस फैसले का स्वागत किया है। कहा कि हम कर्नाटक में बाइक टैक्सी को यात्री परिवहन के वैध माध्यम के रूप में मान्यता देने के माननीय उच्च न्यायालय के निर्णय का स्वागत करते हैं।

फोन टैपिंग मामले में बीआरएस नेता के टी रामाराव से पूछताछ

हैदराबाद, एजेंसी

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामाराव, पूर्ववर्ती बीआरएस शासन के दौरान हुए कथित फोन टैपिंग मामले की जांच कर रहे तेलंगाना पुलिस के विशेष जांच दल (एसआईटी) के समक्ष शुक्रवार को पेश हुए। रामाराव पूर्वाह्न लगभग 11 बजे यहां जुबली हिल्स थाने पहुंचे और उनसे शाम छह बजे तक पूछताछ की गई। बीआरएस अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के पुत्र रामाराव को एसआईटी के समक्ष उपस्थित होने के लिए गुरुवार को नोटिस जारी किया गया था।

हैदराबाद पुलिस आयुक्त वी सी सज्जनार ने कहा कि मामले से संबंधित प्रासंगिक जानकारी (रामाराव से) प्राप्त कर ली गई है और रिकॉर्ड में मौजूद साक्ष्यों के साथ उसका विश्लेषण किया जा रहा है। आयुक्त ने कहा कि रामाराव को निर्देश दिया गया है कि वह किसी भी गवाह से संपर्क न करें और न ही उन्हें प्रभावित करें। उन्होंने बताया कि रामाराव को यह भी सूचित किया गया है कि आवश्यकता पड़ने पर उन्हें दोबारा तलब किया जा सकता है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि यह देखा गया है कि मीडिया के कुछ वर्गों और व्यक्तियों द्वारा भ्रामक एवं निराधार जानकारी फैलाई जा रही है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि फोन टैपिंग सुरक्षा कारणों से की गई थी और इसमें कोई गैरकानूनी गतिविधि शामिल नहीं थी। जांच एजेंसी ऐसी झूठी बातों से चिंतित नहीं है। एसआईटी के समक्ष पूछताछ पूरी होने के बाद बीआरएस कार्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए रामाराव ने दावा किया कि इस मामले में कोई दम नहीं है। उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच किसी टीवी सीरियल की तरह खिंचती जा रही है और उनसे बार-बार वही सवाल पूछे जा रहे हैं।

● मामले की जांच कर रही तेलंगाना पुलिस की एसआईटी

बीएमसी चुनाव में मतदाताओं को बांटे गए थे पैसे: उद्धव

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने दावा किया कि मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव से पहले मतदाताओं को पैसे बांटे गए। उन्होंने शिवसेना संस्थापक बाल ठाकरे की जन्म शताब्दी के मौके पर एक सभा को संबोधित करते हुए यह कहा कि मुंबई में पहली बार पैसे का इस्तेमाल किया गया।

उन्होंने इस संबंध में कई जगहों से शिकायतें मिलने का जिक्र किया। उन्होंने विजयी महायुति गठबंधन पर परोक्ष रूप से हमला करते हुए आरोप लगाया, अगर दरवाजा बंद था तो उन्होंने दरवाजे के नीचे की जगह से लिफाफे फेंके, लिफाफों में नकदी भरी हुई थी। उन्होंने पूछा, क्या आप महाराष्ट्र बेच रहे हैं। आप वोट खरीद सकते हैं लेकिन आप दिल कैसे खरीदेंगे, वे धड़कते दिल आज भी मेरे पास हैं। शिवसेना प्रमुख की शिवसेना के साथ हैं। आपने आज फिर यह दिखाया है।

सैनिकों के जोश और जज्बे को रोक नहीं सकी बारिश

नई दिल्ली, एजेंसी

गीली वर्दी और गीले बूट पहने सैनिकों की टुकड़ियों ने शुक्रवार को कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड का फुल ड्रेस रिहर्सल किया। हालांकि लगातार गरज के साथ बौछारें पड़ने से कर्तव्य पथ पर कार्यक्रम में देरी हुई। राष्ट्रीय राजधानी के ऊपर घने काले बादल छाए रहने तथा बौछारों के साथ तेज हवाओं के बीच सैनिकों और सैन्य वाहनों का काफिला आगे बढ़ा, जबकि पैदल, घुड़सवार और टैंकों के ऊपर सवार अधिकारी, तेज बारिश से बेपरवाह होकर ऊंचे झंडे लहराते हुए एक व्यवस्थित क्रम में आगे बढ़ते रहे।

दिल्ली में 2026 की पहली बारिश के साथ शुष्क शीत ऋतु का लंबा दौर आखिरकार शुक्रवार को समाप्त हो गया। यह बारिश इस मौसम के पहले शक्तिशाली पश्चिमी विक्षोभ के कारण हुई। इस प्रणाली के चलते तेज हवाएं चलीं, गरज के साथ बारिश हुई और समूची दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण के स्तर से कुछ समय के लिए राहत मिली। भीगी हुई वर्दी और फिसलन भरी जमीन के बावजूद सैनिक पूरे जोश और अनुशासन के साथ कदम ताल करते हुए आगे बढ़े।

परेड के दौरान ऑपरेशन सिंदूर, ब्रह्मोस और अन्य स्वदेशी मिसाइल प्रणालियों की झांकियां गुजरीं, जो काले बादलों और बारिश की चादर के बीच अलग ही नजर आ रही थीं। पूरे मार्ग पर दिल्ली पुलिस और अन्य एजेंसियों के सुरक्षाकर्मी रेनकोट पहने हुए, लगातार बारिश के बावजूद इलाके की बारीकी से निगरानी करते और सुरक्षा प्रोटोकॉल बनाए रखते हुए देखे गए। रिहर्सल के दौरान कर्तव्य पथ के प्रमुख स्थानों पर कर्मचारी तैनात रहे। रिहर्सल देखने आए लोग बारिश जारी रहने के बावजूद बैठे रहे। कई लोगों ने बारिश से बचने के लिए छातों, टोपियों और प्लास्टिक की चादरों का इस्तेमाल किया, जबकि अन्य लोगों ने बारिश रुकने के दौरान अपनी बैठने की व्यवस्था और सामान को व्यवस्थित किया। कुछ लोगों ने अस्थायी आवरणों के नीचे कुछ देर के लिए शरण ली जबकि अन्य लोगों ने बैठे रहना पसंद किया, क्योंकि वे परेड देखने से चूकना नहीं चाहते थे।

नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड का फुल ड्रेस रिहर्सल ● एजेंसी

● गणतंत्र दिवस परेड की रिहर्सल गीली वर्दी में करते रहे मार्च

हल्की बारिश हुई आसमान पर दिन भर छाए रहे बादल

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि सुबह आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहे साथ ही हल्की बारिश की एक या दो बार बौछारें भी हुई। गरज के साथ बारिश, बिजली चमकने के अलावा 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं। सुबह के शुरुआती घंटों में हल्का कोहरा भी देखा गया। आईएमडी के अनुसार, सुबह साढ़े आठ बजे से पूर्वाह्न साढ़े 11 बजे के बीच पालम में 12.6 मिलीमीटर, जनकपुरी में 12.5 मिलीमीटर, लोदी रोड पर 11.8 मिलीमीटर, रिज में 11.4 मिलीमीटर और सफदरजंग में 8.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जबकि मयूर विहार में चार मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

अर्थव्यवस्था पर मोदी नहीं पड़ने दें कमजोरी का असर

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अमेरिकी टैरिफ के कारण भारतीय कपड़ा उद्योग को हो रहे नुकसान को लेकर शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि उन्हें अपनी कमजोरी का असर अर्थव्यवस्था पर और नहीं पड़ने देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका के साथ एक ऐसा व्यापार समझौता होना चाहिए जिसमें भारतीय व्यवसाय और मजदूरों को तवज्जो मिले।

राहुल गांधी ने हाल ही में गुरुग्राम के निकट मानेसर में एक कपड़ा फैक्ट्री का दौरा किया और इसका वीडियो उन्होंने शुक्रवार को अपने यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया। राहुल ने कहा, मोदी जी, आपकी जवाबदेही बनती है, कृपया इस मामले पर ध्यान दीजिए। उनका कहना था, भारत का कपड़ा उद्योग हमारी अर्थव्यवस्था में रोजगार देने के मामले में दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र है। हमारे कपड़े दुनिया भर में पसंद किए जाते हैं और हमारे दर्जियों की कारीगरी का सच में कोई मुकाबला नहीं है। कांग्रेस नेता ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ के कारण कपड़ा उद्योग बहुत अनिश्चितता का सामना कर रहा है। राहुल गांधी ने दावा किया, अमेरिका ने 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है, यूरोप में कीमतें गिर रही हैं, बांग्लादेश एवं चीन से कड़ा मुकाबला है, हमारे कपड़ा उद्योग और कपड़ा निर्यातक पिस रहे हैं।

● राहुल गांधी ने कपड़ा उद्योग को हो रहे नुकसान पर साधा निशाना

पंजाब में आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ बब्बर खालसा के पांच आतंकी गिरफ्तार

चंडीगढ़, एजेंसी

गणतंत्र दिवस से पहले पंजाब पुलिस ने शुक्रवार को दो आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ कर प्रतिबंधित संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के पांच आतंकवादियों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। पुलिस ने बताया कि राज्य के विभिन्न इलाकों से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि अमृतसर स्थित राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ (एसएसओसी) ने बब्बर खालसा के सदस्य शरणप्रीत सिंह की गिरफ्तारी के साथ ही एक सुरक्षा प्रतिष्ठान पर होने वाले संभावित हमले को टाल दिया।

शरणप्रीत सिंह, तरन तारन के दिनेवाल गांव का रहने वाला है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शरणप्रीत के पास से एक हथगोला, नौ एमएम की एम ग्लॉक पिस्तौल, पांच कारतूस और 65 ग्राम (मेथाम्फेटामाइन) मादक पदार्थ जब्त किया गया। डीजीपी यादव ने पाकिस्तान के आईएसआई समर्थित आतंकी नेटवर्क के खिलाफ एक और बड़ी सफलता की जानकारी देते हुए बताया कि होशियारपुर पुलिस ने जालंधर की काउंटर इंटेलिजेंस के साथ संयुक्त अभियान में बीकेआई के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से आरडीएक्स आधारित 2.5 किलोग्राम का एक विस्फोटक उपकरण और कारतूसों के साथ दो पिस्तौल जब्त की गईं।

पुलिस महानिदेशक यादव ने ''एक्स'' पर कहा कि इस आतंकी नेटवर्क का संचालन अमेरिका स्थित बीकेआई के संचालकों द्वारा किया जा रहा था। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि बरामद आईईडी आगामी गणतंत्र दिवस समारोह के मद्देनजर लक्षित आतंकी हमले के लिए तैयार किया गया था। इस संबंध में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत होशियारपुर के गढ़शंकर पुलिस थाने में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है और मामले की विस्तृत जांच जारी है। उन्होंने कहा कि होशियारपुर के गढ़शंकर से गिरफ्तार किए गए चार आरोपियों की पहचान दिलजोत सिंह सैनी, हरमन उर्फ हैरी, अजय उर्फ मेहरा और अर्शदीप सिंह उर्फ अर्श कंधोला के रूप में हुई है। अधिकारी ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि शरणप्रीत विदेश में बैठे बीकेआई के आतंकियों निशान सिंह उर्फ निशान जौरियन, आदेशबीर सिंह उर्फ आदेश जमराई और सिमरनजीत सिंह उर्फ सिम्मा देओल के आदेश पर काम कर रहा थे।

● ढाई किलो आरडीएक्स बरामद, गणतंत्र दिवस पर धमाके की थी योजना

वसंत पंचमी पर धार के विवादित परिसर में अखंड पूजा, नमाज भी अदा की गई

धार के विवादित परिसर में वसंत पंचमी पर मां सरस्वती की पूजा करने में भारी संख्या में लोग पहुंचे।

धार, एजेंसी

वसंत पंचमी पर शुक्रवार को धार के भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद परिसर में हिंदू समुदाय के हजारों लोगों ने वाग्देवी (देवी सरस्वती) की पूजा-अर्चना की। विवादित परिसर के एक अलग स्थान पर मुस्लिम समाज के लोगों ने नमाज भी अदा की। हिंदू त्योहार और जुमे की नमाज एक ही दिन पड़ने के कारण इस ऐतिहासिक शहर में किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए करीब 8,000 की तादाद में पुलिस और अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई थी।

सूर्योदय के साथ ही विवादित परिसर में हिंदू श्रद्धालुओं के जुटने का सिलसिला शुरू हो गया था। स्थानीय संगठन ''भोज उत्सव समिति'' के सदस्यों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच वाग्देवी (सरस्वती) का चित्र स्थापित करके पूजा शुरू की। इस दौरान हवन कुंड में आहुति डाल कर सूर्योदय से सूर्यास्त तक अखंड पूजा की शुरुआत की गई। पूजा स्थल को फूलों की मालाओं और भगवा झंडों से सजाया गया था। विवादित परिसर के चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा कर्मी तैनात थे। दिन चढ़ने के साथ ही विवादित परिसर में हिंदू पक्ष के श्रद्धालुओं की तादाद बढ़नी शुरू हो गई और दोपहर 12 बजे हजारों श्रद्धालु भगवा झंडे थामे शोभायात्रा के रूप में विवादित परिसर पहुंचे। इनमें बड़ी तादाद में महिलाएं भी शामिल थीं।

● अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए तैनात रहे पुलिस व अर्धसैनिक बलों के 8000 जवान

इस बीच, धार के जिलाधिकारी कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया, उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में मुस्लिम समाज की ओर से नियत किए गए स्थान पर दोपहर एक बजे से तीन बजे के मध्य निर्विघ्न नमाज अदा की गई। हालांकि, इस बयान में नमाज में शामिल लोगों की संख्या और नमाज अदा करने के स्थान के बारे में कोई खुलासा नहीं किया गया। मुस्लिम समाज द्वारा दोपहर 1 से 3 बजे के बीच तय व्यवस्था के तहत नमाज अदा की गई। पुलिस ने विशेष वाहनों के जरिए नमाजियों को सुरक्षित रूप से परिसर तक पहुंचाया और नमाज के बाद वापस भेजा।

इस वर्ष वसंत पंचमी शुक्रवार को पड़ने के कारण दोनों समुदायों ने विवादित परिसर में पूजा-अर्चना और नमाज के लिए दावा किया था। स्थिति को देखते हुए कोर्ट ने बृहस्पतिवार को हस्तक्षेप किया और समय-विभाजन का स्पष्ट फॉर्मूला तय किया। भोजशाला को हिंदू समुदाय वाग्देवी (देवी सरस्वती) का मंदिर मानता है, जबकि मुस्लिम पक्ष 11वीं सदी के इस स्मारक को कमाल मौला मस्जिद बताता है। यह परिसर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा संरक्षित है।

साहित्य को समर्पित

राष्ट्रपति ने 11 भाषाओं में पुस्तकों व पांडुलिपि के लिए ग्रंथ कुटीर का किया उद्घाटन

शास्त्रीय भाषाओं ने भारतीय संस्कृति की नींव रखी : मुर्मू

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने औपनिवेशिक विरासत से छुटकारा पाने और भारत की 11 शास्त्रीय भाषाओं में लगभग 2,300 पुस्तकों और पांडुलिपियों के लिए एक समर्पित स्थान बनाने के राष्ट्रपति भवन के उपाय के तहत शुक्रवार को एक ग्रंथ कुटीर का उद्घाटन किया। राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि इस संग्रह में तमिल, संस्कृत, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम, ओड़िया, मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बांग्ला भाषाओं की रचनाएं शामिल हैं तथा यह भारत की समृद्ध सांस्कृतिक, दार्शनिक, साहित्यिक और बौद्धिक विरासत को प्रतिबिंबित करता है।

इसमें कहा गया कि ग्रंथ कुटीर में महाकाव्य, दर्शन, भाषा विज्ञान, इतिहास, शासन, विज्ञान और भक्ति साहित्य जैसे विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला वाली पांडुलिपियां और पुस्तकें हैं, साथ ही शास्त्रीय भाषाओं में भारत का संविधान भी है। इस संग्रह में ताड़ के पत्ते, कागज, छाल और कपड़े जैसी पारंपरिक सामग्रियों पर हस्तलिखित लगभग 50 पांडुलिपियां भी शामिल हैं। हाल तक यहां विलियम होगार्थ की मूल कृतियों की सूची, लॉर्ड कर्जन ऑफ केडलस्टन के भाषण, लॉर्ड कर्जन ऑफ केडलस्टन के प्रशासन का सारांश, लॉर्ड कर्जन का जीवन जैसी पुस्तकें रखी जाती थीं। अब इन्हें राष्ट्रपति भवन परिसर के भीतर एक अलग स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया है और इन पुस्तकों को डिजिटाइज कर दिया गया है तथा इन तक शोधकर्ताओं और विद्वानों को ऑनलाइन पहुंच उपलब्ध कराई जाएगी। बयान में कहा गया, ग्रंथ कुटीर का उद्देश्य भारत की सांस्कृतिक और साहित्यिक विरासत के बारे में जागरूकता बढ़ाना और औपनिवेशिक प्रभावों से मुक्ति पाने के राष्ट्रीय संकल्प के साथ तालमेल बिठाना है।

यह पहल ज्ञान भारतम मिशन का भी समर्थन करती है, जिसका उद्देश्य परंपरा और प्रौद्योगिकी को एकीकृत करके भारत की विशाल हस्तलिखित विरासत को संरक्षित करना, डिजिटाइज करना और प्रसारित करना है। केंद्र सरकार ने 2024 में मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बांग्ला को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया था।

भारतीय साहित्य ने किया दुनिया का मार्गदर्शन

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि शास्त्रीय भाषाओं ने भारतीय संस्कृति की नींव रखी है और विज्ञान, योग, आयुर्वेद तथा साहित्य के ज्ञान के माध्यम से सदियों से दुनिया का मार्गदर्शन किया है। कहा कि तिरुक्कुरल और अर्थशास्त्र जैसे ग्रंथ आज भी प्रासंगिक बने हुए हैं, जबकि पाणिनी का व्याकरण, आर्यभट्ट का गणित और चरक तथा सुश्रुत का चिकित्सा विज्ञान जैसे योगदान दुनिया को प्रेरित करते रहते हैं। इन भाषाओं के संरक्षण और संवर्धन की आवश्यकता पर जोर देते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि शास्त्रीय भाषाओं में संचित ज्ञान का भंडार हमें अपने समृद्ध अतीत से सीखने और उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने के लिए प्रेरित करता है।

थिरुप्परनकुंद्रम मंदिर एएसआई को क्यों न दिया जाए: कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र, तमिलनाडु सरकार और अन्य से उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें एएसआई को थिरुप्परनकुंद्रम मंदिर का नियंत्रण लेने और 'दीपथून' (पत्थर का स्तंभ) के ऊपर रोजाना दीया जलाने के बारे में निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने हिंदू धर्म परिषद की याचिका पर केंद्र, राज्य सरकार, एएसआई को नोटिस जारी किए। मद्रास हाईकोर्ट ने छह जनवरी को दीया जलाने के एकल न्यायाधीश के आदेश को बरकरार रखा था। शीर्ष अदालत हिंदू धर्म परिषद की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें एएसआई को मदुरै में थिरुप्परनकुंद्रम स्थित भगवान मुरुगन सुब्रमण्यम मंदिर का नियंत्रण लेने की मांग की गई थी।

अगर आप सच बोलते हैं, तो आपको कुछ भी याद रखने की जरूरत नहीं है।

–मार्क ट्वेन, अमेरिकी लेखक

क्रिकेट पर कलह

टी-20 विश्व कप जैसे वैश्विक आयोजन से ठीक पहले बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड द्वारा इसे खेलने से इनकार करना, एक व्यापक राजनीतिक संकेत देता है। अंतरिम सरकार के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल और बीसीबी अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम 'बुलबुल' का यह कहना कि टीम भारत नहीं जाएगी, तब और अधिक प्रश्न खड़े करता है, जब भारत एक स्थिर सरकार, सुदृढ़ सुरक्षा तंत्र और सफलतापूर्वक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों का रिकॉर्ड रखता है। ऐसे में असुरक्षा का तर्क वस्तुपरक से ज्यादा राजनीतिक है। क्रिकेट प्रेमियों के लिए यह निराशापूर्ण है। भारत-बांग्लादेश या पाकिस्तान-बांग्लादेश जैसे मुकाबलों में जो क्रिकेटीय रोमांच और भावनात्मक तीव्रता होती है, उसे स्कॉटलैंड जैसी टीम से भर पाना मुश्किल है। प्रतिस्पर्धात्मक आकर्षण और दर्शकीय ऊर्जा की दृष्टि से यह एक 'खानापूरी' जैसा ही प्रतीत होता है।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अधिकांश बोर्ड सरकारी प्रभाव से पूरी तरह मुक्त नहीं होते, खिलाड़ियों की खेलने की इच्छा के बावजूद बहुधा सरकारी अनुमति बाधक बनती है, जो खेल की स्वायत्तता पर गंभीर प्रश्न है। आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स द्वारा मुस्तफ़ीज़ुर रहमान को रिलीज़ करने का बीसीसीआई का निर्देश विवादित हो सकता है, पर एक फ्रेंचाइज़ी-आधारित, निजी व्यावसायिक लीग में ऐसे निर्देश को समूचे बांग्लादेशी क्रिकेटरों या राष्ट्र के अपमान के रूप में प्रस्तुत करना अतिशयोक्ति है। एक खिलाड़ी के अनुबंधीय मसले को राष्ट्रीय अस्मिता का प्रश्न बना देना संतुलित प्रतिक्रिया नहीं कही जा सकती। बांग्लादेश द्वारा आईपीएल के प्रसारण पर रोक लगाना और विश्व कप का बहिष्कार करना दोनों कदम अंततः अपने ही दर्शकों के हितों के विरुद्ध जाते हैं। लगभग दो करोड़ क्रिकेट-प्रेमियों को एक बड़े टी20 आयोजन से वंचित करना किस हद तक न्यायसंगत है? टेस्ट और एकदिवसीय क्रिकेट की घटती लोकप्रियता के बीच टी20 ही वह प्रारूप है, जो युवाओं को जोड़ता है, इसलिए यह कदम खेल-भावना को ठेस पहुंचाने जैसा है। आर्थिक दृष्टि से भी यह निर्णय उसे भारी पड़ सकता है। अनुमानतः 27 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 240 करोड़ रुपये) का प्रत्यक्ष नुकसान, साथ ही ब्रॉडकास्ट और स्पॉन्सरशिप राजस्व में गिरावट— ये सब बीसीबी की वित्तीय सेहत पर असर डालेंगे। खिलाड़ी भी मैच फीस और प्रदर्शन-आधारित बोनस से वंचित रहेंगे। दीर्घकाल में यह प्रतिभा विकास और घरेलू ढांचे पर भी असर डाल सकता है। आईसीसी यदि इस कदम को राजनीति प्रेरित मान कर अनुशासनात्मक कार्रवाई करता है, तो सदस्यता निलंबन जैसी कठोर कार्रवाई से अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में बांग्लादेश की भागीदारी ठप पड़ सकती है और द्विपक्षीय श्रृंखलाएं अनिश्चितकाल के लिए टल सकती हैं। इससे नुकसान केवल भारत या आईसीसी का नहीं, स्वयं बांग्लादेश का अधिक होगा। भारत और बीसीसीआई को भी प्रसारण व दर्शकीय राजस्व में कमी का सामना करना पड़ सकता है।

सबसे बड़ा सवाल यह कि क्या क्रिकेट को कूटनीति का औजार बनाया जाना चाहिए? इतिहास साक्षी है कि खेल संवाद के पुल बनाते हैं, दीवारें नहीं। बांग्लादेश सरकार और बीसीबी के पास अभी भी संवाद, मध्यस्थता और संतुलित समाधान का मार्ग खुला है।

प्रसंगवश

बेटियों की शिक्षा: विकास के दावों के बीच टूटता भविष्य

हर वर्ष 24 जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। यह दिन देश की बेटियों के सम्मान, अधिकार और सशक्तिकरण की याद दिलाता है। यह दिवस जितना उत्सव का प्रतीक है, उतना ही आत्ममंथन का अवसर भी देता है। आज जब भारत विश्व मंच पर विकास, डिजिटल प्रगति और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था की बात करता है, तब भी देश की लाखों बालिकाएं ऐसी हैं, जो शिक्षा की दहलीज़ तक पहुंचकर बीच रास्ते लौट आती हैं। यही कारण है कि आज भी हमारे सामाजिक और शैक्षिक विकास के दावों को कठोर प्रश्नों के घेरे में खड़ा करती है।

पिछले कुछ दशकों में बालिका शिक्षा के क्षेत्र में निश्चित रूप से सुधार हुआ है। शिक्षा मंत्रालय की यू-डाइस प्लस 2021–22 रिपोर्ट बताती है कि प्राथमिक स्तर पर बालिकाओं का नामांकन लगभग लड़कों के बराबर पहुंच चुका है। यह उपलब्धि दर्शाती है कि समाज और सरकार दोनों स्तरों पर प्रयास किए गए हैं, लेकिन जैसे-जैसे शिक्षा का स्तर ऊंचा होता है, यह समानता धीरे-धीरे टूटने लगती है। माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर पर पहुंचते-पहुंचते बड़ी संख्या में बालिकाएं शिक्षा व्यवस्था से बाहर हो जाती हैं। यही वह मोड़ है, जहां सपनों से भरी आंखें अधूरे भविष्य के साथ पीछे रह जाती हैं।

संध्या राजपुरोहित

शिक्षिका

यूनेस्को की ग्लोबल एजुकेशन मॉनिटरिंग रिपोर्ट भी इस सच्चाई की पुष्टि करती है कि भारत उन देशों में शामिल है, जहां माध्यमिक शिक्षा पूरी न कर पाने वाली बालिकाओं की संख्या अब भी चिंताजनक है। रिपोर्ट यह बताती है कि गरीबी, सामाजिक भेदभाव और लैंगिक असमानता बालिकाओं की शिक्षा के बड़े अवरोध बने हुए हैं। शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं रह जाती, बल्कि सामाजिक संरचना का आईना बन जाती है।

यदि इस परिदृश्य को आदिवासी अंचलों के संदर्भ में देखा जाए तो स्थिति और भी गंभीर दिखाई देती है। जनगणना 2011 के अनुसार देश की लगभग 8.6 प्रतिशत आबादी अनुसूचित जनजातियों की है, लेकिन शिक्षा के क्षेत्र में उनकी भागीदारी, विशेषकर बालिकाओं की, इस अनुपात से बेहद कम है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण और शिक्षा मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि आदिवासी समुदायों में बालिकाओं का स्कूल छोड़ने का प्रतिशत सामान्य आबादी की तुलना में अधिक है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और राजस्थान जैसे राज्यों के आदिवासी बहुल जिलों में यह समस्या लगातार गहराती जा रही है।

आदिवासी बालिकाएं केवल आर्थिक अभाव से ही नहीं जूझतीं, बल्कि पलायन, भाषा की कठिनाइयों, स्कूलों की दूरी और सामाजिक परंपराओं का भी बोझ उनके कंधों पर होता है। आजीविका की तलाश में जब परिवार पलायन करता है, तो सबसे पहले शिक्षा की डोर बेटी के हाथ से छूटती है। अस्थायी बस्तियों में न स्कूल होता है, न शिक्षकीय सहयोग और न ही पढ़ाई के लिए अनुकूल वातावरण। परिणामस्वरूप बालिकाएं घरेलू श्रम, मजदूरी और देखभाल की जिम्मेदारियों में उलझ जाती हैं। बालिकाओं के स्कूल-कॉलेज छोड़ने के पीछे सामाजिक कारणों की श्रृंखला और भी लंबी है। ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में स्कूल-कॉलेज की दूरी और सुरक्षित परिवहन की कमी अभिभावकों की चिंता बढ़ाती है। कई स्कूलों में शौचालय, स्वच्छता और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव बालिकाओं की उपस्थिति को प्रभावित करता है। किशोरावस्था में पहुंचते ही मासिक धर्म से जुड़ी सामाजिक चुप्पी और भ्रांतियां अनेक बालिकाओं को स्कूल से दूर कर देती हैं।

अमेरिका का 150 बरस पुराना ख्वाब है ग्रीनलैंड

राजेश जैन

वरिष्ठ पत्रकार

ग्रीनलैंड दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप है। क्षेत्रफल लगभग 21.7 लाख वर्ग किलोमीटर, लेकिन आबादी सिर्फ 60 हजार के आसपास। यहां का 80 प्रतिशत हिस्सा बर्फ से ढका रहता है। न घने जंगल, न हाईवे, न चमकते शहर। कई महीनों तक सूरज डूबता नहीं और कई महीनों तक रात खत्म नहीं होती। देखने में शांत, ठंडा और वीरान लगने वाला यह द्वीप आज वैश्विक राजनीति के सबसे गर्म मोर्चों में बदल चुका है। वजह है- अमेरिका की पुरानी, लेकिन अब खुली और आक्रामक चाहत। डोनाल्ड ट्रंप का संदेश बिल्कुल साफ है- ग्रीनलैंड चाहिए, हर हाल में चाहिए, लेकिन सवाल यह है कि अमेरिका को इस बर्फीले, कम आबादी वाले द्वीप की इतनी ज़रूरत क्यों है और क्या अमरीका इसे हासिल कर पाएगा।\

ग्रीनलैंड पर अमेरिका की नजर नई नहीं है। 1867, 1910, 1946; तीन बार अमेरिका ने डेनमार्क को ऑफर दिया। 1946 में तो 100 मिलियन डॉलर का सोना तक देने को तैयार था। हर बार जवाब मिला– न, लेकिन ट्रंप ने डिप्लोमेसी से आगे बढ़कर सीधी ज़िद पकड़ ली- अगर खरीदा नहीं जा सकता, तो दबाव डालो।

बता दें कि ग्रीनलैंड डेनमार्क का स्वायत्त क्षेत्र है। डेनमार्क का साफ संदेश है- ग्रीनलैंड बिकाऊ नहीं है। ग्रीनलैंड की अपनी सरकार, अपनी संसद और अपनी पहचान है। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे डरिक्सन ने अमेरिकी प्रस्ताव को बेतुका बताया। ग्रीनलैंड के नेताओं ने कहा- यह जमीन नहीं, हमारी आत्मा है। यूरोप के देशों ने भी डेनमार्क का समर्थन किया। ग्रीनलैंड बिकेगा, इसकी संभावना लगभग शून्य है, क्योंकि आज दुनिया सिर्फ ताकत से नहीं, कानून, संप्रभुता और जनमत से चलती है, लेकिन दबाव जारी रहेगा- कभी आर्थिक, कभी कूटनीतिक, कभी रणनीतिक।

ग्रीनलैंड पर अमेरिका की नजर नई नहीं है। 1867, 1910, 1946 तीन बार अमेरिका ने डेनमार्क को ऑफर दिया। 1946 में तो 100 मिलियन डॉलर का सोना तक देने को तैयार था। हर बार जवाब मिला–न।

ग्रीनलैंड दुनिया के नक्शे पर ऐसी जगह स्थित है, जो यूरोप, उत्तरी अमेरिका और एशिया के बीच सेतु जैसा काम करता है। उत्तर में आर्कटिक महासागर, पास ही रूस, नीचे यूरोप और पश्चिम में अमेरिका। मतलब साफ है- जो ग्रीनलैंड को कंट्रोल करता है, वह आर्कटिक का चौकीदार बन जाता है। आज युद्ध सिर्फ जमीन पर नहीं लड़े जाते। आसमान, समुद्र, अंतरिक्ष और साइबर स्पेस- हर मोर्चे पर मुकाबला है। ऐसे में ग्रीनलैंड जैसी लोकेशन सोने से भी ज्यादा कीमती हो जाती है।

ग्रीनलैंड में अमेरिका पहले से मौजूद है। यहां स्थित थुले एयर बेस (अब पिटुफिक स्पेस बेस) अमेरिकी मिसाइल डिफेंस सिस्टम का अहम हिस्सा है। यहीं से अमेरिका रूस की बैलिस्टिक मिसाइल गतिविधियों पर नजर रखता है, सैटेलाइट ट्रैक करता है, आर्कटिक क्षेत्र की निगरानी करता है। अगर अमेरिका को पूरा ग्रीनलैंड मिल जाता है, तो वह आर्कटिक का फुल कंट्रोल सेंटर बन सकता है। रूस लगातार आर्कटिक में नए सैन्य ठिकाने, नई पनडुब्बियां, नए एयरबेस और नई मिसाइलें तैनात कर रहा है। ऐसे में अमेरिका के लिए ग्रीनलैंड रूस पर नजर रखने का वॉच टावर है।

आज की दुनिया मोबाइल, चिप्स, इलेक्ट्रिक कार, मिसाइल सिस्टम और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर चल रही है। इन सबकी जान हैं- रेयर अर्थ एलिमेंट्स। बिना इनके आधुनिक तकनीक ठप हो जाती है, लेकिन इन पर अभी चीन का दबदबा है। करीब 60–70 प्रतिशत सप्लाई चीन से आती है। अमेरिका इस निर्भरता से बाहर निकलना चाहता है और यहीं ग्रीनलैंड अहम हो जाता है। इस द्वीप की धरती के नीचे रेयर अर्थ मिनरल्स का बड़ा खजाना छिपा है। अगर अमेरिका को ग्रीनलैंड मिल जाता है, तो टेक्नोलॉजी की जंग में चीन को सीधी चुनौती मिल सकती है।

दुनिया की ऊर्जा भूख खत्म नहीं हुई है। तेल और गैस अब भी वैश्विक राजनीति का ईंधन हैं। ग्रीनलैंड के आसपास समुद्र की गहराइयों में तेल और प्राकृतिक गैस के बड़े भंडार होने की संभावना है। अभी बर्फ और मौसम खुदाई में रुकावट हैं, लेकिन जैसे-जैसे आर्कटिक पिघल रहा है, ये संसाधन सुलभ होते जा रहे हैं। अमेरिका इसे भविष्य का ऊर्जा बैंक मानकर चल रहा है।

ग्लोबल वॉर्मिंग सिर्फ पर्यावरण संकट नहीं, यह भू-राजनीतिक बदलाव भी है। आर्कटिक की बर्फ पिघलने से एशिया से यूरोप जाने के नए समुद्री रास्ते खुल रहे हैं। सफर हजारों किलोमीटर छोटा हो सकता है। इस रूट को कहा जा रहा है- आर्कटिक सिल्क रोड ग्रीनलैंड इस रास्ते का प्राकृतिक गेटवे है। जो इस रूट को कंट्रोल करेगा, वह वैश्विक व्यापार की दिशा तय करेगा। अमेरिका यह मौका हाथ से जाने नहीं देना चाहता।

रूस आर्कटिक में सैन्य ताकत बढ़ा रहा है। चीन निवेश के जरिए पैर जमा रहा है। चीन खुद को नियर-आर्कटिक स्टेट कहता है, भले ही उसका आर्कटिक से सीधा भौगोलिक रिश्ता न हो। ग्रीनलैंड में चीन ने एयरपोर्ट, माइनिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश की कोशिश की। अमेरिका को डर है कि अगर उसने ग्रीनलैंड पर पकड़ नहीं बनाई, तो उसका उत्तरी दरवाजा दुश्मनों के लिए खुल जाएगा, इसलिए ग्रीनलैंड सिर्फ जमीन नहीं, रणनीतिक दीवार है।

अमेरिका, चीन और रूस; तीनों की नजरें इस बर्फीली धरती पर टिकी हैं। ग्रीनलैंड असल में भविष्य की वैश्विक राजनीति का रणक्षेत्र है। अंत में यह समझना ज़रूरी है कि ग्रीनलैंड की लड़ाई आज की नहीं, ढेढ़ सौ साल से ज्यादा पुरानी है। जलवायु परिवर्तन, तकनीकी प्रतिस्पर्धा और नई वैश्विक शक्ति-संरचना ने इस द्वीप को रणनीतिक केंद्र में ला खड़ा किया है। यहां जो आज निवेश, सैन्य मौजूदगी और राजनीतिक प्रभाव बनाएगा, वही भविष्य के नियम लिखेगा। ग्रीनलैंड फिलहाल भले ही बर्फ से ढका हो, लेकिन इसके नीचे छिपी संभावनाएं दुनिया की राजनीति को पिघला रही हैं, इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि ग्रीनलैंड सिर्फ एक द्वीप नहीं, बल्कि 21वीं सदी की महाशक्ति बनने की चाबी है।

आमने सामने

वर्ष 2019 में आयोजित परीक्षाओं की ओएमआर शीट में बदलाव हुए थे और इस मामले की कड़ियां पूर्व मुख्यमंत्री के घर तक जाती हैं। इस पूरे मामले में तत्कालीन मुख्यमंत्री के निजी सुरक्षा अधिकारी की आखिर क्या भूमिका थी?

–भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री, राजस्थान

मुख्यमंत्री भजनलाल जी, मैंने तो अभी आपके ऊपर कोई आरोप नहीं लगाए हैं। मैं तो फीडबैक के आधार पर युवाओं के हित में आपसे आग्रह कर रहा हूं। मेरी मंशा केवल यह जानने की है कि भर्ती परीक्षाओं को लेकर युवाओं के मन में जो शंकाएं हैं, उनका समाधान सरकार कब और कैसे करेगी?

–अशोक गहलोत

पूर्व मुख्यमंत्री, राजस्थान

तमाम खूबियों के बावजूद क्यों पिछड़ा उत्तर प्रदेश

अरविंद जयतिलक

लेखक

आज उत्तर प्रदेश का स्थापना दिवस है। आजादी के ढाई वर्ष बाद 24 जनवरी, 1950 को उत्तर प्रदेश राज्य के गठन की अधिसूचना जारी हुई। भौगोलिक दृष्टि से उत्तर प्रदेश प्राचीनतम 'गोंडवाना लैंड' का एक हिस्सा है। कैम्ब्रियन युग में विन्ध्य क्रम की शैलों ने इसे धरातलीय स्वरुप दिया। भौगोलिक विविधताओं एवं सांस्कृतिक समृद्धियों से आच्छादित उत्तर प्रदेश 1836 से 1877 तक 'उत्तर-पश्चिम प्रांत' और 1877 से 1937 तक 'संयुक्त प्रांत आगरा एवं अवध' के नाम से जाना गया। 1937 में इसे एक नया नाम 'संयुक्त प्रांत' मिला। 1858 तक उत्तर प्रदेश की राजधानी आगरा, 1858 से 1921 तक इलाहाबाद और फिर 1921 में लखनऊ हो गई। गौर करें तो भरपूर मानव संसाधन, उर्वर भूमि और प्राकृतिक समृद्धि-संपन्नता से लैस होने के बावजूद भी उत्तर प्रदेश आर्थिक मोर्चे पर वह अपेक्षित मुकाम हासिल नहीं कर पाया, जिसे देश के तमाम राज्यों ने हासिल किया।

देखा जाता है कि जिस राज्य में कानून-व्यवस्था मजबूत होती है और अवसंरचना का तेजी से विस्तार होता है, उस राज्य के विकास का पहिया तेजी घूमता है। उससे निवेश और प्रतिव्यक्ति आय में वृद्धि होती है और राज्य समृद्धि की ओर छलांग लगाता है। गौर करें तो विकास का पहिया चार तरह के इंजनों के बूते दौड़ता है। एक, निजी निवेश यानी नई परियोजनाओं में निजी क्षेत्र का निवेश। दूसरा, सार्वजनिक खर्च यानी बुनियादी ढांचे वाली विकास परियोजनाओं में सरकार का निवेश। तीसरा, आंतरिक खपत यानी वस्तुओं व सेवाओं की खपत और चौथा वाह्य खपत यानी वस्तुओं का निर्यात। उत्तर प्रदेश में इन चारों इंजनों को गतिशील देखा जा रहा है। यह संभव इसलिए हुआ है कि राज्य में कानून का शासन स्थापित हुआ है और अपराधियों के हौसले पस्त हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने अवसंरचनाओं को मजबूती देने के लिए बिजनेस रिफार्म एक्शन प्लान पर अमल किया है, जिससे निवेशकों को आकर्षित करने में मदद मिल रही है। सरकार ने अपनी नीतियों के बरक्स निवेश मित्र पोर्टल बनाकर उस पर 227 सेवाएं शामिल कर उद्यमियों को निवेश के लिए आकर्षित किया है।

भरपूर मानव संसाधन, उर्वर भूमि व प्राकृतिक समृद्धि–संपन्नता होने के बावजूद उत्तर प्रदेश आर्थिक मोर्चे पर अपेक्षित मुकाम हासिल नहीं कर पाया। आज यूपी का स्थापना दिवस है।

सरकार की 'एक जिला एक उत्पाद' की नीति से स्थानीय स्तर पर रोजगार को बढ़ावा मिला है और निर्यात में तेजी आई है। एक जिला एक उत्पाद मिशन से हर वर्ष हजारों करोड़ रुपये के उत्पादों का निर्यात हो रहा है। इससे लोगों की आमदनी बढ़ रही है। उत्तर प्रदेश की सरकार ने 2018 में प्रदेश की राजधानी लखनऊ में इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन प्रारंभ किया और वह क्रम लगातार जारी है। इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहे हैं। पिछले साल के वैश्विक निवेशक सम्मेलन के दौरान प्राप्त 40 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव राज्य में दुनिया भर के निवेशकों की बढ़ती रुचि का प्रमाण है।

सरकार उत्तर प्रदेश को महाराष्ट्र और गुजरात की तर्ज पर विकसित करने के लिए पांच ग्राउंड बैंकिंग सेरेमनी का आयोजन कर चुकी है। तकरीबन चार लाख से अधिक लोगों को नए उद्योगों से रोजगार मिला है। एक आंकड़े के मुताबिक उत्तर प्रदेश में अब तक 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश हो चुका है। पांच लाख करोड़ से अधिक की 8300 से अधिक परियोजनाएं वाणिज्यिक परिचालन में हैं। दस लाख करोड़ रुपये की 8100 से अधिक परियोजनाएं जारी हैं। देखें तो उत्तर प्रदेश सरकार ने निवेश बढ़ाने और 'ईज ऑफ डूइंग' बिजनेस को सुधारने में उल्लेखनीय प्रगति की है। आज उत्तर प्रदेश 'ईज ऑफ डूइंग' बिजनेस मामले में महाराष्ट्र के बाद देश में दूसरे स्थान पर है।

सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने कारोबारियों को प्रोत्साहित किया है। राज्य में तकरीबन 90 लाख से अधिक इकाइयां हैं, जो तकरीबन डेढ़ करोड़ लोगों को रोजगार देती हैं। यह भारत के कुल एमएसएमई की संख्या 6.33 करोड़ में लगभग 14 प्रतिशत का योगदान देता है। अर्थव्यवस्था के मामले में 2017 में पांचवे नंबर पर रहने वाला उत्तर प्रदेश आज तमिलनाडु, कर्नाटक और गुजरात को पीछे छोड़ देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का तमगा हासिल कर चुका है।

आंकड़ों पर गौर करें तो उत्तर प्रदेश का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 2016-2017 के दरमियान 12.75 लाख करोड़ रुपये था, जो आज 2024-25 में बढ़कर 25 लाख करोड़ रुपये हो चुका है। यह 2025-26 में 30.8 लाख करोड़ होने का अनुमान है। यानी देखें तो 2017 के बाद इसमें 80 फीसदी से अधिक का ग्रोथ होना तय है। इसी तरह 2012 से 2017 के दरमियान प्रतिव्यक्ति आय 48,520 रुपये थी जो आज बढ़कर एक लाख आठ हजार पांच सौ बहत्तर रुपये हो चुकी है। इसी तरह 2012-2017 के बीच सिर्फ 302 किमी एक्सप्रेस वे का निर्माण हुआ था, जबकि 2017-2025 के दरमियान तकरीबन दो हजार किमी से अधिक एक्सप्रेस वे निर्माणाधीन है।

सोशल फोरम

दुनिया की सबसे लंबी सड़क

विभूति भूषण शर्मा

ब्लॉगर

अगर आपको एक यादगार और रोमांचक रोड ट्रिप का सपना है, तो पैन अमेरिकन हाईवे आपकी लिस्ट में जरूर होना चाहिए। यह सड़क अलास्का के ठंडे इलाकों से शुरू होकर अर्जेंटीना के दक्षिणी सिरे तक जाती है। इसकी कुल लंबाई करीब 30,500 किलोमीटर है और यह 14 देशों से होकर गुजरती है।

इस लंबे सफर में हर तरह के नजारे देखने को मिलते हैं। अलास्का की बर्फीली वादियां, कोस्टा रिका के हरे भरे वर्षावन, ऊंचे पहाड़, सूखे रेगिस्तान, समुद्र के किनारे और घने जंगल। यह सड़क प्रकृति की लगभग हर खूबसूरती को एक ही यात्रा में दिखा देती है। डेरियन गैप इस हाईवे का एकमात्र हिस्सा है, जहां सड़क पूरी नहीं है। यहां पनामा और कोलंबिया के बीच लगभग 160 किलोमीटर का घना जंगल है, जिसकी वजह से रास्ता टूट जाता है और यात्रियों को अलग रास्ता अपनाना पड़ता है। यही हिस्सा इस रोड ट्रिप को और भी ज्यादा रोमांचक बना देता है।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

स्वच्छ हवा का संकट और घटते वित्तीय संसाधन

'क्लीन एयर फंड' की ताज़ा वैश्विक रिपोर्ट ने एक बार फिर इस कड़वी सच्चाई को सामने रखा है कि दुनिया के तमाम देश और विकास एंजेसियां स्वच्छ हवा के लिए बड़े-बड़े वादे तो जरूर करती हैं, लेकिन उनका धन उन्हीं परियोजनाओं में जा रहा है, जो हवा को और ज़हरीला बना रही हैं। यह स्थिति केवल नीतिगत विफलता नहीं है, बल्कि एक ऐसे वैश्विक अन्याय का उदाहरण है, जिसका सबसे भारी बोझ भारत जैसे विकासशील देशों को उठाना पड़ रहा है। यह चिंताजनक स्थिति है और इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है।

'क्लीन एयर फंड' की रिपोर्ट के मुताबिक 2023–24 के दौरान कई देशों की सरकारों और अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं ने जीवाश्म ईंधन को लंबे समय तक बनाए रखने वाली परियोजनाओं में वित्तीय राशि 80 फीसद बढ़ाकर 9.5 अरब डॉलर कर दी। इसके उलट, स्वच्छ हवा और वायु गुणवत्ता सुधार के लिए दी जाने वाली सहायता घटकर 3.7 अरब डॉलर रह गई, जो कुल वैश्विक विकास सहायता का महज एक फीसद ही है। यह आंकड़ा बताता है कि विकास वित्त और मानव स्वास्थ्य के बीच की खाई कितनी गहरी होती जा रही है।

कुमार सिद्धार्थ

वरिष्ठ पत्रकार

हर वर्ष होने वाले अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन चाहे वे जलवायु पर हों या स्वास्थ्य पर, ये स्वच्छ हवा को मानव अधिकार के रूप में स्वीकार करते हैं, मगर जब बजट आवंटन की बात आती है, तो वही सरकारें और संस्थाएं पीछे हट जाती हैं। ऐसा लगता है कि वैश्विक निर्णय लेने वाली संस्थाएं प्रदूषण से होने वाली मौतों और बीमारियों की वास्तविक कीमत को समझने के बजाय आर्थिक और कारोबारी हितों को ज़्यादा महत्व दे रही हैं। इससे कई देशों के समाने जोखिम लगातार बढ़ रहा है।

स्थिति तब और गंभीर हो जाती है, जब दुनिया की सबसे बड़ी विकास एजेंसी यूएसएड के बंद होने और विश्व बैंक पर जीवाश्म ईंधन ऋण बढ़ाने के दबाव जैसी चर्चा सामने आती हैं। इन फैसलों ने स्वच्छ हवा के लिए चल रहे वैश्विक प्रयासों की रीढ़ कमजोर कर दी है। क्लीन एयर फंड की मुख्य कार्यकारी जेन बर्स्टन की चेतावनी इस संदर्भ में बेहद अहम है। अगर दिशा नहीं बदली गई, तो आने वाले वर्षों में करोड़ों और लोग जहरीली हवा के कारण जान गंवाएंगे।

गौरतलब है कि आज वायु प्रदूषण दुनिया भर में हर साल लगभग 57 लाख लोगों की जान ले रहा है। यह संख्या 2040 तक 62 लाख तक पहुंच सकती है। यह कोई संभावित खतरा नहीं, बल्कि एक चलती-फिरती महामारी है, जो चुपचाप समाज के सबसे कमजोर तबकों को निगल रही है। यह संकट सिर्फ़ स्वास्थ्य से जुड़ा नहीं है; यह बताता है कि वैश्विक राजनीति में किसकी ज़िंदगी की कीमत क्या है। लिहाजा, अब इसे समझने और सचेत होने की जरूरत है।

रिपोर्ट बताती है कि स्वच्छ हवा के लिए उपलब्ध सीमित वित्तीकय अनुदान का वितरण बेहद असमान है। वर्ष 2023 में फिलीपींस, बांग्लादेश और चीन को वायु गुणवत्ता सुधार के लिए 65 फीसद बाहर से सहायता राशि मिली, जबकि उप-सहारा अफ्रीका के लिए सहायतासहायता राशि 91 फीसद घटकर केवल 1.18 करोड़ डॉलर रह गई। यानी जिन इलाक़ों में स्वास्थ्य ढांचा सबसे कमजोर है, वहीं मदद सबसे कम पहुंच रही है। भारत इस वैश्विक असमानता का सबसे बड़ा उदाहरण है। दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में भारत के शहर लगातार ऊपर बने हुए हैं। दिल्ली, पटना, लखनऊ, कानपुर, धनबाद, गाजियाबाद ये नाम अब केवल शहर नहीं, बल्कि वैश्विक प्रदूषण चेतावनी बन चुके हैं। सर्दियों के महीनों में उत्तर भारत का बड़ा हिस्सा गैस चैंबर में बदल जाता है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता* 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

मशहूर कमेंटेटर जसदेव सिंह बताते थे कि गणतंत्र दिवस परेड के दौरान राजपथ (अब कर्तव्यपथ) पर दर्शक झांकियों का हर्षध्वनि से स्वागत करते हैं। ये सिलसिला अब भी जारी है। जसदेव सिंह ने करीब आधी सदी तक रेडियो और टीवी पर गणतंत्र दिवस परेड का आंखों देखा हाल सुनाया था। गणतंत्र दिवस की सुबह जब कर्तव्य पथ पर सूरज निकलता है, तो मार्च करते जवान, मिलिट्री बैंड, डांस या कोई करतब दिखाते स्कूली बच्चे और हवाई जहाजों के फ्लाईपास्ट के बीच झांकिया लाखों-करोड़ों लोगों का अपनी तरफ ध्यान खींचती हैं। ये चलती-फिरती कलाकृतियां रंग, आवाज और प्रतीकों से भरी होती हैं। ये भारत की एकता में विविधता की कहानी बयान करती हैं।

विवेक शुक्ला
पूर्व सूचना अधिकारी
यूएई एंबेसी

1952 में शामिल की गईं झांकियां

गणतंत्र दिवस की परेड 1950 में शुरू हुई, लेकिन झांकियां औपचारिक रूप से 1952 में शामिल की गईं। शुरुआती सालों में झांकियां छोटी-मोटी होती थीं। ये संस्कृत और प्राकृत शब्द 'झांकी' से आई हैं, जिसका मतलब है नजारा या झलक। ये मंदिरों के रथ उत्सव और भक्ति काल की जुलूसों से प्रेरित हुआ करती थीं। कई झांकियों पर लोग जमे हुए पोज में खड़े होकर लोककथाएं, खेती या पौराणिक दृश्य दिखाते थे। गणतंत्र दिवस परेड में हर साल आमतौर पर 22 से 30 झांकियां होती हैं। ये राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों, मंत्रालयों और प्रमुख सरकारी संस्थाओं की होती हैं। इनमें संगीत, लोक नृत्य, स्थानीय कपड़े और थीम वाली कहानियां दिखाकर भारत की संस्कृति, इतिहास और विकास के काम दिखाए जाते हैं। पहले झांकियां एकता सिखाती थीं, अब हाई-टेक वाली प्रगति की तस्वीर पेश करती हैं। ये झांकियां सिर्फ परेड का हिस्सा नहीं, बदलते भारत का आईना हैं। हम गरीब से अमीर, पिछड़े से आगे, साधारण से तकनीकी देश बने, लेकिन विविधता बरकरार हर राज्य अपनी कहानी लाता है।

बदलते भारत की कहानी

गणतंत्र दिवस की झांकियों का सफर

झांकियों में संस्कृति के साथ सामाजिक मुद्दों का भी समावेश

अब जब हम झांकियां देखते हैं, तो याद आता है, 1950 का साधारण भारत आज दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था है, स्पेस पावर, डेमोक्रेसी की मिसाल। झांकियां हमें बताती हैं कि विकास सिर्फ अर्थशास्त्र नहीं, संस्कृति, पर्यावरण, सामाजिक न्याय सबको साथ लेकर चलना है। आप कह सकते हैं कि झांकियों में 1970-80 के दशक में बदलाव आने लगा। अब झांकियां सिर्फ संस्कृति नहीं, सामाजिक मुद्दों पर फोकस करने लगीं। केरल ने 1976 में साक्षरता अभियान दिखाया। तमिलनाडु ने भरतनाट्यम नृत्य पेश किया। झांकियां 1991 के बाद उद्योग और शहरों की तरफ मुड़ीं। तब देश में आर्थिक उदारीकरण की बयार बहने लगी थी। असली बदलाव 1990 और 2000 के शुरुआत में आया। झांकियां बड़ी और कुछ हटकर बनने लगीं। ये हाई-टेक भी हो गईं। डीआरडीओ (DRDO) की झांकी 2000 के बाद गणतंत्र दिवस परेड का नियमित हिस्सा बनने लगीं। ये भारत की रक्षा प्रौद्योगिकियों और आत्मनिर्भरता को दर्शाती है, जिसमें नवीनतम मिसाइलें, रडार सिस्टम, ड्रोन रोधी प्रणालियां, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियां और स्वदेशी हथियार प्रदर्शित किए जाने लगे। इनका थीम अक्सर 'रक्षा कवच' होता है। कृषि मंत्रालय (या संबंधित कृषि निकाय जैसे ICAR) की झांकी गणतंत्र दिवस परेड का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रही है, जो अक्सर जैविक खेती, मोटे अनाज (मिलेट्स), पशुधन या कृषि नवाचारों जैसे विषयों पर केंद्रित होती है। इसकी 2023 में 'मिलेट ईयर' पर आधारित झांकी थीं।

सभी राज्यों में खास है दिल्ली की झांकी

इस बीच, सरकार ने 2024 में नया रोटेशन सिस्टम शुरू हुआ, ताकि हर राज्य/केंद्र शासित प्रदेश को हर तीन साल में कम से कम एक बार मौका मिले। पिछले साल 2025 की थीम थी 'स्वर्णिम भारतः विरासत और विकास'। बीते साल 16 राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की झांकियां निकलीं। उत्तर प्रदेश का महाकुंभ मेला को दर्शाती झांकी को बहुत पसंद किया गया था। चूंकि गणतंत्र दिवस का मुख्य आयोजन दिल्ली में होता है, इसलिए दिल्ली की झांकी को देखने के लिए जनता खासी उत्सुक रहती है। वैसे भी दिल्ली लघु भारत है। दिल्ली की झांकी 1952 की परेड का हिस्सा थी। दिल्ली के शुरुआती दौर की झांकियों में सामाजिक और केंद्र सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं पर ही फोकस रहता था। दिल्ली की 1965 की झांकी में देश के कृषि क्षेत्र में बढ़ते कदमों को दिखाया। तब तक देश में हरित क्रांति आ चुकी थी और उस महान क्रांति की नींव राजधानी के भारतीय कृषि अनुसंधान केंद्र (पूसा) और जोंती गांव में ही रखी गई थी। 1965 की झांकी में जोंती के किसान भी शामिल थे। दिल्ली की 1966 की झांकी में सबको शिक्षा देने का वादा था। 1978 में वयस्क शिक्षा और 1979 की झांकी में शराबबंदी पर फोकस था, लेकिन 1990 के दशक बाद दिल्ली को विधानसभा मिल गई। तब यहां की झांकियों का रंग यहां के समाज से मेल खाने लगा। इसका नमूना मिला 1993 में जब दिल्ली की झांकी में यहां की गंगा-जमुनी तहजीब को पेश किया गया। इससे मिलती-जुलती थीम पर 1999 में शाहजहांबाद की जान और शान चांदनी चौक के जीवन, समाज और संस्कृति पर झांकी निकली थी। इसे बहुत पसंद किया गया था। करगिल की जंग विषय था दिल्ली की झांकी का साल 2000 में। करगिल की जंग में कैप्टन अनुज नैयर और कैप्टन मोहम्मद हनीफउद्दीन समेत दिल्ली के कई शूरवीरों ने अपनी जान का नजराना दिया था। अमीर खुसरो के जीवन पर आधारित झांकियां साल 2000 और फिर 2004 में निकलीं। मिर्जा गालिब की शख्सियत पर 2001 में झांकी निकली थी। मेट्रो रेल 2003 तथा 2006 दिल्ली की झांकी के फोकस में रही। दिल्ली की 2019 की झांकी में महात्मा गांधी पर फोकस किया गया। इसमें महात्मा गांधी के दिल्ली में बिताए गए 720 दिनों को दर्शाया गया।

खैर, झांकियों का काम 26 जनवरी को खत्म नहीं होता। कई झाकियां बाद में सार्वजनिक जगहों पर लगाई जाती हैं या सांस्कृतिक आयोजनों, प्रदर्शनियों और स्कूलों में इस्तेमाल होती हैं। ये जैव-विविधता, विरासत संरक्षण, शहर के विकास और सामाजिक कामों के बारे में जागरूकता फैलाती रहती हैं।

सखी री बसंत आया

ठंड कमजोर पड़ते ही सूर्य की गर्माहट धरती को सींचने लगती है। इसी क्षण बसंत के आगमन की मधुर आहट सुनाई देने लगती है। बसंत केवल एक ऋतु नहीं, अपितु नवजीवन, उल्लास और नई शुरुआत का गहन संदेश है। पतझड़ के बाद पेड़-पौधों की नई पत्ती एवं फूलों के साथ प्रकृति का पुनः जागृति होना और खुले आसमान में पक्षियों के झुंड का विचरण ऋतुराज के आरंभ की अनुपम छटा हैं। साथ ही सरसों के पीले खेत लहलहाते हैं, आम के बौर खिल उठते हैं और कोयल की कूक गगन में गूंजती है और अनगिनत फूलों की महक हवा में घुल जाती है, जो वसुंधरा का श्रृंगार कर बसंत का स्वागत करती है।

मानव जीवन में बसंत ऋतु प्रेम, प्रतीक्षा और मानवता का संदेश लेकर आती है। प्रकृति का नवजीवन, सौंदर्य और उल्लास मानवीय भावनाओं में प्रेम, आशा और करुणा का संचार करता है। बसंत पंचमी ज्ञान एवं चेतना के साथ आध्यात्मिकता का प्रतीक हैं। मनोवैज्ञानिक दृष्टि से बसंत ऋतु में प्रकृति का यह परिवर्तन जैसे- हरियाली का फैलना, फूलों का खिलना और मौसम का सुहावना होना, जो मानव मस्तिष्क पर सीधा और सकारात्मक प्रभाव डालता है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, यह प्रभाव मुख्य रूप से सूर्य की रोशनी, हार्मोनल बदलाव और पर्यावरणीय उत्तेजनाओं से जुड़ा होता है। इस ऋतु में सूर्य की अधिक रोशनी से सेरोटोनिन हार्मोन का स्तर बढ़ता है, जो मूड को बेहतर बनाता है, विटामिन-डी का उत्पादन बढ़ता है, जो प्रतिरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत करता है। यह मौसम अवसाद से राहत देता है और ऊर्जा का स्तर बढ़ाता है। इसलिए बसंत ऋतु मस्तिष्क के लिए एक प्राकृतिक 'मूड बूस्टर' का काम करती है।

अंबिका अंबी
लेखिका

सांस्कृतिक दृष्टि से भारतीय परंपरा में बसंत ऋतु का विशेष स्थान है। यह ऋतु न केवल प्रकृति के पुनर्जागरण का प्रतीक है, बल्कि विभिन्न प्रमुख पावन त्योहारों का केंद्र भी है, जो जीवन, ज्ञान, भक्ति, प्रेम और उल्लास के संदेश लेकर आते हैं। बसंत में मुख्य रूप से बसंत पंचमी, महाशिवरात्रि और फाल्गुन की होली जैसे त्योहार मनाए जाते हैं। बसंत पंचमी ऋतुराज बसंत के आगमन की प्रमुख तिथि है। इस दिन विद्या की देवी माता सरस्वती की पूजा होती है, जो ज्ञान एवं रचनात्मकता की प्रतीक है।

महाशिवरात्रि फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को आती है। यह भगवान शिव की आराधना का प्रमुख पर्व है। बसंत की इस ऋतु में यह त्योहार शिव-पार्वती प्रेम और जगत के संतुलन का प्रतीक बन जाता है। फाल्गुन की होली वसंत का सबसे रंगीन और खुशनुमा उत्सव है, जो होलिका दहन से शुरू होकर रंगों की होली तक, यह पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत, प्रेम, मित्रता और सामाजिक एकता का संदेश देता है।

बसंत की बहार में रंगों का यह उत्सव प्रकृति के उल्लास को दर्शाता है। बसंत ऋतु के सभी त्योहार भारतीय संस्कृति में ज्ञान, भक्ति, मानवता और प्रेम उल्लास की ऊर्जा है, जो सांस्कृतिक रूप से नवीनीकरण, आशा और सामूहिक उत्सव का प्रतीक बनाए रखती है।

बसंत ऋतु मात्र मौसम का बदलाव नहीं, बल्कि जीवन का एक जीवंत आह्वान है। जैसे-जैसे ठंडी हवाएं गर्म होकर मधुर बनती हैं, वैसे ही हमारे मन की जड़ता भी पिघलने लगती है। यह ऋतु अपने अंदर की सुस्ती को त्यागकर, हर पल उत्साह से जीने की प्रेरणा देती है और साथ सिखाती है कि हर एक अंत के बाद नई शुरूआत प्रतीक्षारत होता है। इसलिए जीवन से कभी हार नहीं माननी चाहिए। बसंत ऋतु धर्म, प्रकृति, संस्कृति और शिक्षा चारों को एक सूत्र में पिरोता है और प्रेम, आध्यामिकता एवं मानवता का संदेश देता है। बसंत जीवन में एक नई शुरुआत का भी शुभ संदेश देता है।

ऋतुराज का आगमन

आप घर का दरवाजा , खिड़की, रोशनदान खोल लीजिए। बाहर ऋतुराज बसंत अपने पूरे वैभव के साथ उपस्थित है। निकलिए और उसका स्वागत कीजिए। उदासी के दस महीने कट गए। पुराने साल को पुराने कैलेंडर की तरह रद्दी में डालिए , मगर ये गौर भी कीजिएगा कि कोरोना महामारी के खौफ ने बहुत कुछ सिखाया भी। बसंत का साहस देखने लायक है, वह जिंदगी के तमाम दु:खों और संतापों को धकिया कर आपकी तरफ लपका आ रहा।

हमारे देश में ऋतुओं/मौसमों का कमाल देखने लायक है। सावन बरसता है, तो केवल खेत-खलिहान ही नहीं, सूखा मन भी भीगता है। पुरवाई चलती है, तो मन-मयूर थिरकने लगता है। ये माघ के कृष्णपक्ष की पंचमी तो असाधारण है। मन को मथने वाले देवता मंमथ, जिन्हें रूप का राजा कामदेव कहते हैं और रानी रति की षोड़शोपचार पूजा का दिन यही बसंतपंचमी है-बाकी तो आप समझदार हैं ही। वाणी की देवी सरस्वती की जयंती भी इसी दिन यानी प्रेम और मस्ती के दरम्यान विवेक व संयम का साथ किसी भी दशा में छोड़ना नुकसानदायक हो सकता है।

संतोष कुमार तिवारी
नैनीताल

बसंत गहरे अर्थ में प्रकृति और मानवजीवन के बीच एकीकरण का महापर्व है। मन को बेलगाम न होने दीजिए। उत्कंठा के वेग का मनोविज्ञान समझिए। बसंत है तो क्या हुआ। अभी तो पूरा फागुन पड़ा है। आम में बौर आ गए, अब मन के बौराने का समय भी सन्निकट है। बसंत-सेना फागुन की अगवानी करने को बेताब है। इन दोनों के मध्य महाशिवरात्रि है। भूतभावन शंकर की बारात सजेगी। मैं तो कहता हूं दूल्हा के वेश में शिवदर्शन अत्यंत मंगलकारी होगा। जब गरल पीते शिव इतने उदार,आशुतोष हैं। उन्हें भार्या रूप में पर्वत-पुत्री पार्वती मिलेंगी। वहीं पार्वती, जिन्होंने भगवान शिव को पतिरुप में पाने के लिए घोर तप किया और अपर्णा कहलाईं। शिव उन्हें ब्याहकर किसी महल या रनिवास में रखने के बजाय फिर सीधे हिमालय पहुंचते हैं।

बहरहाल चारो ओर मस्ती है। जेठ की गरम हवा के बदले फागुनी बयार कानों में मधु घोल रही। गृहस्थ तो अपनी नोन लकड़ी से जूझते हुए अनुरागी मौसम में थोड़ा- थोड़ा बहक रहा, लेकिन यहां तो साधु-संन्यासियों का मन भी मचल उठा। कुछ भी हो,बासंती मौसम को मन में उतरने की आजादी दीजिए। फिर देखिए उसका असर। जीवन मे संताप कम नहीं, मगर तमाम बखेड़े व चिंताओं के बने रहने की वजह भी हमी आप हैं। दिमाग को प्रकृति से विमुख करके लोग बेतहाशा भागे जा रहे, अरे! आगे खाई हैं साथियों।

सूरज कुमार सिंह
खंड शिक्षा अधिकारी
देवरिया

संघर्ष की पाठशाला से सेवा के पथ तक

जॉब का पहला दिन

आजमगढ़ की मिट्टी में पले-बढ़े सपने जब बागपत की धरती पर आकर जिम्मेदारी का रूप लेते हैं, तो यह सिर्फ स्थान परिवर्तन नहीं होता। यह वर्षों के संघर्ष, धैर्य और आत्मविश्वास की परिणति होती है। खंड शिक्षा अधिकारी के रूप में नौकरी का पहला दिन मेरे जीवन का ऐसा अध्याय था, जहां पीछे मुड़कर देखने पर मेहनत की लंबी पगडंडी दिखती थी और आगे सेवा की व्यापक राह।

बागपत स्थित कार्यालय में प्रवेश करते ही माहौल की गंभीरता महसूस हुई। फाइलों की आवाजाही, कर्मचारियों की व्यस्तता और दीवारों पर टंगी योजनाएं- सब कुछ मानो यह बताने के लिए पर्याप्त था कि यह पद केवल अधिकार का नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व का है। चारों ओर की निगाहें जिज्ञासु थीं। लोगों के मन में सवाल था, इतनी कम उम्र में खंड शिक्षा अधिकारी कैसे? उस क्षण समझ आया कि पद से पहले भरोसा अर्जित करना होता है और भरोसा केवल काम से बनता है।

नौकरी के पहले दिन मन में मिश्रित भावनाएं थीं। एक ओर नई जिम्मेदारियों का डर, तो दूसरी ओर कुछ नया सीखने और व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव लाने का उत्साह। यह उपलब्धि अचानक नहीं मिली थी। इसके पीछे प्रतियोगी परीक्षाओं की लंबी, कठिन और अनुशासनपूर्ण यात्रा रही है। तैयारी के दिनों में कई बार असफलताओं से सामना हुआ, कई बार खुद पर संदेह भी आया, लेकिन हर बार लक्ष्य ने फिर खड़ा किया। आज का तकनीकी युग प्रतियोगी परीक्षाओं को पहले से कहीं अधिक जटिल बना चुका है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, डिजिटल अध्ययन सामग्री की भरमार, सोशल मीडिया पर तुलना और लगातार बदलते परीक्षा पैटर्न- इन सबके बीच ध्यान, धैर्य और निरंतरता बनाए रखना अपने आप में चुनौती है। तैयारी के दौरान अनेक अभ्यर्थियों, शिक्षकों और अधिकारियों से संवाद का अवसर मिला। इन संवादों ने न सिर्फ ज्ञान बढ़ाया, बल्कि प्रशासनिक सोच को समझने का दृष्टिकोण भी दिया। इस ताकत के पीछे जो सबसे प्रबल स्तंभ था वह मेरी मां के हौंसले और सपनों से बुना था और हर असफलता पर उन्होंने यही कहा कि छोटी असफलताएं बड़ी सफलता को प्राप्त करने की दिशा निर्धारित करती हैं बस धैर्य रखना पड़ता है। आज वह इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनके लालन-पालन व संघर्षमयी जीवन हमेशा एक नई ऊर्जा व सकारात्मक अभिप्रेरणा से नित नए कार्यों हेतु बल प्रदान करता है।

बागपत पहुंचकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश की कार्यसंस्कृति और प्रशासनिक व्यवस्था को करीब से देखने का अवसर मिला। यहां की समयबद्धता, अनुशासन और जमीनी स्तर पर काम करने की परंपरा ने विशेष रूप से प्रभावित किया। शिक्षा व्यवस्था में सुधार और नवाचार की व्यापक संभावनाएं स्पष्ट दिखीं। पहले ही दिन यह एहसास हुआ कि अधिकारी होना लक्ष्य नहीं, बल्कि व्यवस्था को बेहतर बनाना उद्देश्य है। नौकरी का पहला दिन मेरे लिए केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं था, बल्कि एक संकल्प का आरंभ था। ईमानदारी से काम करने, सीखते रहने और शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प। यह कहानी उन युवाओं के लिए है, जो तकनीकी युग की चुनौतियों के बीच भी अपने सपनों पर भरोसा रखते हैं। शुरुआत कठिन हो सकती है, रास्ता लंबा हो सकता है, लेकिन यदि इरादा स्पष्ट हो और मेहनत निरंतर, तो मंजिल अपने आप रास्ता दे देती है। अंत में स्वलिखित पंक्तियों से अपनी बात खत्म करता हूं-

हवा ऐसी चली कि कोई समझ ही नहीं पाया 'सूरज'...
किसी को मिली ज़न्नत तो किसी के हिस्से दोजख़ आया।

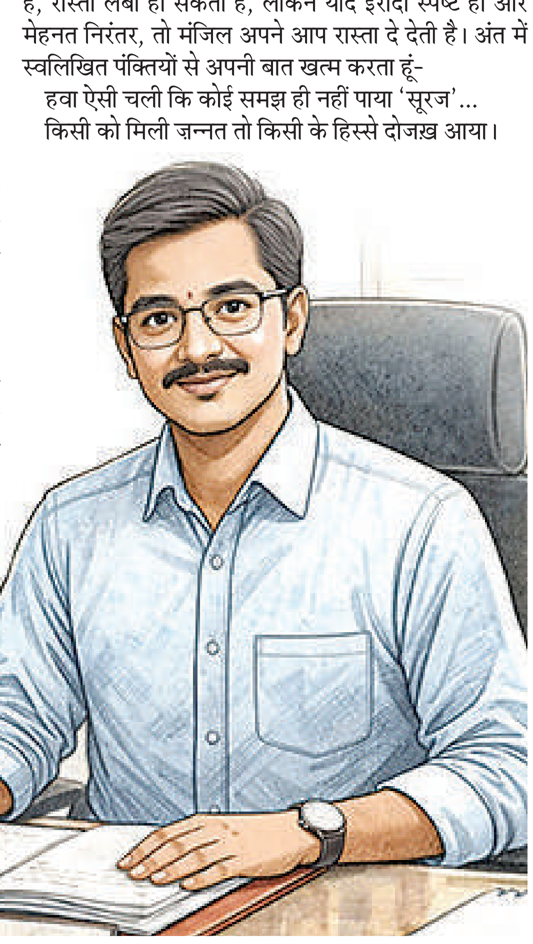

न्यूज ब्रीफ

क्रोमा की गणतंत्र दिवस सेल 26 तक, 60% तक छूट की घोषणा

नई दिल्ली। टाटा समूह की इलेक्ट्रॉनिक रिटेल कंपनी क्रोमा ने शुक्रवार से गणतंत्र दिवस सेल की घोषणा की है जिसमें ग्राहकों को अधिकतम 60 प्रतिशत तक छूट दी जा रही है। कंपनी ने बताया कि यह सेल 23 जनवरी से 26 जनवरी तक रहेगा। इस दौरान ग्राहक बैंक कैशबैक, एक्सचेंज बोनस, छात्रों के लिए विशेष मूल्य निर्धारण और आसान किस्तों का लाभ उठा सकेंगे। ऑफर के तहत घरेलू उपकरणों और एप्पल के उत्पादों पर विशेष छूट दी जा रही जो अलग-अलग बैंक ऑफरों और उनकी शर्तों पर निर्भर करेगी। एचडीएफसी टाटा न्यू कार्ड पर एप्पल के चुनिंदा उत्पादों पर 10 प्रतिशत तक कैशबैक मिलेगा।

बैंक संगठनों की 27 को देशव्यापी हड़ताल पर जाने की घोषणा

नई दिल्ली। बैंक कर्मचारी संगठनों ने पांच दिन के कार्य सप्ताह की अपनी लंबे समय से अनसुनी मांग को लेकर 27 जनवरी को देशव्यापी हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया है। अगर यह हड़ताल होती है, तो सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में कामकाज लगातार तीन दिनों तक बाधित रहेंगे, क्योंकि 25 और 26 जनवरी को पहले से ही छुट्टियां हैं। ज्यादातर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने पहले ही अपने ग्राहकों को बता दिया है कि अगर हड़ताल होती है, तो बैंकिंग सेवाएं बाधित हो सकती हैं।

एचसीएल टेक्नोलॉजीज 136 करोड़ में खरीदेगी सिंगापुर की कंपनी

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी एचसीएल टेक्नोलॉजीज इसी क्षेत्र में काम करने वाली सिंगापुर की कंपनी फेनर्जिक सॉल्यूशंस का अधिग्रहण करेगी। एचसीएल टेक्नोलॉजीज ने शुक्रवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि वह अपनी इकाई एचसीएल सिंगापुर के जरिये इस सौदे को अंजाम दे रही है। दोनों कंपनियों के बीच अधिग्रहण सौदे को लेकर पक्का समझौता हो चुका है। भारतीय कंपनी फेनर्जिक की शत-प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी। वह इसके लिए 1.9 करोड़ सिंगापुर डॉलर (लगभग 136 करोड़ रुपये) का भुगतान करेगी।

रुपया 92 तक गिरकर 91.90 पर बंद

कमजोर घरेलू बाजारों और विदेशी पूंजी की लगातार निकासी का नहीं झेल पाया दबाव

मुंबई, एजेंसी

लगातार गिर रहा रुपया शुक्रवार को कारोबार के दौरान अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने सर्वकालिक निचले स्तर 92 तक पहुंच गया। हालांकि आखिर में मामूली सुधार के साथ 91.90 पर बंद हुआ।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 91.45 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद डॉलर के मुकाबले 91.41 के उच्च और 92.00 के सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंचा। अंत में 91.88 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ जो पिछले बंद स्तर से 32 पैसे की गिरावट है। बृहस्पतिवार को रुपया सात पैसे की बढ़त के साथ 91.58 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इससे पहले 21 जनवरी को 68 पैसे टूटकर 91.65 प्रति डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ था। इस महीने अब तक रुपया 200 पैसे तक यानी दो प्रतिशत तक लुढ़क चुका है।

वर्ष 2025 में विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और डॉलर की मजबूती से घरेलू मुद्रा में पांच प्रतिशत की गिरावट आई थी। विशेषज्ञों के मुताबिक आयात से डॉलर की मांग बढ़ने से रुपये पर और दबाव पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि घरेलू मुद्रा विदेशी पूंजी और वैश्विक बाजारों में जोखिम से बचने की प्रवृत्ति से दबाव में रही। कमजोर घरेलू बाजारों और विदेशी पूंजी की लगातार निकासी से भारतीय रुपया शुरुआती बढ़त गंवा बैठा। कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में उछाल से भी रुपये पर दबाव पड़ा।

विदेशी मुद्रा भंडार 14 अरब डॉलर बढ़ा : आरबीआई

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कहा कि 16 जनवरी को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 14.16 अरब डॉलर बढ़कर 701.36 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इससे पिछले सप्ताह में कुल मुद्रा भंडार 39.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 687.19 अरब डॉलर हो गया था। सितंबर 2024 में मुद्रा भंडार 704.89 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था।

रुपये की गिरावट से सहमा शेयर बाजार... सेंसेक्स में 770 और निफ्टी में 241 अंकों की भारी गिरावट

मुंबई। रुपये के अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचने और चौतरफा बिकवाली के दबाव में घरेलू शेयर बाजार में शुक्रवार को फिर भारी गिरावट हुई। सेंसेक्स करीब 770 और निफ्टी 241 अंक लुढ़क गया। निवेशकों ने सुरक्षित निवेश की ओर रुख करना बेहतर समझा। इस बीच विदेशी पूंजी की लगातार निकासी ने भी शेयर बाजार पर दबाव बढ़ा दिया।

सेंसेक्स 769.67 अंक यानी 0.94 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81,537.70 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के बीच एक समय यह 835.55 अंक फिसलकर 81,471.82 तक आ गया।

निवेशकों ने 6 लाख करोड़ रुपये गंवाए

एनएसई का निफ्टी भी 241.25 अंक यानी 0.95 प्रतिशत टूटकर 25,048.65 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी एक समय 25,025.30 अंक तक फिसल गया था। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से अदाणी पोर्ट्स, इंडिगो, एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व, पावर ग्रिड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, भारतीय स्टेट बैंक, मारुति सुजुकी, बजाज फाइनेंस, एनटीपीसी, ट्रेंट, एलएंडटी और रिलायंस इंडस्ट्रीज में प्रमुख रूप से गिरावट रही।

- व्यापक बाजार में छोटी कंपनियों का बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक 2.19 प्रतिशत और मझोली कंपनियों का मिडकैप सूचकांक 1.56 प्रतिशत टूट गया।
- विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बृहस्पतिवार को 2,549.80 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 4,222.98 करोड़ रुपये की खरीदारी की।
- जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक बढ़त में बंद हुए।

बैंकिंग धोखाधड़ी : अनिल अंबानी और एडीएजी को नए नोटिस जारी

नई दिल्ली, एजेंसी

- अदालत की निगरानी में जांच की मांग वाली जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का कदम
- ईडी और सीबीआई को 10 दिन के अंदर लिफाफा बंद रिपोर्ट दाखिल करने का भी निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने अनिल अंबानी और अनिल धीरूभाई अंबानी समूह (एडीएजी) को एक जनहित याचिका पर शुक्रवार को नए नोटिस जारी किए। याचिका में कंपनी और उसकी समूह कंपनियों से जुड़े बड़े पैमाने पर बैंकिंग और कॉर्पोरेट धोखाधड़ी की अदालत की निगरानी में जांच का अनुरोध किया गया है। शीर्ष कोर्ट ने सीबीआई और ईडी को कथित धोखाधड़ी की जांच पर 10 दिन के भीतर सीलबंद लिफाफे में स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश भी दिया।

सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने इस तथ्य पर गौर किया कि अनिल अंबानी और एडीएजी को याचिकाकर्ता तथा पूर्व केंद्रीय सचिव ईएएस शर्मा द्वारा दायर जनहित याचिका के नोटिस पहले ही तामील किए जा चुके हैं। पीठ ने पिछले साल 18 नवंबर को जनहित याचिका पर केंद्र सरकार, सीबीआई, ईडी, अनिल अंबानी और एडीएजी को नोटिस जारी किए थे। कोर्ट ने कहा कि अनिल अंबानी और एडीएजी को पेश होने और मामले में अपना जवाब दाखिल करने का यह आखिरी मौका है। बंबई हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को अनिल अंबानी और एडीएजी को नोटिस तामील कराने और अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया गया। पीठ ने याचिका पर 10 दिन बाद सुनवाई तय की।

पीठ ने इससे पहले याचिकाकर्ता शर्मा की ओर से पेश वकील प्रशांत भूषण की ओर से दिए गए निवेदनों पर दोनों पक्षों से तीन सप्ताह के भीतर जवाब मांगा था। जनहित याचिका पर आगे की सुनवाई तीन सप्ताह बाद के लिए स्थगित कर दी थी। भूषण ने आरोप लगाया कि जांच एजेंसियां इस बड़े बैंकिंग घोटाले में बैंकों और उनके अधिकारियों की कथित संलिप्तता की जांच नहीं कर रही हैं।

सोना 1,500 रुपये बढ़कर 1.58 लाख, चांदी 9,500 रुपये चढ़ी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शुक्रवार को सोने की कीमत 1,500 रुपये बढ़कर 1,58,700 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंचो गई। कारोबारियों के मुताबिक 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना इससे पिछले सत्र में 1,57,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। बुधवार को इसने 1,59,700 रुपये प्रति 10 ग्राम का सर्वकालिक उच्च स्तर छुआ था। चांदी की कीमतों में भी 9,500 रुपये यानी लगभग तीन प्रतिशत का जोरदार उछाल आया और यह पिछले बंद भाव 3,20,000 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 3,29,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गई। चांदी ने बुधवार को स्थानीय सर्राफा बाजार में 3,34,300 रुपये प्रति किलोग्राम का रिकॉर्ड बनाया था।

बैंकों में दो लाख करोड़ से अधिक की नकदी डालेगा रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को कहा कि वह कई माध्यमों से बैंकिंग प्रणाली में दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की नकदी डालेगा। आधिकारिक रूप से कहा गया है कि मौजूदा नकदी और वित्तीय स्थितियों की समीक्षा के बाद रिजर्व बैंक ने बैंकिंग प्रणाली में नकदी डालने का निर्णय लिया है।

इन उपायों में 30 जनवरी, 2026 को आयोजित की जाने वाली 25,000 करोड़ रुपये की राशि के लिए 90 दिवसीय वेरिएबल रेट रेपो (वीआरआर) नीलामी और चार फरवरी, 2026 को आयोजित होने वाली तीन साल की अवधि के लिए 10 अरब डॉलर यानी 91,000 करोड़ रुपये की 'अमेरिकी डॉलर/ भारतीय रुपया खरीद-बिक्री अदला-बदली नीलामी शामिल है।

भारतीय रिजर्व बैंक के आधिकारिक बयान के अनुसार केंद्रीय बैंक खुले बाजार के परिचालन (ओएमओ) मार्ग के तहत कुल एक लाख करोड़ रुपये के सरकारी बॉन्ड खरीद भी करेगा। बयान के मुताबिक इसके तहत पांच फरवरी और 12 फरवरी को 50-50 हजार करोड़ रुपये के बॉन्ड खरीदे जाएंगे। केंद्रीय बैंक ने कहा कि प्रत्येक उपाय के लिए विस्तृत निर्देश अलग से जारी किए जाएंगे।

चौथी औद्योगिक क्रांति के लिए डब्ल्यूईएफ भारत समेत विश्व में खोलेगा पांच नए केंद्र

उभरती प्रौद्योगिकियों के विकास से समाज को अधिकतम लाभ और न्यूनतम जोखिम रखने का उद्देश्य

दावोस, एजेंसी

- आंध्रप्रदेश में खुलेगा नया केंद्र, मुंबई, तेलंगाना में पहले से हैं दो

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) ने चौथी औद्योगिक क्रांति के लिए पांच नए केंद्र स्थापित करने का फैसला किया है, जिनमें से एक भारत के आंध्र प्रदेश में होगा। इसके साथ ही भारत में ऐसे केंद्रों की संख्या बढ़कर तीन हो जाएगी। इससे पहले मुंबई और तेलंगाना में दो केंद्र पहले से कार्यरत हैं।

चौथी औद्योगिक क्रांति नेटवर्क एक बहु-हितधारक मंच है, जिसका उद्देश्य सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रों को साथ लाकर यह सुनिश्चित करना है कि उभरती प्रौद्योगिकियों के विकास एवं उपयोग से समाज को अधिकतम लाभ हो और जोखिमों को न्यूनतम रखा जा सके। वर्ष 2017 में डब्ल्यूईएफ द्वारा शुरू किया गया यह नेटवर्क यूरोप, पश्चिम एशिया, एशिया और अमेरिका में स्थित स्वतंत्र राष्ट्रीय एवं विषयगत केंद्रों को एक साथ जोड़ता है, जो उन्नत और तेजी से विकसित हो रही प्रौद्योगिकियों के जिम्मेदार विकास और उपयोग को आगे बढ़ाने का काम करते हैं। चौथी औद्योगिक क्रांति के लिए नए केंद्र आंध्र प्रदेश के अलावा फ्रांस, ब्रिटेन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में स्थापित किए जाएंगे।

डब्ल्यूईएफ ने कहा कि हरेक केंद्र सरकारों और उद्योग जगत के साथ मिलकर व्यावहारिक नीतिगत ढांचे और पायलट परियोजनाओं पर काम करेगा, क्षेत्रीय प्राथमिकताओं का ध्यान रखेगा और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देगा। इन केंद्रों के प्रमुख फोकस क्षेत्रों में एआई नवाचार, ऊर्जा बदलाव, साइबर सुरक्षा और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियां शामिल होंगी। ये केंद्र क्षेत्रीय जरूरतों को ध्यान में रखते हुए वैश्विक संवाद और सहयोग को भी आगे बढ़ाएंगे।

डब्ल्यूईएफ के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी बोर्गे ब्रेंडे ने कहा, "चौथी औद्योगिक क्रांति के लिए पांच नए केंद्रों की स्थापना सरकारों, उद्योगों और विशेषज्ञों को साझा तकनीकी चुनौतियों पर एक साथ लाने के महत्व को दर्शाती है।" ब्रेंडे ने कहा कि स्थानीय और क्षेत्रीय अनुभवों के योगदान से साझेदार देश उभरती प्रौद्योगिकियों के जिम्मेदार विकास के लिए वैश्विक प्रयासों को मजबूत करेंगे।

एचसीएल टेक्नोलॉजीज 136 करोड़ में सिंगापुर की कंपनी को खरीदेगी

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी एचसीएल टेक्नोलॉजीज इसी क्षेत्र में काम करने वाली सिंगापुर की कंपनी फेनर्जिक सॉल्यूशंस का अधिग्रहण करेगी। एचसीएल टेक्नोलॉजीज के मुताबिक वह अपनी इकाई एचसीएल सिंगापुर के जरिए इस सौदे को अंजाम दे रही है।

दोनों कंपनियों के बीच अधिग्रहण सौदे को लेकर पक्का समझौता हो चुका है। भारतीय कंपनी फेनर्जिक की शत-प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी। वह इसके लिए 1.9 करोड़ सिंगापुर डॉलर (136 करोड़ रुपये) का भुगतान करेगी। सौदा 30 अप्रैल तक पूरा होने की उम्मीद है। फेनर्जिक मुख्य रूप से वेल्थ मैनेजमेंट के क्लाइंट को सेवाएं प्रदान करती है। साल 2024 में उसका कुल राजस्व दोगुने से ज्यादा होकर 1.26 करोड़ सिंगापुर डॉलर रहा था। उसका शुद्ध लाभ 29 लाख सिंगापुर डॉलर और नेटवर्थ 54 लाख सिंगापुर डॉलर पर था। उसका कारोबार लग्जमबर्ग, स्विटजरलैंड और भारत में फैला हुआ है।

बिहार की दोनों बिजली वितरण कंपनियों को केंद्र सरकार ने दिया 'ए' ग्रेड

पटना। बिहार की बिजली वितरण कंपनी नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रिब्यूशन कंपनी लिमिटेड (एनबीपीडीसीएल) और साउथ बिहार पावर डिस्ट्रिब्यूशन कंपनी लिमिटेड (एसबीपीडीसीएल) को केंद्रीय विद्युत मंत्रालय ने 14वीं इंटीग्रेटेड रेटिंग एवं रैंकिंग रिपोर्ट में 'ए' ग्रेड दिया है।

शुक्रवार को विद्युत कंपनियों के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय स्तर पर विभाग की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बिहार के ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने कहा, बिहार की विद्युत वितरण कंपनियां आमजन को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ-साथ अपनी कार्य प्रणाली एवं दक्षता में भी लगातार वृद्धि कर रही हैं। भविष्य में बेहतर प्रदर्शन की आशा व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा, हम सभी को उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में दोनों कंपनियां 'ए+' रेटिंग हासिल करेंगी।

जश्न की तैयारी

देश भर में गणतंत्र दिवस का जश्न मनाने की तैयारियां जोरों पर हैं। इसी कारण तिरंगे की मांग पूरे देश में बढ़ गई है। इसके चलते गुवाहाटी में तिरंगे सिलने में जुटीं मिहला टेलर। एजेंसी

प्रमुख वित्तीय संस्थाओं में वेतन और पेंशन संशोधनों को केंद्र सरकार की मंजूरी

- करीब 46,322 कर्मचारी और 23,570 पेंशनर होंगे लाभान्वित

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख वित्तीय संस्थाओं के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए व्यापक वेतन एवं पेंशन संशोधनों को मंजूरी दे दी। यह कदम सार्वजनिक क्षेत्र की सामान्य बीमा कंपनियों (पीएसजीआईसी), नाबार्ड और रिजर्व बैंक के मौजूदा तथा पूर्व कर्मचारियों को लाभान्वित करेगा।

केंद्र सरकार के इस संशोधन से कुल मिलाकर लगभग 46,322 कर्मचारी, 23,570 पेंशनर, और 23,260 परिवार पेंशनर लाभान्वित होंगे। वित्त मंत्रालय ने कहा है कि कर्मचारियों के लिए वेतन संशोधन एक अगस्त 2022 की पूर्ववर्ती तिथि से लागू होगा। इसमें मूल वेतन और महंगाई भत्ता में 14 प्रतिशत वृद्धि की गई है, जिससे कुल वेतन खर्च में 12.41 प्रतिशत वृद्धि होगी। इसके अलावा जो एक अप्रैल 2010 के बाद जुड़े कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) में कर्मचारियों का योगदान 10 से बढ़ाकर 14 प्रतिशत किया गया है। परिवार पेंशन में भी 30 प्रतिशत की एक समान वृद्धि की गई है, जो आधिकारिक गजट में प्रकाशन की तिथि से लागू होगी। इन संशोधनों से पीएसजीआईसी पर 8,170.30 करोड़ रुपये का वित्तीय असर पड़ने का अनुमान है।

पीएसजीआईसी में जो प्रमुख बीमा कंपनियां शामिल हैं उनमें नेशनल इंश्योरेंस कंपनी, न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी, ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी, यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी, जनरल इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया और एग्रीकल्चरल इंश्योरेंस कंपनी शामिल हैं। नाबार्ड के ग्रुप ए, बी और सी के लगभग 3,800 वर्तमान और पूर्व कर्मचारी एक नवंबर 2022 से लगभग 20 प्रतिशत बढ़े हुए वेतन और भत्ते के हकदार होंगे। इसके साथ ही नाबार्ड के उन सेवानिवृत्तों के लिए भी पेंशन संशोधन मंजूर किया गया है, जो एक नवंबर 2017 से पहले जुड़े और सेवानिवृत्त हुए थे, ताकि उनकी पेंशन भी पूर्व आरबीआई-नाबार्ड सेवानिवृत्तों के समान हो सके।

अधिग्रहण पूरा, आईएएनएस समाचार एजेंसी भी हुई अब अदाणी समूह की

नई दिल्ली, एजेंसी

लेनदेन से संबंधित विवरण नहीं किए साझा

उद्योगपति गौतम अदाणी के समूह ने समाचार एजेंसी आईएएनएस में शेष 24 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदकर उस पर पूर्ण नियंत्रण हासिल कर लिया है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि अदाणी समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज की मीडिया इकाई एएमजी मीडिया नेटवर्क्स लिमिटेड ने आईएएनएस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में बची हुई हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए शेयर खरीद समझौता किया है। हालांकि, लेनदेन से जुड़े वित्तीय विवरण साझा नहीं किए गए।

समूह ने दिसंबर 2023 में आईएएनएस (इंडो-एशियन न्यूज सर्विस) में 50.50 प्रतिशत की बहुलांश हिस्सेदारी हासिल की थी जिससे यह समाचार एजेंसी अदाणी की मीडिया इकाई की अनुषंगी कंपनी बन गई थी। इसके बाद जनवरी 2024 में एएमजी मीडिया नेटवर्क्स ने आईएएनएस में मतदान अधिकार वाली हिस्सेदारी बढ़ाकर 76 प्रतिशत कर ली थी जबकि गैर-मतदान शेयर में भी उसकी हिस्सेदारी लगभग पूरी हो गई थी। शेयर बाजार को दी सूचना में कहा गया, एएमएनएल ने 21 जनवरी 2026 को आईएएनएस में शेष हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए शेयर खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। प्रस्तावित लेनदेन के पूरा होने के बाद आईएएनएस कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी की अनुषंगी कंपनी बन जाएगी।

इस पूर्ण अधिग्रहण के साथ मीडिया में अदाणी समूह की मौजूदगी और मजबूत हो गई है। इससे पहले समूह एनडीटीवी सहित अन्य मीडिया परिसंपत्तियों में निवेश कर चुका है। अदाणी समूह ने वर्ष 2022 में अपने पारंपरिक क्षेत्रों से आगे बढ़ते हुए मीडिया क्षेत्र में प्रवेश किया था। अप्रैल 2022 में अदाणी एंटरप्राइजेज ने मीडिया और प्रकाशन से जुड़े अधिग्रहणों के लिए एएमजी मीडिया नेटवर्क्स लिमिटेड की स्थापना की थी। इसके बाद एएमजी मीडिया ने समाचार डिजिटल मंच बीक्यू प्राइम का संचालन करने वाली क्विंटिलियन बिजनेस मीडिया लिमिटेड में हिस्सेदारी खरीदी।

अब देश में ही वाणिज्यिक विमान बनाएगा अदाणी समूह, मंगलवार को होगी घोषणा

नई दिल्ली। अदाणी समूह 'मेक इन इंडिया' की दिशा में बड़ी पहल करते हुए देश में वाणिज्यिक विमानों का निर्माण शुरू करने वाला है। अदाणी समूह की कंपनी अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने इसके लिए ब्राजील की विमान बनाने वाली कंपनी एंब्रेयर के साथ करार करने जा रही है। मंगलवार को यहां राजीव गांधी भवन स्थित नागरिक उड्डयन मंत्रालय में इसकी घोषणा की जाएगी। दोनों कंपनियों की ओर से मीडिया ब्रीफिंग के लिए जारी संयुक्त आमंत्रण में कहा गया है कि भारत के वाणिज्यिक विमानन की मेक इन इंडिया'' यात्रा में एक ऐतिहासिक विकास की घोषणा की जानी है। यह भी कहा गया है कि यह घोषणा एयरोस्पेस में भारत की आत्मनिर्भरता के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी।

प्राकृतिक गैस का उत्पादन दिसंबर में 4.2 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली। देश में प्राकृतिक गैस का सकल उत्पादन दिसंबर 2025 में 4.2 प्रतिशत घटकर 293.7 करोड़ मानक घन मीटर रह गया। दिसंबर 2024 में प्राकृतिक गैस का घरेलू उत्पादन 306.6 करोड़ मानक घन मीटर (एससीएम) रहा था।

पेट्रोलियम नियोजन एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ के शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया गया है कि दिसंबर में तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) का प्राकृतिक गैस उत्पादन 0.1 प्रतिशत घटकर 159.3 करोड़ एससीएम रह गया। निजी एवं संयुक्त उपक्रमों का उत्पादन 8.3 प्रतिशत तथा ऑयल इंडिया लिमिटेड का उत्पादन सालाना आधार पर 10.1 प्रतिशत कम दर्ज किया गया और क्रमशः 110.2 करोड़ एससीएम तथा 24.3 करोड़ एससीएम पर रहा। घरेलू उत्पादन कम रहने के साथ तरल प्राकृतिक गैस एलएनजी के आयात में भी कमी आई है। यह दिसंबर 2025 में 280.8 करोड़ एससीएम रहा जो एक साल पहले के मुकाबले 0.7 फीसदी नीचे है। घरेलू उत्पादन और आयातित एलएनजी मिलाकर देश में बिक्री के लिए उपलब्ध कुल प्राकृतिक गैस की मात्रा दिसंबर में 525.4 करोड़ एससीएम रह गई।

द्विपक्षीय व्यापार | वाणिज्य मंत्रालय ने साफ की स्थिति, विशिष्ट शुल्क छूट को तीन साल के लिए किया है निलंबित

ईयू के शुल्क लाभ रोकने से 2.66% निर्यात पर ही असर

नई दिल्ली, एजेंसी

करीब 1.66 अरब यूरो का व्यापार जीएसपी व्यवस्था से होगा बाहर

वर्ष 2023 में ईयू ने भारत से कुल 62.2 अरब यूरो का आयात किया था। इसमें से केवल 12.9 अरब यूरो का आयात ईयू के मानक जीएसपी ढांचे के तहत पात्र था। मंत्रालय ने कहा कि नए विनियमन के तहत करीब 1.66 अरब यूरो का व्यापार जीएसपी व्यवस्था से बाहर हो जाएगा, जिससे 2023 के आंकड़ों के आधार पर जीएसपी के तहत पात्र व्यापार घटकर 11.24 अरब यूरो रह जाएगा। इस तरह नया विनियम यूरोपीय संघ को भारत के कुल निर्यात का केवल 2.66 प्रतिशत ही प्रभावित करता है। ईयू की तरफ से उठाया गया यह कदम इस लिहाज से महत्वपूर्ण है कि भारत और ईयू 27 जनवरी को एफटीए पर बातचीत पूरी होने की घोषणा कर सकते हैं।

यूरोपीय संघ (ईयू) की तरफ से एक प्रोत्साहन योजना के तहत शुल्क रियायतें निलंबित किए जाने से भारत से ईयू को होने वाले कुल निर्यात का केवल 2.66 प्रतिशत ही प्रभावित होगा। वाणिज्य मंत्रालय ने शुक्रवार को इस संबंध में स्थिति साफ की।

ईयू सामान्यीकृत तरजीही व्यवस्था (जीएसपी) के तहत निर्यात प्रोत्साहन के लिए विकासशील और अल्प-विकसित देशों से होने वाले आयात पर कम या शून्य सीमा-शुल्क की सुविधा देता रहा है। यूरोपीय आयोग ने एक विनियमन अपनाया है जिसमें भारत एवं कुछ अन्य लाभार्थी देशों के लिए विशिष्ट शुल्क छूट को 2026-28 की अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया है। यह विनियम औपचारिक रूप से एक जनवरी, 2026 से 31 दिसंबर, 2028 तक के लिए लागू हो गया है। इस संदर्भ में वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि नए जीएसपी प्रावधानों के तहत कृषि उत्पादों को श्रेणी से नहीं हटाया (ग्रेजुएट) गया है, इसलिए उन्हें इस योजना के तहत शुल्क लाभ मिलते रहेंगे। वहीं गैर-कृषि क्षेत्र में केवल चमड़ा क्षेत्र को इस दायरे में फिर से शामिल किया गया है।

'ग्रेजुएशन' का मतलब है कि कोई उत्पाद इतना प्रतिस्पर्धी मान लिया जाए कि अब उसे शुल्क में छूट की जरूरत नहीं रह गई है। इसके बाद उसे रियायती सूची से हटा दिया जाता है। ग्रेजुएशन की प्रक्रिया किसी देश के निर्यात की प्रतिस्पर्धात्मकता पर आधारित होती है, जिसकी ईयू समय-समय पर समीक्षा करता है। भारत के मामले में समय के साथ उत्पादों का रियायती दायरे से बाहर आना उसके निर्यात की बढ़ती प्रतिस्पर्धात्मकता के कारण हुआ है। भारत 12 प्रमुख उत्पाद श्रेणियों में जीएसपी की रियायती शुल्क व्यवस्था से बाहर हो चुका है। मंत्रालय ने बताया कि शुल्क रियायत का निलंबन 13 विशिष्ट जीएसपी खंडों में किया गया है।

जापान की पीएम साने ताकाइची ने भंग किया संसद का निचला सदन

तोक्यो, एजेंसी

जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने शुक्रवार को संसद के निचले सदन को भंग कर दिया जिससे आठ फरवरी को मध्यावधि चुनाव कराए जाने का रास्ता साफ हो गया। यह कदम मात्र तीन महीने पहले प्रधानमंत्री का पद संभालने वाली ताकाइची का, अपनी लोकप्रियता का लाभ उठाने का प्रयास है ताकि सत्तारूढ़ दल हाल के वर्षों में हुए भारी नुकसान के बाद फिर से अपनी स्थिति मजबूत कर सके।

हालांकि उनके इस कदम से उस बजट पर मतदान टल जाएगा जिसका मकसद जूझती

- आठ फरवरी को देश में मध्यावधि चुनाव कराने का रास्ता साफ

अर्थव्यवस्था को गति देना और महंगाई से निपटना है।

ताकाइची को अक्टूबर में जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री चुना गया था। ताकाइची को प्रधानमंत्री बने मात्र तीन महीने हुए हैं लेकिन उन्हें करीब 70 प्रतिशत की मजबूत स्वीकृति रेटिंग मिली है। ताकाइची की लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी को अब भी कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि वह भ्रष्टाचार से जुड़े कई घोटालों और यूनिफिकेशन चर्च से पार्टी के पुराने संबंधों को लेकर विवादों से जूझ रही हैं। लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि नया विपक्षी दल सेंट्रिस्ट रिफॉर्म अलायंस मध्यमार्गी मतदाताओं को आकर्षित कर पाएगा या नहीं जबकि विपक्षी दल अब भी बिखरे हुए हैं। ताकाइची की ताइवान समर्थक टिप्पणियों के बाद चीन के साथ तनाव बढ़ रहा है और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चाहते हैं कि ताकाइची हथियारों पर अधिक खर्च करें। वाशिंगटन और बीजिंग इस क्षेत्र में सैन्य प्रभुत्व हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

उत्कृष्ट सिनेमा का महाकुंभ

ऑस्कर अवार्ड

जादुई सुनहरी प्रतिमा 'ऑस्कर', जिसे आधिकारिक तौर पर एकेडमी अवाड्र्स कहा जाता है, दुनिया का सबसे प्रतिष्ठित सिनेमा सम्मान है। यह न केवल एक कलाकार की प्रतिभा का पैमाना है, बल्कि वैश्विक स्तर पर सिनेमाई उत्कृष्टता का सर्वोच्च शिखर है। ऑस्कर की शुरुआत 16 मई, 1929 को हुई थी। इसकी स्थापना एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज द्वारा की गई थी। इस संस्था की नींव एमजीएम स्टूडियो के मालिक लुई बी. मेयर ने रखी थी। पहला समारोह हॉलीवुड के रूजवेल्ट होटल में एक निजी रात्रिभोज के दौरान आयोजित किया गया था, जिसमें केवल 270 लोग शामिल थे। भारत को अब तक विभिन्न श्रेणियों में कुल 10 ऑस्कर मिले हैं जो व्यक्तिगत और सामूहिक पुरस्कार हैं।

10 हजार सदस्य चुनते हैं विजेता

- ऑस्कर विजेताओं का चयन कोई छोटी जूरी नहीं, बल्कि 'एकेडमी' के लगभग 10,000 से अधिक सदस्य करते हैं। ये सदस्य फिल्म उद्योग के पेशेवर (अभिनेता, निर्देशक, निर्माता, तकनीशियन) होते हैं। इसके लिए एक गुप्त मतदान कराया जाता है। मतदान एक गुप्त प्रक्रिया है जिसे प्राइस वाटर हाउस कूपर्स (पीडब्ल्यूसी) द्वारा ऑडिट किया जाता है। जिससे चयन को लेकर मतभेद की स्थिति न उत्पन्न हो। विजेताओं को लगभग एक प्रतिमा मिलती है। दिलचस्प तथ्य यह है कि ऑस्कर विजेता मिलने वाली ट्रॉफी को बेच नहीं सकते हैं। अगर वे इसे बेचना चाहें, तो उन्हें इसे पहले एकेडमी को मात्र 1 डॉलर में वापस करने का प्रस्ताव देना होता है।

नामांकन श्रेणियां

- वर्तमान में ऑस्कर मुख्य रूप से 24 श्रेणियों में दिया जाता है। इनमें सर्वश्रेष्ठ फिल्म, सर्वश्रेष्ठ निर्देशक, सर्वश्रेष्ठ अभिनेता, सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री, सहायक भूमिकाएं, पटकथा (ओरिजिनल और एडाप्टेड), एडिटिंग, सिनेमैटोग्राफी, कॉस्ट्यूम डिजाइन, और अंतर्राष्ट्रीय फीचर फिल्म जैसी श्रेणियां शामिल हैं।

नामांकन व जीत के रिकॉर्ड

- ऑस्कर इतिहास में तीन फिल्मों के नाम सर्वाधिक 14 नामांकनों का संयुक्त रिकॉर्ड रहा है लेकिन 2026 में यह रिकॉर्ड टूट गया, फिल्म सिनर्स ने 16 श्रेणियों में नामांकन हासिल कर इतिहास बनाया है। पहले की तीन फिल्मों में ऑल अबाउट ईव (1950), टाइटैनिक (1997), ला ला लैंड (2016) में निर्मित फिल्म शामिल हैं।
- सबसे ज्यादा 11 ऑस्कर जीतने का रिकॉर्ड इन तीन फिल्मों के पास है जिनमें बेन-हर (1959), टाइटैनिक (1997), द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स : द रिटर्न ऑफ द किंग (2003) शामिल है।

भारत को अब तक 10

- भारत का ऑस्कर का सफर 1983 में शुरू हुआ। अब तक 10 ऑस्कर मिले हैं। वर्ष 1983 में भानु अथैया को फिल्म गांधी में बेस्ट कास्ट्यूम डिजाइन के लिए, 1992 में सत्यजीत रे को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड, 2009 में रेसुल पुकुट्टी को स्लमडॉग मिलेनियर में बेस्ट साउंड मिक्सिंग, एआर रहमान को संगीत, गुलजार को बेस्ट सांग के लिए ऑस्कर मिला। 2023 एमएम. कीरावनी/चंद्रबोस को नाटू नाट के लिए बेस्ट ओरिजनल सांग और कार्तिकी गोंजाल्विस को बेस्ट डॉक्यूमेंट्री शॉर्ट फिल्म के लिए मिला।

समारोह का स्थान

- वर्तमान में ऑस्कर समारोह लॉस एंजिल्स के डॉल्बी थिएटर में आयोजित किया जाता है। यह आमतौर पर हर साल फरवरी के अंत या मार्च की शुरुआत में होता है। 2026 में भी यह आयोजन इसी भव्यता के साथ संपन्न होने की उम्मीद है।

वर्ल्ड ब्रीफ

सिंगापुर एयर शो में भाग लेगी सारंग टीम

सिंगापुर। भारतीय वायु सेना की सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शन टीम अगले महीने की शुरुआत में कई प्रसिद्ध सैन्य एरोबेटिक टीम के साथ कदम से कदम मिलाते हुए सिंगापुर एयरशो 2026 में उड़ान प्रदर्शन करेगी। एयरशो के आयोजकों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सारंग टीम ने एक्स पर लिखा कि सिंगापुर, हम आ गए हैं। सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शन टीम चांगी प्रदर्शनी केंद्र में आयोजित सिंगापुर एयरशो 2026 में सांसें रोक देने वाले करतब दिखाने के लिए तैयार है। इसे देखने के लिए तैयार हो जाइए। यह शानदार होने वाला है!

ऑस्ट्रेलिया में तीन के हत्यारे की तलाश जारी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स की पुलिस घरेलू हिंसा से जुड़ी गोलीबारी में तीन लोगों की हत्या करने वाले आरोपी की तलाश कर रही है। गुरुवार की शाम करीब 4.20 बजे हुई गोलीबारी के बाद पुलिस 37 वर्षीय संदिग्ध जूलियन इनग्राम को तलाश कर रही है। तलाश के लिए हेलीकॉप्टरों को भी तैनात किया गया है।

47 लाख के इनामी नौ नक्सलियों का सरेंडर

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में शुक्रवार को 47 लाख रुपये के इनामी नौ नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। रायपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली ओडिशा के धमतरी-गरियाबंद-नुआपाड़ा संभाग के अंतर्गत आने वाली माओवादी कमेटी की नगरी और सीतानदी एरिया कमेटी तथा मैनपुर लोकल गुरिल्ला स्क्वाड से संबंधित हैं, जिनमें सात महिलाएं शामिल हैं। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों में से सीतानदी एरिया कमेटी की सचिव ज्योति उर्फ जैनी (28) और संभागीय समिति सदस्य उषा उर्फ बलम्मा पर आठ-आठ लाख रुपये का इनाम था।

7 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया

कोलंबो। श्रीलंका की नौसेना ने अपने जलक्षेत्र में मछली पकड़ने के आरोप में सात भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है। नौसेना ने कहा कि मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया गया है और मंगलवार को उत्तरी जाफना प्रायद्वीप के कोविलन के पास उनकी दो नौकाएं जब्त कर ली गई हैं। गिरफ्तार किए गए लोगों को कानूनी कार्यवाही के लिए जाफना के मायलिड्डी मत्स्य निरीक्षक को सौंप दिया जाएगा। दोनों देशों के मछुआरों को अक्सर अनजाने में एक-दूसरे के जलक्षेत्र में प्रवेश करने के आरोप में गिरफ्तार किया जाता है।

ट्रंप ने बोर्ड ऑफ पीस से कनाडा के पीएम कार्नी का निमंत्रण वापस लिया

नहीं बताया कोई स्पष्ट कारण, कनाडा-अमेरिका के रिश्तों में तल्खी

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि प्रस्तावित 'बोर्ड ऑफ पीस' (शांति बोर्ड) ने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी को दिया गया निमंत्रण वापस ले लिया है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट से इस निर्णय की जानकारी दी। प्रधानमंत्री कार्नी को संबोधित एक संक्षिप्त पत्र के रूप में लिखे संदेश में ट्रंप ने बिना कोई विशेष कारण बताए स्पष्ट किया कि कनाडा के इस निकाय में शामिल होने के निमंत्रण को रद्द माना जाए।

यह घटनाक्रम दोनों देशों के बीच गहराते कूटनीतिक मतभेदों की ओर इशारा कर रहा है। यह कदम दोनों नेताओं के बीच इस सप्ताह हुई सार्वजनिक बयानबाजी और तीखी नोकझोंक के बाद उठाया गया है। इससे पहले गुरुवार को कार्नी ने ट्रंप के उस विवादास्पद दावे को सिरे से खारिज कर दिया था, जिसमें कहा गया था कि कनाडा अपने अस्तित्व के लिए अमेरिका पर निर्भर है। स्विट्जरलैंड के दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच से लौटने के बाद कार्नी ने क्यूबेक सिटी में कहा था कि कनाडा और अमेरिका के बीच आर्थिक और सुरक्षा के क्षेत्र में एक उल्लेखनीय साझेदारी है, लेकिन कनाडा अमेरिका के कारण जीवित नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कनाडा अपनी विशिष्ट पहचान और नागरिकों के कारण फल-फूल रहा है। दावोस शिखर सम्मेलन के दौरान कार्नी ने वैश्विक व्यवस्था में आने वाली 'दरार' के प्रति आगाह किया था और प्रमुख शक्तियों द्वारा टैरिफ (शुल्क) तथा आर्थिक दबाव के उपयोग की खुलकर आलोचना की थी। उन्होंने ग्रीनलैंड और डेनमार्क के प्रति भी अपना समर्थन व्यक्त किया था, जिसे अमेरिकी नीतियों के विरोध के रूप में देखा गया। इसके विपरीत, ट्रंप ने उसी मंच से बोलते हुए दावा किया था कि कनाडा अमेरिका की वजह से ही जीवित है। दावोस में ट्रंप और कनाडाई प्रधानमंत्री के बीच कोई द्विपक्षीय मुलाकात भी नहीं हुई थी, जिससे तनाव की स्थिति पहले ही स्पष्ट हो गई थी।

हस्ताक्षर करने पर पाकिस्तान की संसद में हंगामा

इस्लामाबाद। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गाजा के लिये नवगठित 'बोर्ड ऑफ पीस' में शामिल होने के पाकिस्तान के फैसले ने देश के राजनीतिक हलकों में तीव्र विरोध को जन्म दिया है। गुरुवार को संसद में भारी हंगामा हुआ, जिसमें विपक्षी दलों ने इस कदम की निंदा करते हुए इसे नेतृत्व की श्री ट्रम्प से करीबी बढ़ाने की कोशिश बताया। गाजा जैसे संवेदनशील मुद्दे से जुड़े मामले में पारदर्शिता की कमी और संसदीय अनुमोदन न लेने पर सवाल उठाते हुए, जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने सरकार की कड़ी आलोचना की।

ट्रंप की इच्छा, कनाडा अमेरिका का 51 वां राज्य बन जाए

व्हाइट हाउस में दोबारा वापसी के बाद से ट्रंप ने कनाडा के साथ व्यापारिक और राजनीतिक मोर्चे पर कड़ा रुख अपना रखा है। कनाडा पर व्यापक व्यापारिक शुल्क लगा दिए हैं और बार-बार यह सुझाव देकर विवाद पैदा किया है कि कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बन जाना चाहिए। निमंत्रण वापसी के इस ताजा फैसले के बाद दोनों पड़ोसी देशों के बीच व्यापारिक और राजनीतिक संबंधों में और अधिक कड़वाहट आने की संभावना जताई जा रही है।

नेपाल में पूर्व पीएम भट्टराई नहीं लड़ेंगे आम चुनाव

काठमांडू। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री बाबूराम भट्टराई ने देश में मार्च में प्रस्तावित आम चुनावों के लिए अपनी उम्मीदवारी शुक्रवार को वापस ले ली। उन्होंने कहा कि वह नेपाली युवाओं की भावनाओं का सम्मान करते हुए यह कदम उठा रहे हैं। भट्टाराई (71) ने गंडकी प्रांत के गोरखा-2 निर्वाचन क्षेत्र से प्रगतिशील लोकतांत्रिक पार्टी के उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल किया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा संदेश में अपनी उम्मीदवारी वापस लेने की घोषणा की। भट्टराई ने कहा कि युवा पीढ़ी और गोरखा जिले के मतदाताओं की भावनाओं का सम्मान करते हुए यह फैसला लिया है।

बच गई फ्रांस में लेकोर्नू सरकार

पेरिस। फ्रांस की सरकार के खिलाफ लाए गए दो अविश्वास प्रस्ताव शुक्रवार को गिर गए जिससे प्रधानमंत्री सेबस्टियन लेकोर्नू की सरकार पर मंडरा रहा संकट फिलहाल टल गया है। अविश्वास प्रस्ताव के गिरने से वर्ष 2026 के लिए पूर्ण राज्य बजट को अपनाने की दिशा में एक बड़ी बाधा दूर हो गई है। अविश्वास प्रस्ताव को 269 सांसदों का समर्थन मिला।

अमेरिका, यूक्रेन और रूस में त्रिपक्षीय वार्ता

अबू धाबी, एजेंसी

- यूक्रेन-रूस के बीच जंग समाप्ति को महत्वपूर्ण कूटनीतिक कदम

रूस के यूक्रेन पर 2022 में शुरू किए गए हमले के बाद पहली बार अमेरिका, यूक्रेन और रूस के वार्ताकार शुक्रवार को संयुक्त अरब अमीरात में एक साथ मेज पर बैठेंगे। यह तीनों देशों के बीच होने वाली पहली ज्ञात त्रिपक्षीय बैठक है, जिसे युद्ध समाप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक कदम माना जा रहा है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के सहायक यूरी उशाकोव ने पुष्टि की है कि रूस सुरक्षा मुद्दों पर त्रिपक्षीय कार्य समूह की पहली बैठक के लिए अबू धाबी में यूक्रेन और अमेरिका के प्रतिनिधियों के साथ शामिल होगा।

इससे पहले यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने भी इस बैठक के आयोजन की पुष्टि की थी। यह ऐतिहासिक वार्ता राष्ट्रपति ट्रम्प के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और उनके दामाद जेरेड कुशनर की रूसी राष्ट्रपति के साथ हुई गहन मुलाकात के बाद आयोजित की जा रही है। गुरुवार देर रात पुतिन के साथ इन अमेरिकी प्रतिनिधियों की बैठक तीन घंटे से अधिक समय तक चली थी। रूस ने इस चर्चा को अत्यंत ठोस, रचनात्मक और गोपनीय बताया है। हालांकि, रूसी अधिकारियों ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि अबू धाबी में होने वाली त्रिपक्षीय वार्ता किस समय शुरू होगी, लेकिन इसे लेकर वैश्विक स्तर पर उम्मीदें बढ़ गई हैं। सकारात्मक संकेतों के बावजूद रूस ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि क्षेत्रीय मुद्दों को सुलझाए बिना किसी भी दीर्घकालिक समाधान की उम्मीद करना जल्दबाजी होगी।

पुतिन ने ट्रंप के दूतों से की लंबी बातचीत

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन मुद्दे के समाधान को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूतों से चर्चा की। रातभर चली वार्ता के दौरान क्रेमलिन ने इस बात पर जोर दिया कि शांति समझौते तक पहुंचने के लिए क्षेत्रीय विवाद का समाधान जरूरी है। यह बैठक ऐसे समय में हुई जब इससे कुछ घंटे पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने अपने यूरोपीय सहयोगियों की तीखी आलोचना की थी। ज़ेलेंस्की ने कहा था कि रूस के लगभग चार वर्ष पहले शुरू किए गए आक्रमण और उसकी लगातार जारी आक्रामकता के प्रति यूरोप की प्रतिक्रिया धीमी, बिखरी हुई और अपर्याप्त रही है।

गोवा नाइट क्लब अग्निकांड केस ईडी ने की तीन राज्यों में छापेमारी

पणजी/नई दिल्ली, एजेंसी

- लूथरा बंधुओं के कार्यालय और घर सहित नौ परिसरों में तलाशी

गोवा के नाइटक्लब बर्च बाय रोमियो लेन के प्रवर्तकों के खिलाफ धन शोधन का मामला दर्ज करने के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को गोवा, हरियाणा और दिल्ली में छापे मारे। इसी नाइटक्लब में पिछले साल दिसंबर में आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई थी।

अधिकारियों ने बताया कि कम से कम नौ परिसरों पर तलाशी ली जा रही है जिनमें राजधानी दिल्ली के किंग्सवे कैंप में स्थित सौरभ और गौरव लूथरा बंधुओं के कार्यालय और आवास, हरियाणा के गुरुग्राम में तत्त्वम विला में सह-मालिक अजय गुप्ता का ठिकाना, इसके अलावा गोवा में अरपोरा-नागोआ के पूर्व सरपंच रोशन रेडकर और पंचायत सचिव रघुवीर बागकर के परिसर शामिल हैं। जांचकर्ताओं ने कुछ परिसरों से कुछ दस्तावेज बरामद किए हैं। ईडी के अनुसार, रेडकर और बागकर पर क्लब के लिए अवैध व्यापार लाइसेंस और एनओसी जारी करने एवं सुविधा प्रदान करने का आरोप है। एजेंसी के अधिकारी सुरिंदर कुमार खोसला के परिसर में भी मौजूद हैं ताकि उस धन शोधन के पहलू की जांच की जा सके जो खजान भूमि (विशिष्ट पारंपरिक कृषि भूमि जिसे आर्द्र दलदली भूमि को सुखाकर बनाया जाता है) के अवैध रूपांतरण से उत्पन्न हुआ है जिस पर बर्च बाय रोमियो लेन क्लब स्थित है। खोसला एक ब्रिटिश नागरिक है और माना जाता है कि वह क्लब के मालिकों में से एक है।

हादसे में 25 लोगों की हुई थी मौत, 50 जख्मी

गोवा के अरपोरा गांव में स्थित बर्च बाय रोमियो लेन नामक नाइट क्लब में छह दिसंबर 2025 को आग लग गई थी। इस घटना में 25 लोगों की मौत हुई थी और लगभग 50 लोग भी घायल हो गए। घटना के कुछ घंटों बाद ही दोनों भाई देश छोड़कर थाईलैंड भाग गए थे। उन्हें करीब दस दिन बाद 17 दिसंबर 2025 को भारत वापस भेज दिया गया और वे गोवा पुलिस की हिरासत में है।

विमानन क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे भारत और ईयू

दावोस। भारत और यूरोपीय संघ ने विमानन के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए नियामकों के बीच सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई है तथा ढांचागत विकास के लिए एक कार्ययोजना तैयार की है। नागरिक उड्डयन मंत्री के. राम मोहन नायडू ने गुरुवार को दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच के वैश्विक आर्थिक शिखर सम्मेलन के दौरान यूरोपीय संघ के परिवहन आयुक्त अपोस्टोलोस त्जित्जिकोस्टास से मुलाकात की। दोनों के बीच नवाचार और पर्यावरण-अनुकूल परिवहन प्रणालियों पर गहन चर्चा हुई। बैठक में हरित विमान ईंधन जैसे नवाचारों पर विशेष रूप से बात हुई। इसमें पर्यावरण-अनुकूल परिवहन को प्राथमिकता दी गई।

अवैध यूनुस सरकार को उखाड़ फेंको : हसीना

नई दिल्ली, एजेंसी

- बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री ने देश की जनता से किया आह्वान

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने शुक्रवार को देश की जनता से मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली सरकार को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया और कहा कि अगर यह सत्ता में बनी रहती है तो स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव संभव नहीं होंगे। ढाका से नई दिल्ली आने के 17 महीने बाद भारत में अपने पहले सार्वजनिक भाषण में, अवामी लीग की नेता ने यह भी कहा कि बांग्लादेश को संयुक्त राष्ट्र से पिछले वर्ष की घटनाओं की निष्पक्ष जांच करने का आग्रह करना चाहिए।

उन्होंने लोगों से संविधान को बहाल करने और धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में हसीना का पहले से रिकॉर्ड किया गया ऑडियो क्लिप चलाया गया। यह संदेश बांग्लादेश में 12 फरवरी को होने वाले संसदीय चुनावों के लिए प्रचार शुरू होने के एक दिन बाद आया। अवामी लीग पार्टी को चुनाव लड़ने से रोक दिया गया है। हसीना ने यूनुस पर अवैध शासन चलाने का आरोप लगाया। कहा कि देश अब चरमपंथी सांप्रदायिक ताकतों और विदेशी अपराधियों के हमले से तबाह है। अगस्त 2024 में सरकार विरोधी आंदोलन के कारण हसीना को भारत आना पड़ा था।

अमेरिका ने पूरी की डब्ल्यूएचओ से हटने की प्रक्रिया

न्यूयॉर्क। अमेरिका ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से हटने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। संघीय अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। यह घटनाक्रम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वैश्विक स्वास्थ्य निकाय के प्रति वाशिंगटन की 78 साल पूरी प्रतिबद्धता खत्म किए जाने का नोटिस देने के लगभग एक साल बाद सामने आया है। हालांकि, इस सिलसिले में कुछ सवाल अभी भी अनसुलझे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक, अमेरिका को वैश्विक स्वास्थ्य निकाय को 13 करोड़ अमेरिकी डॉलर देने हैं। ट्रंप प्रशासन की ओर से भी यह स्वीकार किया गया है कि कि कुछ मुद्दों को अभी नहीं सुलझाया जा सका है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 24 जनवरी, शनिवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-शुक्ल पक्ष, षष्ठी 25 जनवरी 00.39 तक तत्पश्चात सप्तमी।

मेष – आज बड़े भाई-बहन को लेकर थोड़े तनाव में आ सकते हैं। धन संबंधी परेशानियों से घिरे रहेंगे। वैवाहिक जीवन में प्रेम भाव बढ़ेगा। आपको गैस और पित्त की समस्या हो सकती है। स्वयं द्वारा बनाए हुए नियमों और सिद्धांतों की स्वत: अवहेलना न करें।

वृष – आज व्यवसाय को लेकर बड़े ऑर्डर मिल सकते हैं। व्यापार में आ रहे विघ्नों पर विजय प्राप्त कर लेंगे। प्रेम संबंधों में परस्पर समर्पण की भावना में वृद्धि होगी। आपको नौकरी में पदोन्नति मिल सकती है। घर के बड़े-बुजुर्ग आपसे अत्यंत प्रसन्न रहेंगे।

मिथुन – आज व्यापार में अपेक्षा से अधिक धन लाभ प्राप्त होगा। आपकी कार्यशैली में सुधार हो सकता है। अपनी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए परिश्रम करेंगे। विदेश यात्रा से धन लाभ मिलेगा। पाचनतंत्र में कुछ परेशानी हो सकती है।

कर्क – आज आपको सहकर्मियों का साथ नहीं मिलेगा। शेयर और जोखिम भरे निवेशों में थोड़ी परेशानी होगी। शारीरिक और मानसिक थकान रहेगी। जीवनसाथी आपके ऊपर नाराज हो सकते हैं। व्यर्थ के प्रपंचों से आपको दूर रहना चाहिए।

सिंह – आज गुप्त विद्याओं के प्रति आपका रुझान बढ़ेगा। बच्चों की सेहत का ध्यान रखें। जिस काम में मन न लग रहा हो उसे बिल्कुल न करें। सामाजिक और व्यवसायिक क्षेत्र में नए विरोधी उभर सकते हैं। प्रेम संबंधों में शंका की भावना न पनपने दें।

कन्या – आज साहस और बुद्धिमत्ता युक्त निर्णय लेने से आपको व्यवसाय में शानदार सफलता मिलेगी। मांगलिक कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। अविवाहित लोगों को विवाह के अवसर मिलने के योग बन रहे हैं। सरकारी नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा।

तुला – आज नया काम शुरु करने के लिए दिन उत्तम है। विद्यार्थी पढ़ाई के साथ-साथ कुछ अतिरिक्त नौकरी करने की योजना बनाएंगे। नि:संतान दंपतियों को शुभ समाचार मिल सकते हैं। विरोधी भी आपकी प्रतिभा का सम्मान करेंगे।

वृश्चिक – आज नया व्यापार शुरू करने में सफलता मिलेगी। अपनी वाणी में संयम भाव रखें। समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। अपने व्यवहार में लचीलापन रखें। संपत्ति के मामलों में विजय प्राप्त हो सकती है। कारोबारी उद्देश्य से यात्रा हो सकती है।

धनु – आज अपने काम से काम रखें दूसरों के मामले में हस्तक्षेप न करें। युवा जातक प्रेमीजन से प्रणय निवेदन कर सकते हैं। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में सुधार होने की संभावना है। आप कला में रुचि ले सकते हैं। नए दोस्त बनने के योग बन रहे हैं।

मकर – आज महत्वपूर्ण वस्तुओं को संभालकर रखें। आईटी से जुड़े व्यवसाय से धन लाभ प्राप्त होगा। कुछ लोग आपकी निश्छलता का गलत फायदा उठाने का प्रयास करेंगे। यदि पार्टनरशिप में कोई व्यापार कर रहे हैं, तो उसमें पारदर्शिता अवश्य रखें।

कुंभ – आज व्यायाम और ध्यान अवश्य करें। हर समस्या का व्यवहार कुशलता से समाधान निकाल लेंगे। बच्चों के लिए कुछ उपहार ले सकते हैं। परिवार में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। पुरानी यादें दोबारा ताजा होंगी। आपकी कलात्मक क्षमता का विकास होगा।

मीन – आज आपकी प्रतिभा को सम्मान मिलेगा। कार्यक्षेत्र में कड़ी मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। रात के समय सड़क यात्रा करने से बचें। बिना जांच-पड़ताल के निवेश करने से आर्थिक हानि हो सकती है। अपनी उपलब्धियों का अधिक बखान न करें।

आज का पंचांग

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-उत्तर भाद्रपद 14.16 तक तत्पश्चात रेवती।

सुडोकू -41

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		7		2			1	
		9			8			3
		4	9		6			5
2			5	3	7			6
		1				7		
6			1	9	2			4
4			7		1	5		
5			8			9		
	8			5		6		

सुडोकू - 40 का हल

6	9	8	5	4	7	3	2	1
4	2	3	9	6	1	7	8	5
5	1	7	8	2	3	6	4	9
3	4	9	2	7	5	8	1	6
2	5	6	3	1	8	9	7	4
7	8	1	4	9	6	5	3	2
8	7	4	6	5	2	1	9	3
1	6	2	7	3	9	4	5	8
9	3	5	1	8	4	2	6	7

रोहित भाई पावरप्ले में जो शुरुआत देते थे, उससे प्रतिद्वंद्वी टीम पर दबाव होता था। कोच और कप्तान मुझसे यही चाहते थे। यह मेरी शैली के अनुरूप है क्योंकि मुझे आक्रामक खेलने का शौक है।
अभिषेक शर्मा भारतीय बल्लेबाज

हाईलाइट

एफआईएच महिला विश्व कप क्वालीफायर के पूल बी में भारत

नई दिल्ली। हैदराबाद में होने वाले 2026 एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप क्वालीफायर में भारत को चार टीमों वाले पूल बी में रखा गया और मेजबान देश अभियान की शुरुआत 8 मार्च को उरुग्वे के खिलाफ करेगा। भारत इसके बाद नौ मार्च को स्कॉटलैंड और 11 मार्च को वेल्स के खिलाफ पूल मुकाबले खेलेगा। इंग्लैंड, कोरिया, इटली और ऑस्ट्रिया पूल ए में शामिल हैं। सेमीफाइनल मुकाबले 13 मार्च को खेले जाएंगे जबकि तीसरे स्थान का प्ले-ऑफ और फाइनल 14 मार्च को आयोजित होगा। दूसरा क्वालीफाइंग टूर्नामेंट चिली के सैंटियागो में 28 फरवरी से आठ मार्च तक खेला जाएगा जिसमें ऑस्ट्रेलिया, जापान, आयरलैंड, चिली, फ्रांस, कनाडा, मलेशिया और स्विट्जरलैंड की टीम भाग लेंगी।

राइफल ट्रायल्स में माने साक्षी का बेहतर प्रदर्शन

नई दिल्ली। महाराष्ट्र की साक्षी सुनील पडेकर और रेलवे के शाहू तुषार माने ने शुक्रवार को राष्ट्रीय चयन ट्रायल 1 और 2 (ग्रुप ए) में क्रमशः 10 मीटर एयर राइफल महिला और पुरुष स्पर्धाओं के फाइनल और क्वालिफिकेशन राउंड में राष्ट्रीय रिकॉर्ड से बेहतर स्कोर बनाया। साक्षी ने टी2 फाइनल में 254.3 अंक बनाए जबकि शाहू तुषार माने ने क्वालिफिकेशन में 637.1 का स्कोर किया। ये दोनों स्कोर राष्ट्रीय रिकॉर्ड से बेहतर होने के बावजूद आधिकारिक रिकॉर्ड बुक में दर्ज नहीं किए जाएंगे। ओलंपियन अर्जुन बबूता ने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल टी2 फाइनल में जीत दर्ज की जबकि साक्षी ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल टी2 फाइनल अपने नाम किया।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शाहीन पाक टीम में

कराची। पाकिस्तान के चयनकर्ताओं ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के लिए शुक्रवार को तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को राष्ट्रीय टी20 टीम में शामिल किया। अफरीदी के घुटने की चोट से वापसी और बाबर आजम के बिग बैश लीग से लौटने के अलावा इस महीने की शुरुआत में श्रीलंका के खिलाफ खेलने वाली टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। अफरीदी को ऑस्ट्रेलिया में बिग बैश लीग के दौरान क्षेत्ररक्षण करते हुए घुटने में चोट लग गई थी और वह लाहौर के हाई परफॉर्मेंस सेंटर में उपचार के लिए घर लौट आए थे।

भारत ने भूटान को 11-3 से हराया

नोंथाबुरी (थाईलैंड)। भारत ने सैफ फुटसल चैंपियनशिप 2026 में भूटान को 11-3 से हराने के लिए दमदार आक्रमक प्रदर्शन किया। निखिल माली ने हैट्रिक लगाई, उन्होंने तीनों गोल मैच के आखिरी मिनट में किए। विसेंट लालतलुआंगजेला और अनमोल अधिकारी ने दो-दो गोल किए। जोनाथन लालरावंमावला, लालसोमिया और सीन डिसूजा ने एक-एक गोल किया, जबकि भूटान के जिग्मे स्लेटोब दोरजी ने एक आत्मघाती गोल किया। इस बड़ी जीत से भारत चार मैचों में पांच अंकों के साथ स्टैंडिंग में चौथे स्थान पर पहुंच गया है। मालदीव के दिन में पहले नेपाल को 2-1 से हराने के बाद फुटसल टाइगर्स पहले ही टूर्नामेंट में शीर्ष स्थान की दौड़ से बाहर हो गए थे।

भारत ने न्यूजीलैंड को सात विकेट से हराया

दूसरा टी20 : कप्तान सूर्यकुमार ने नाबाद 82 और इशान ने 76 रनों की खेलीं विस्फोटक पारियां

- भारत ने पांच मैचों की श्रृंखला में 2-0 की बनाई बढ़त, कीवी कप्तान सैंटनर और रचिन रवींद्र की उपयोगी पारियां हुईं बेकार

रायपुर, एजेंसी

कप्तान सूर्यकुमार यादव (नाबाद 82) और इशान किशन (76) की विस्फोटक पारियों के दम पर भारत ने पांच मैचों की श्रृंखला के दूसरे टी20 में शुक्रवार को न्यूजीलैंड को 28 गेंद शेष रहते सात विकेट से हराया। न्यूजीलैंड को छह विकेट पर 208 रनों पर रोकने के बाद भारत ने 15.2 ओवर में तीन विकेट पर 209 रनों के साथ श्रृंखला में 2-0 की बढ़त बना ली।

टी20 विश्व कप से पहले लय हासिल करते हुए सूर्यकुमार ने 23 पारियों से चले आ रहे अर्धशतक के सूखे को खत्म किया। उन्होंने 37 गेंद की नाबाद पारी के दौरान नौ चौके और चार छक्के लगाने के अलावा तीसरे विकेट के लिए इशान के साथ महज 49 गेंद में 122 और शिवम दुबे (नाबाद 36) के साथ चौथे विकेट के लिए 37 गेंद में 81 रन की अटूट की साझेदारी के साथ टीम को आसानी से जीत दिला दी। भारत ने इसके साथ ही टी20 में लक्ष्य का सफलता से सबसे बड़े स्कोर के पीछा करने के अपने रिकॉर्ड की बराबरी की। टीम ने इससे पहले 2023 में विशाखापत्तनम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी लक्ष्य का पीछा करते हुए 209 रन बनाये थे। इशान ने 32 गेंद की पारी में 11 चौके और चार छक्के लगाए जबकि दुबे ने 18 गेंद की नाबाद पारी में तीन छक्के और एक चौका जड़ा।

सूर्यकुमार यादव

न्यूजीलैंड के लिए, मैट हेनरी, जैकब डफी और ईश सोढ़ी ने 1-1 विकेट लिए। इससे पहले कुलदीप यादव ने बीच के ओवरों में दो अहम विकेट लेकर शानदार वापसी की, जिससे भारत ने न्यूजीलैंड को छह विकेट पर 208 रनों पर रोक दिया। न्यूजीलैंड की ओर से रचिन रवींद्र (44 रन, 26 गेंद) और कप्तान मिचेल सैंटनर (नाबाद 47 रन, 27 गेंद) ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए टीम को 200 रनों के पार पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए संजू सैमसन को दूसरी गेंद पर जीवनदान मिला जब मैट हेनरी की गेंद पर कोन्वे ने बाउंड्री के बाद उनका कैच छोड़ दिया। सैमसन स्कोर कार्ड में इजाफा किए बगैर रवींद्र को कैच देकर पवेलियन लौट गए। अभिषेक शर्मा खाता खोले बगैर जैकब डफी का शिकार बने। छह रन पर दो विकेट गंवाने के बाद टीम दबाव में थी, लेकिन इशान पर इसका कोई असर नहीं पड़ा और उन्होंने जैक फोक्स के खिलाफ तीन चौके और एक छक्का के साथ तीसरे ओवर से 24 रन बटोर लिया। उन्होंने कप्तान सैंटनर के खिलाफ हैट्रिक चौका लगाया और छठे ओवर में हेनरी के खिलाफ लगातार गेंदों पर छक्का और दो चौका जड़ते हुए 21 गेंद पर अर्धशतक पूरा किया। पावरप्ले में भारत ने 75 रन बना लिए। सूर्यकुमार ने सैंटनर के खिलाफ चौका लगाकर टीम के रनों का शतक पूरा किया। अब तक संभल कर खेल रहे भारतीय कप्तान ने नौवें ओवर में फोक्स के खिलाफ चार चौके और एक छक्का लगाया। टीम ने इस ओवर से 25 रन बटोर लिये। इशान 10वें ओवर में ईश सोढ़ी के खिलाफ आक्रामक शॉट खेलने की कोशिश में गेंद हवा में लहरा बैठे और हेनरी ने आसान कैच लपककर उनकी पारी का अंत किया।

इशान किशन

दूसरे टी20 मैच के दौरान ग्लेन फिलिप्स का विकेट लेने के बाद साथियों के साथ जश्न मनाते कुलदीप यादव।

भारतीय कप्तान को डफी की गेंद पर मुश्किल जीवनदान मिला जब चैपमैन उनका कैच लपकने में नाकाम रहे और गेंद उनके हाथ से लगकर छह रन के लिए चली गयी। सूर्यकुमार ने अगली गेंद पर एक रन चुराकर 23 पारियों के बाद अपना अर्धशतक पूरा किया। शिवम दुबे ने सोढ़ी के खिलाफ दो छक्के लगाकर हाथ खोला और फिर भारतीय कप्तान के साथ आक्रामक बल्लेबाजी कर आसान जीत दिला दी।

सूर्यकुमार ने इससे पहले ओस की संभावना को देखते हुए टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। चोटिल अक्षर पटेल और आराम दिए गए जसप्रीत बुमराह की जगह हर्षित राणा और कुलदीप यादव को अंतिम एकादश में शामिल किया गया। कॉन्वे (19 रन, नौ गेंद) और टिम सिफर्ट (24 रन, 13 गेंद) ने न्यूजीलैंड को तेज शुरुआत दिलाई लेकिन दोनों बल्लेबाज टीम के 43 रन के स्कोर पर आउट हो गए। कोन्वे ने पहले ओवर में ही आउटस्विंग से छकाए जाने के बावजूद अर्शदीप सिंह पर आक्रामक रुख अपनाया और तीन चौके व एक छक्का लगाकर 18 रन बटोरे। इसके बाद सिफर्ट ने भी अर्शदीप के अगले ओवर में चार चौके जड़ते हुए 18 रन निकाल लिए। चौथे ओवर में गेंदबाजी के लिए आए हर्षित राणा ने दूसरी ही गेंद पर कोन्वे को आउट किया। यह सफेद गेंद की इस श्रृंखला में चौथी बार था जब राणा ने बायें हाथ के इस सलामी बल्लेबाज को पवेलियन भेजा। रवींद्र ने कुछ शानदार शॉट्स लगाए, लेकिन वह कुलदीप की फिरकी को पढ़ने में नाकाम रहे और आउट हो गए। इससे पहले कुलदीप ने खतरनाक ग्लेन फिलिप्स को गुगली पर छकाते हुए बैकवर्ड प्वाइंट पर कैच करवाया था। शुरुआती 10 ओवरों में तीन विकेट पर 111 रन बनाने के बाद न्यूजीलैंड बड़े स्कोर की ओर बढ़ता दिख रहा था, लेकिन भारत ने मैच में वापसी की।

शिवम दुबे ने 12वें ओवर में गेंदबाजी के लिए आए और अपनी धीमी गेंद पर फॉर्म में चल रहे डैरिल मिचेल को आउट कर दबाव बना दिया। अंतिम पांच ओवरों में कप्तान सैंटनर ने मोर्चा संभालते हुए कुछ आकर्षक चौके और हार्दिक पंड्या पर एक सीधा छक्का जड़ा। जैक्स फोक्स ने आखिरी दो गेंद पर छक्का और चौका जड़ जिससे टीम को अंतिम पांच ओवरों में 57 रन बटोरे।

न्यूजीलैंड

208/6 (20 ओवर)

डेवोन कोन्वे का पंड्या बो राणा	19
टिम सिफर्ट का इशान बो चक्रवर्ती	24
रचिन रविंद का अर्शदीप बो कुलदीप	44
ग्लेन फिलिप्स का पंड्या बो कुलदीप	19
डेरिल मिचेल का पंड्या बो दुबे	18
मार्क चैपमैन का अभिषेक बो पंड्या	10
मिचेल सैंटनर नाबाद	47
जैक फोक्स नाबाद	15

गेंदबाजी : अर्शदीप 4-0-53-0, पंड्या 3-0-25-1, राणा 3-1-35-1, चक्रवर्ती 4-0-35-1, कुलदीप 4-0-35-2, अभिषेक 1-0-12-0, दुबे 1-0-7-1

भारत

209/3 (15.2 ओवर)

संजू सैमसन का रवींद्र बो हेनरी	06
अभिषेक शर्मा का कोन्वे बो डफी	00
इशान किशन का हेनरी बो सोढ़ी	76
सूर्यकुमार यादव नाबाद	82
शिवम दुबे नाबाद	36

गेंदबाजी : हेनरी 3-0-41-1, डफी 4-0-38-1, फोक्स 3-0-67-0, सैंटनर 2-0-27-0, सोढ़ी 3-0-34-1, मिचेल 0.2-0-2-0

झारखंड के 561 रनों से उत्तर प्रदेश बैकफुट पर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

रणजी ट्रॉफी

अमृत विचार: रणजी ट्रॉफी के एलीट पूल मुकाबले में उत्तर प्रदेश की नॉकआउट में पहुंचने की उम्मीदों को झटका लगता नजर आ रहा है। अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में झारखंड के खिलाफ खेले जा रहे मैच के दूसरे दिन मेजबान यूपी पूरी तरह दबाव में दिखी। झारखंड की पहली पारी के 561 रनों के जवाब में यूपी ने महज 32 रन पर अपने शीर्ष क्रम के तीन अहम विकेट गंवा दिए। झारखंड की ओर से शरणदीप ने 139, आर्यमान सेन ने 75 तथा कुशाग्र ने 102 रन की शतकीय पारी खेली। यूपी की ओर से कुनाल त्यागी व शिवम शर्मा को दो-दो विकेट मिले। जवाब में यूपी की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने चार रन पर ही माधव कौशिक (2) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद आर्यन जुयाल (4) और आदित्य शर्मा (2) भी जल्दी पवेलियन लौट गए। दिन का खेल समाप्त होने तक अभिषेक गोस्वामी 14 रन और शिवम शर्मा 8 रन बनाकर क्रीज पर टिके थे।

शतक जड़ने के बाद खुशी जाहिर करते झारखंड के कुशाग्र।

सरफराज ने जड़ा दोहरा शतक

हैदराबाद। सरफराज खान की 227 रनों की पारी की बदौलत मुंबई ने रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी मुकाबले में हैदराबाद पर दबदबा बना लिया। हैदराबाद ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक पहली पारी में दो विकेट पर 138 रन बना लिए है। मुंबई की पहली पारी 560 रन पर सिमटी। ग्रुप के अन्य मैच में खराब रोशनी से पुडुचेरी और जम्मू-कश्मीर का खेल रोकना पड़ा।

गुकेश के सामने छठे दौर में अब्दुसत्तोरोव की चुनौती

टाटा स्टील मास्टर्स

विक आन जी (नीदरलैंड्स)। पिछले मुकाबले में जीत से आत्मविश्वास हासिल करने वाले भारत के युवा विश्व चैंपियन डी गुकेश टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के छठे दौर में उज्बेकिस्तान के अनुभवी और संयुक्त रूप से शीर्ष पर चल रहे नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव से भिड़ेंगे। गुकेश ने पांचवें दौर में काले मोहरों से चेक गणराज्य के थाई दाई वान गुयेन को हराया था। उन्हें लगातार दूसरे मुकाबले में काले मोहरों से खेलना होगा। मौजूदा चैंपियन को देखते हुए मोहरों का रंग उनके प्रदर्शन पर असर डालता नहीं दिख रहा है।

गुकेश टूर्नामेंट की शुरुआत में कुछ मौकों पर अच्छी स्थिति का पूरा फायदा नहीं उठा सके। शुरुआती दौर में जावोखिर सिंदारोव के खिलाफ बेहतर स्थिति होने के बावजूद जीत दर्ज करने में नाकाम रहे गुकेश ने इसके बाद जॉर्डन वैन फॉरेस्ट के खिलाफ पिछड़ने के बाद अच्छी वापसी की। चार ड्रॉ और एक जीत के साथ तीन अंक लेकर गुकेश फिलहाल संयुक्त चौथे स्थान पर हैं।

सिंधु और लक्ष्य की हार से भारतीय चुनौती समाप्त

इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन

- चेन यू फेई के खिलाफ आमने-सामने के रिकॉर्ड में अब सिंधु 6-8 से पीछे

जकार्ता, एजेंसी

पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में सीधे गेम में हारकर बाहर हो गये, जिससे पांच लाख डॉलर पुरस्कार राशि वाले इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की चुनौती शुक्रवार को समाप्त हो गई।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु को महिला एकल क्वार्टर फाइनल में चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व नंबर चार खिलाड़ी चेन यू फेई के खिलाफ 42 मिनट तक चले मुकाबले में 13-21, 17-21 से हार मिली। इस हार के साथ ही सिंधु का सुपर 500 स्तर के इस टूर्नामेंट में सफर खत्म हो गया। चेन यू फेई के खिलाफ आमने-सामने के रिकॉर्ड में अब सिंधु 6-8 से पीछे हो गई है। सिंधु की चीन की इस खिलाड़ी के खिलाफ पिछली जीत 2019 में दर्ज हुई थी।

पुरुष एकल में 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन को थाईलैंड के उभरते खिलाड़ी पनिचाफोन तीरारत्साकुल से कड़े मुकाबले में 18-21, 20-22 से हार मिली। यह मैच 46 मिनट चला। लक्ष्य दोनों गेम में कड़ी टक्कर देने के बाद भी जीत दर्ज करने में नाकाम रहे। लक्ष्य को हराने से पहले थाईलैंड का खिलाड़ी प्री-क्वार्टरफाइनल में मलेशिया के पेरिस ओलंपिक 2024 के कांस्य पदक विजेता ली जी जिया को भी टूर्नामेंट से बाहर कर चुका है।

इससे पहले गुरुवार को किदांबी श्रीकांत और अनमोल खरब पुरुष और महिला एकल वर्ग में हारकर बाहर हो गए थे। पुरुष युगल में हरिहरन अमसकरुणन और एम आर अर्जुन की जोड़ी भी प्री-क्वार्टरफाइनल से आगे बढ़ने में नाकाम रही। महिला युगल वर्ग में भारत की कोई भी जोड़ी भाग नहीं ले रही थी जबकि दो भारतीय जोड़ियां पहले दौर में ही टूर्नामेंट से बाहर हो गई थीं।

बांग्लादेश की अपील पर सुनवाई डीआरसी के अधिकार क्षेत्र में नहीं

नई दिल्ली। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने आईसीसी की विवाद समाधान समिति (डीआरसी) को पत्र लिखकर राष्ट्रीय पुरुष टीम के टी20 विश्व कप मुकाबले भारत में कराने के संचालन परिषद के फैसले को पलटने की मांग की है, लेकिन यह अपील सुनी नहीं जाएगी क्योंकि यह मामला उप-समिति के अधिकार क्षेत्र से बाहर है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भले ही स्कॉटलैंड को स्टैंडबाय पर रखा हो, लेकिन अमीनुल इस्लाम बुलबुल के नेतृत्व वाला बीसीबी आखिरी विकल्प के तौर पर आईसीसी की डीआरसी के पास पहुंचा। इस समिति के अध्यक्ष इंग्लैंड के माइकल बेलॉफ (किंग्स काउंसिल) हैं। बीसीबी के सूत्र ने बताया कि बीसीबी ने डीआरसी का रुख किया है क्योंकि वह अपने सभी विकल्प आजमाना चाहता है। अगर डीआरसी बीसीबी के खिलाफ फैसला देती है तो फिर स्विट्जरलैंड स्थित खेल पंचाट (सीएएस) ही बचेगा।

प्लेऑफ में बने रहने को दिल्ली की निगाहें ऑलराउंड प्रदर्शन पर

वडोदरा। दिल्ली कैपिटल्स को महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए शनिवार को शानदार फॉर्म में चल रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ हर विभाग में बेहतरीन प्रदर्शन करना होगा। दिल्ली ने पिछले मैच में मुंबई को सात विकेट से हराकर वापसी के संकेत दिए थे और वह चार अंक के साथ तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गई। अब तक अजेय रही आरसीबी को हराने के लिए दिल्ली को अपने खेल का स्तर और ऊंचा करना होगा। अब तक दिल्ली की बल्लेबाजी की अगुआई अनुभवी लिजेल ली (213 रन) ने की है जबकि लॉरा वोलवार्ट (123 रन) और शेफाली वर्मा (149 रन) ने बीच-बीच में उनका सहयोग किया है।

आर्यना सबालेंका

ऑस्ट्रेलियाई ओपन

दानिल मेदवेदेव ने दो सेट से पिछड़ने के बाद मारोजसन पर जीत की हासिल

कार्लोस अल्काराज और आर्यना सबालेंका चौथे दौर में

मेलबर्न, एजेंसी

विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज कार्लोस अल्काराज ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के पुरुष एकल के तीसरे दौर में कोरेंटिन माउटेट पर जीत दर्ज की। स्पेन के अल्काराज करियर ग्रैंडस्लैम की कोशिश में जुटे हैं। उन्होंने 32वीं वरीयता प्राप्त माउटेट पर 6-2, 6-4, 6-1 से जीत हासिल की। महिलाओं के एकल में शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने अनास्तासिया पोटापोवा को 7-6 (4), 7-6 (7) से मात दी।

अल्काराज ने कहा कि जब आप कोरेंटिन जैसे किसी खिलाड़ी के साथ खेलते हैं तो आपको नहीं पता होता कि आगे क्या होने वाला है। जैसा कि आप देख सकते हैं, हम दोनों ने शानदार शॉट्स लगाए। शानदार अंक जुटाए। अल्काराज अब रविवार को दुनिया के 19वें नंबर के खिलाड़ी टॉमी पॉल से भिड़ेंगे, जिन्होंने एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना के चोट के कारण रिटायर होने से अगले दौर में प्रवेश किया। पॉल ने पहले दो सेट 6-1, 6-1 से अपने नाम किए थे।

कार्लोस अल्काराज

महिलाओं के एकल में शीर्ष रैंकिंग पर काबिज आर्यना सबालेंका चार साल में अपना तीसरा ऑस्ट्रेलियाई ओपन खिताब जीतने की कोशिश कर रही हैं। सबालेंका ने 2023 और 2024 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब जीता और एक साल पहले वह मैडिसन कीज से हारकर उपविजेता रही थीं। सबालेंका ने दो बार अमेरिकी ओपन भी जीता है। अब चौथे दौर में सबालेंका का सामना उभरती हुई स्टार विक्टोरिया म्बोको से होगा, जिन्होंने क्लारा टौसन को हराया है।

पुरुषों के अन्य मुकाबले में दानिल मेदवेदेव ने दो सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए फैबियन मारोजसन पर 6-7 (5), 4-6, 7-5, 6-0, 6-3 से जीत हासिल की। यह पांचवीं बार है जब मेदवेदेव ने 0-2 से पिछड़ने के बाद ग्रैंड स्लैम मैच जीता है। 2021 के अमेरिकी ओपन चैंपियन और तीन बार के ऑस्ट्रेलियाई ओपन उप विजेता मेदवेदेव अब अमेरिकी खिलाड़ी लर्नर टिएन से भिड़ेंगे, जिन्होंने उन्हें पिछले साल दूसरे दौर के पांच सेट चले मैच में हराया था। 25वीं वरीयता प्राप्त टिएन ने नूनो बोर्गेस को 7-6 (9), 6-4, 6-2 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई।

इवा जोविक ने पाओलिनी को हराकर किया बड़ा उलटफेर

महिला खिलाड़ी इवा जोविक ने टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए जैस्मीन पाओलिनी को तीसरे राउंड में 6-2, 7-6(3) से हरा दिया। इस नतीजे से जोविक सिर्फ अपने छठे प्रयास में पहली बार किसी मेजर टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंचीं। यह चार मुलाकातों में किसी टॉप 10 खिलाड़ी के खिलाफ उनकी पहली जीत थी। इस टीनएजर की पिछली तीन हार में से दो पाओलिनी के खिलाफ थीं, पिछले साल इंडियन वेल्स और यूएस ओपन में।

इवा जोविक

कोको गॉफ लगातार चौथी बार चौथे राउंड में पहुंची

मेलबर्न। अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने एक सेट से पिछड़ने के बाद अपनी साथी अमेरिकी खिलाड़ी हेले बैपटिस्ट को 3-6, 6-0, 6-3 से मात देकर चौथे दौर में प्रवेश किया। यह जीत उनके 77वें ग्रैंड स्लैम मैच की जीत, उनके 100वें ग्रैंड स्लैम मैच में आई। गॉफ ओपन एरा में 22 साल की उम्र से पहले अपने 100वें महिला सिंगल्स ग्रैंड स्लैम मेन-ड्रॉ मैच में खेलने वाली नौवीं खिलाड़ी हैं। मैरी जो फर्नांडीज, स्टेफी ग्राफ, मार्टिना हिंगिस, गैब्रिएला सबातिनी, अरांशा सांचेज विकारियो, मारिया शारापोवा, सेरेना विलियम्स, वीनस विलियम्स जैसी दिग्गज खिलाड़ियों की सूची में शामिल हुई हैं। सक्रिय खिलाड़ियों में से केवल वीनस विलियम्स (85) और इगा स्वियातेक (83) ने अपने पहले 100 ग्रैंड स्लैम मैचों में जीत हासिल की है।